THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 364 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.12/13 2079 रविवार, 19 मार्च 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

मोदी ने मोटे अनाज पर डाक टिकट-सिक्का जारी किया

कहा-मिलेट्स की कामयाबी भारत की जिम्मेदारी, यह दुनिया की भलाई के लिए जरूरी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में होने वाली ग्लोबल मिलेट्स (मोटा अनाज) कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन कर दिया है। यह कॉन्फ्रेंस दिल्ली के इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च सेंटर (आईएआरआई) कैंपस में आयोजित की गई है। इस मौके पर पीएम मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 पर एक डाक टिकट और सिक्के का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने बायर सेलर मीट और प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत के प्रस्ताव और प्रयासों के बाद ही संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। जब विश्व अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मना रहा है तब भारत इस अभियान की अगुआई कर रहा है। ग्लोबल मिलेट्स कॉन्फ्रेंस इसी दिशा का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह के आयोजन न केवल वैश्विक भलाई के लिए जरूरी हैं, बल्कि वैश्विक भलाई में भारत की बढ़ती जिम्मेदारी का भी प्रतीक हैं।

कॉन्फ्रेंस में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि ले रहे हैं भाग

इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। ग्लोबल मिलेट्स कॉन्फ्रेंस 19 मार्च को खत्म होगा। इसके मद्देनजर यह साल भारत के लिए बहुत ही अहम माना जा रहा है, क्योंकि भारत 2023 में जी-20 की मेजबानी कर रहा है। सरकार ने मिलेट्स को जी-20 बैठकों का भी एक हिस्सा बनाया है।

मिलेट्स यानी श्री अन्न :

हमारे देश में मिलेट्स को अब 'श्री अन्न' की पहचान दी गई है। यह सिर्फ खेती और खाने तक ही सीमित नहीं है। श्री अन्न भारत में समग्र विकास का एक माध्यम बन रहा है। इसमें गांव और गरीब भी जुड़ा है। भारत के 75 लाख से ज्यादा किसान आज वर्चुअली इस कार्यक्रम से जुड़े हैं।

2.5 करोड़ किसानों को आर्थिक रूस से मजबूत कर रहे मिलेट्स :

मिलेट्स अब लोगों के लिए रोजगार का जरिया भी बन रहे हैं। 2.5 करोड़ किसान सीधे तौर पर मिलेट्स से जुड़े हैं। श्री अन्न के लिए हमारा मिशन इन सभी किसानों और उनसे जुड़ी तंत्र को फायदा पहुंचाएगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

बढ़ रही है मिलेट्स की घरेलू खपत

हमने श्री अन्न को ग्लोबल मूवमेंट बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमारे यहां 12-13 राज्यों में मिलेट्स की खेती होती है, लेकिन अब तक इनकी घरेलू खपत बहुत कम थी। एक व्यक्ति महीने भर में 2 से 3 किलो मिलेट्स ही खाता था। आज ये खपत बढ़कर 14 किलो प्रति माह हो गई है। एक तरफ ग्लोबल साउथ है, जो अपने गरीबों की फूड सिक्योरिटी को लेकर चिंतित है। दूसरी ग्लोबल नॉर्थ का हिस्सा है, जहां फूड हैबिट्स से जुड़ी बीमारियां एक बड़ी समस्या हैं।

इमरान खान ने कहा पुलिसवालों ने घर के अंदर घुसकर की मारपीट

कराची, 18 मार्च (एजेंसियां)। तोशखाना मामले की सुनवाई के सिलसिले में इस्लामाबाद जा रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के काफिले की एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पाकिस्तान मीडिया ने इस बारे में जानकारी दी। बताया जा रहा है कि एक गाड़ी पलटने से तीन लोग घायल हो गए।

वहीं, इमरान ने दावा किया कि पुलिस ने उनके घर के अंदर घुसकर मारपीट की।पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान तोशखाना मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट लाहौर से इस्लामाबाद जा रहे थे, तभी उनके काफिले की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। इस एक्सीडेंट में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। हालांकि, इमरान खान पूरी तरह सुरक्षित हैं और इस्लामाबाद की ओर जा रहे हैं। इस हादसे में एक गाड़ी पलट गई है। इमरान खान ने आज इस्लामाबाद जाने के रास्ते में उनके घर में घुसने के लिए पुलिस की निंदा की। उनकी पार्टी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में पुलिसवाले पार्टी कार्यकर्ताओं को परिसर के अंदर लाठियों से मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। पीटीआई पार्टी का कहना है कि पाकिस्तान पुलिस ने पूर्व पीएम इमरान खान की लाहौर संपत्ति में प्रवेश किया है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीडिया को लेकर कह दी बड़ी बात, सलाह भी दे डाली

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को मीडिया को लेकर बड़ी बात कह दी। उन्होंने मीडिया समुदाय को देश की अखंडता के लिए खतरा उत्पन्न करने वाले आख्यानों के प्रति सतर्क रहने और उन्हें जगह देने से बचने का आग्रह किया। ठाकुर ने कहा कि देश के भीतर से या विदेश से जाहिर की गई घटिया और अतार्किक राय देश की लोकतांत्रिक प्रकृति को नष्ट नहीं कर सकती।

अनुराग मलयालम दैनिक 'मातृभूमि' के शताब्दी समारोह में बतौर विशेष अतिथि शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'मैं मीडिया बिरादरी से सतर्क रहने और ऐसी आवाजों और आख्यानों को जानबूझकर या अनजाने में जगह देने से बचने का आग्रह करता हूं, जो भारत की अखंडता को खतरा उत्पन्न कर सकती हैं।'

अनुराग ने आगे कहा कि एक कहावत है कि तथ्य महत्वपूर्ण होते हैं और राय स्वतंत्र होती है। उन्होंने कहा, 'मैं यहां इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमारे महान राष्ट्र की लोकतांत्रिक प्रकृति हमेशा एक तथ्य बनी रहेगी, भले ही देश या विदेश से कितनी ही घटिया और अतार्किक राय जाहिर की जाए।'

9 साथियों के साथ पकड़ा गया अमृतपाल

पंजाब में कल तक इंटरनेट बंद

अमृतसर, 18 मार्च (एजेंसियां)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल और उसके 9 साथियों को पंजाब पुलिस ने शनिवार को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारियां अजनाला थाने पर हमले से जुड़े केस में की गईं। अमृतपाल के 6 साथियों को शनिवार दोपहर जालंधर से मोगा की तरफ जाते समय पकड़ा गया। यहां पंजाब पुलिस के घेरा डालते ही अमृतपाल खुद गाड़ी में बैठकर भाग निकला। पुलिस की करीब 100 गाड़ियों ने लगभग डेढ़ घंटा पीछा करने के बाद उसे जालंधर के नकोदर एरिया से दबोच लिया। हालांकि उसकी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। 2 लोगों को अमृतसर और एक को मोगा में उसके खेतों से गिरफ्तार किया गया।

इस बीच माहौल बिगड़ने की आशंका के चलते पंजाब में 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। राज्य में रविवार दोपहर 12 बजे तक मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाएं बंद रहेगी। राज्य के फाजिल्का और मुक्तसर जिले में धारा 144 लगा दी गई। उधर अमृतपाल की गिरफ्तारी के विरोध में मोहाली में प्रदर्शन शुरू हो गया। यहां चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर लगे इंसाफ मोर्चा में मौजूद लगभग 150 निहंग नंगी तलवारें और डंडे लेकर सड़क पर उतर आए।

मोहाली में निहंगों ने एयरपोर्ट रोड जाम की

उधर अमृतपाल की गिरफ्तारी के विरोध में मोहाली में प्रदर्शन शुरू हो गया। यहां चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर लगे इंसाफ मोर्चा में मौजूद लगभग 150 निहंग हाथों में नंगी तलवारें और डंडे लेकर सड़क पर उतर आए। यह लोग अमृतपाल को रिहा करने के लिए नारेबाजी करते हुए चंडीगढ़ की तरफ बढ़ने लगे और रोके जाने पर एयरपोर्ट रोड जाम कर दी। पंजाब पुलिस के जवानों ने इनके चारों तरफ घेरा डाल लिया। चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर इसी इंसाफ मोर्चे में शामिल निहंगों और पुलिस के बीच 8 फरवरी 2023 को हिंसक झड़प हो गई थी जिसमें कई पुलिसवाले घायल हो गए थे।

खालिस्तान समर्थक संगठन 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल के खिलाफ 3 केस दर्ज हैं जिनमें से दो मामले अमृतसर जिले के अजनाला थाने में हैं। अपने एक करीबी की गिरफ्तारी से नाराज होकर अमृतपाल ने 23 फरवरी को समर्थकों के साथ मिलकर अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। इस केस में उस पर कार्रवाई नहीं होने के चलते पंजाब पुलिस की काफी आलोचना हो रही थी। शनिवार को अमृतपाल ने जालंधर-मोगा नेशनल हाईवे पर शाहकोट-मलसियां इलाके और बठिंडा जिले के रामपुरा फूल में कार्यक्रम रखे थे।

यूट्यूबर मनीष कश्यप का सरेंडर..थाने के बाहर समर्थकों की भीड़

तमिलनाडु फेक वीडियो केस में ढूंढ रही थी ईओयू; घर कुर्की करने पहुंची बेतिया पुलिस

बेतिया, 18 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों पर हमले का फेक वीडियो बनाने और उसे वायरल करने के आरोप में यूट्यूबर मनीष कश्यप ने सरेंडर कर दिया है। मनीष ने बेतिया के जगदीशपुर ओपी में सरेंडर किया है। मनीष कश्यप को बेतिया एसपी और कई थानों की टीम अपनी सुरक्षा में लेकर निकल चुकी है।

इधर मनीष कश्यप के सरेंडर की खबर मिलते ही थाने के बाहर बड़ी संख्या में उसके समर्थकों की भीड़ जुट गई है। बड़ी संख्या में युवा थाने की गेट पर जुटे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। बता दें कि जगदीशपुर ओपी की पुलिस शनिवार सुबह मनीष के घर की कुर्की करने पहुंची। मजिस्ट्रेट की तैनाती में मझौलिया के डुमरी महनवा गांव में पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई शुरू की। बेतिया एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ईओयू और बिहार पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही थी। शुक्रवार को मनीष कश्यप के खिलाफ कुर्की निकाली गई थी और आज कुर्की की कार्रवाई भी की गई। इससे दबाव में आकर मनीष ने सरेंडर कर दिया है। अब आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मनीष कश्यप के सरेंडर पर ईओयू ने बताया कि तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों पर हमले के फर्जी वीडियो बनाने के केस में वांटेड मनीष कश्यप ने सरेंडर किया है। गिरफ्तारी और कुर्की के डर से आज बेतिया के जगदीशपुर ओपी में मनीष ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पटना और चंपारण पुलिस के साथ ईओयू की ओर से गठित एसआईटी की 6 टीमें कल से लगातार उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। जिसके बाद शनिवार को मनीष कश्यप के मझौलिया थाने में घर पर कुर्की की गई। इसके बाद उसने सरेंडर किया है। मामले में मनीष कश्यप पर पटना में 3 एफआईआर दर्ज हैं। इनमें 2 केस आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने तमिलनाडु विवाद पर फेक वीडियो बनाने को लेकर दर्ज किया है। वहीं तीसरा केस अपनी झूठी गिरफ्तारी की बात वायरल करने को लेकर दर्ज किया गया है। इधर पश्चिम चंपारण में भी उन पर कुल 7 मामले दर्ज हैं। इनमें से एक केस पर कुर्की जब्ती के लिए पुलिस ने कोर्ट में अर्जी दी थी। इसी को लेकर शनिवार सुबह से कार्रवाई की जा रही थी।

टीम ने वायरल वीडियो को गलत पाया

एडीजी मुख्यालय के अनुसार तमिलनाडु मामले में जांच कर रही टीम ने वायरल वीडियो को गलत पाया है। जिसे मनीष कश्यप ने बीएनआर न्यूज हनी नाम के एक यूट्यूब चैनल के वीडियो को शेयर किया था। इस वीडियो में पट्टी बांधे गए दो युवकों अनिल कुमार और आदित्य कुमार को मजदूर दिखाया गया। इस वीडियो को मनीष कश्यप के साथी और गोपालगंज के रहने वाले राकेश कुमार रंजन ने शूट किया और 6 मार्च को उसे अपलोड कर दिया।

काम में लापरवाही पर एनजीटी हुआ सख्त

कोच्चि नगर निगम पर 100 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कोच्चि नगर निगम (सीईओ) को अपने कर्तव्यों में कथित लापरवाही बरतने के लिए 100 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोच्चि शहर 2 मार्च, 2023 को एक कचरे की ढेर में आग लगने के कारण जाम हो गया था। जिससे संकट की स्थिति पैदा हो गई थी। निवासियों को घर के अंदर रहने के लिए चेतावनी जारी की गई थी और अस्पतालों को गंभीर वायु प्रदूषण और इसके चिंताजनक सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों से निपटने के लिए श्वसन संकट वाले रोगियों की आपातकालीन भर्ती तैयार करने के लिए कहा गया था।

एक महीने के अंदर मुआवजा जमा कराने का आदेश

अध्ययनों और कोच्चि नगर निगम की ओर से अपने कर्तव्यों की लंबे समय से की जा रही उपेक्षा को ध्यान में रखते हुए हम कोच्चि नगर निगम को एनजीटी अधिनियम की धारा 15 के तहत 100 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दते हैं। इसे पीड़ितों के सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने सहित आवश्यक उपचार उपायों के लिए एक महीने के भीतर केरल के मुख्य सचिव के पास जमा किया जा सकता है। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने ये निर्देश जारी किया है।

एआईएमआईएम सांसद ने औरंगाबाद में आंदोलन खत्म करने का एलान किया

बोले-माहौल खराब करने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। औरंगाबाद शहर का नाम बदलने को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। इसके खिलाफ एआईएमआईएम का चल रहा आंदोलन आज खत्म कर दिया जाएगा। इस बीच, एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने दावा किया कि औरंगाबाद में शांति भंग करने की कोशिश हो रही है। इसलिए हमने अपने आंदोलन को वापस लेने का फैसला लिया है। अब शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का काम है।

जलील ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'लोग यहां सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित रैली को संबोधित करने के लिए बाहर (औरंगाबाद से बाहर) से आ रहे हैं। हमने अपने आंदोलन को रोक दिया है। अब शांति बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है।' जलील ने कहा कि कलेक्टर कार्यालय के बाहर करीब दो हफ्ते पहले शुरू हुई भूख हड़ताल शनिवार से बंद हो जाएगी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के सांसद ने कहा, 'हम नाम बदलने के खिलाफ कानूनी लड़ाई को मजबूत करने के प्रयास जारी रखेंगे।'

बता दें कि केंद्र सरकार ने पिछले महीने औरंगाबाद शहर का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर और उस्मानाबाद शहर का नाम धाराशिव करने की मंजूरी दी थी। औरंगाबाद का नाम मुगल बादशाह औरंगजेब के नाम पर रखा गया है, जबकि उस्मानाबाद का नाम हैदराबाद रियासत के 20वीं सदी के शासक के नाम पर रखा गया था।

हिमाचल प्रदेश बजट पेश

राज्य में शराब खरीदने वालों के लिए गाय उपकर ओपीएस भी लागू करने की घोषणा

शिमला, 18 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य में शराब खरीदने वालों पर गाय उपकर लगाया जाएगा। हिमाचल में भी शराब की प्रत्येक बोतल की बिक्री पर 10 रुपये के हिसाब से कर लगेगा। सीएम सुखमिंदर सिंह सुक्खू द्वारा शुक्रवार को पेश किए गए राज्य बजट में यह निर्णय किया गया है। इस बजट का उद्देश्य प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व जुटाना है। शराब की बिक्री को गाय से जोड़ने वाला हिमाचल प्रदेश पहला राज्य बन गया है। इससे पहले अन्य राज्यों ने आवारा पशुओं की देखभाल के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए उपकर लगाया था।

दरअसल, इससे पहले राजस्थान सरकार ने गाय उपकर के जरिये तीन साल में मार्च 2022 तक 2,176 करोड़ रुपये कमाए हैं। पंजाब इस तरह के उपकर लागू करने वाले पहले राज्यों में से एक था और कथित तौर पर चार पहिया और दो पहिया वाहनों की खरीद, बिजली की खपत, शादी के हॉल की बुकिंग, सीमेंट बैग और इस तरह से कर लगाया। भारत में बनी विदेशी शराब की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये और पंजाब में बनी शराब की बोतलों पर 5 रुपये का शुल्क लगाया जाता है।

हिमाचल में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने चुनावी वादों को पूरा करने की घोषणा की है। महिलाओं के लिए एक निश्चित मासिक भुगतान और इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर सब्सिडी देने का निर्णय किया है। सीएम ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की भी घोषणा की। एक और चुनावी वादा - जो 1.36 लाख कर्मचारियों को लाभान्वित करने के लिए निर्धारित है। साल 2023-24 के बजट में कुल 53,413 करोड़ रुपये का परिव्यय है।

2026 तक हिमाचल को हरित राज्य बनाने का लक्ष्य

सीएम सुक्खू ने यह भी कहा कि उनकी सरकार 2026 तक एचपी को हरित राज्य बनाने के लिए काम करेगी। प्रदूषण की जांच के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाकर जलविद्युत और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देगी।

सीएम बोले-पाकिस्तानी कहते हैं हमारे यहां मोदी हो जाता

शिवराज ने कहा-बहनों को वचन देता हूं जान चली जाए, पर विश्वास टूटने नहीं दूंगा

भोपाल, 18 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के जंबूरी मैदान में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, एक जमाना था, जब प्रदेश अंधेरे का घर था। अब सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई सबका जाल बिछाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सब काम कर रहे हैं। पाकिस्तान वाले भी कहते हैं कि या अल्लाह हमारे पास भी मोदी हो जाता। सीएम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रस्फुटन समितियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के महाकुंभ में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से हुई। कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से जन अभियान परिषद से जुड़े कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए हैं। महाकुंभ में जन अभियान परिषद के उद्देश्यों और कार्यों की सूचना के लिए शॉर्ट फिल्म दिखाई गई।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा...

हम एक ही मंजिल के राही हैं। एक ऐसा पथ हमारा, जो मध्यप्रदेश को प्रगति और विकास के नए आसमान में ले जा रहा है। मैं और आप दो नहीं हैं। मैं और आप एक हैं। न मुझको कोई और है, न तुमको कोई ठौर है। एक-दूजे के लिए हम बने हैं। जन अभियान परिषद ने अद्भुत काम किया है। यह स्वयंसेवी, समाजसेवियों का ऐसा महा संगठन बन गया है, जिसमें सब सेवा करने वालों को एक प्लेटफॉर्म पर खड़ा कर दिया है। यह आज वटवृक्ष बन गया है। यह पेड़ जब सभी को विकास की छाया दे रहा था, बीच में 15 महीने की सरकार आ गई। उसे यह काम चुभ गए। वटवृक्ष को काटने की कोशिश की। वटवृक्ष तो नहीं कटा, लेकिन काटने वाले खुद कट के रह गए। क्या जरूरत थी जन अभियान परिषद को खत्म करने की कोशिश की। नवांकुर प्रस्फुटन समितियों को फंड देना बंद कर दिया। इन समाजसेवियों ने क्या बिगाड़ा था, ये तो बता दो कमलनाथ। समाजसेवी कांटे की तरह तुम्हारी आंखों में चुभ रहे थे। मैं पूरे प्रदेश की बहनों को वचन देता हूं कि जान भले ही चली जाए, तुम्हारे विश्वास को कभी टूटने नहीं दूंगा। खंडित नहीं होने दूंगा।

जन अभियान परिषद से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के विकास के लिए प्रस्फुटन समितियों एवं स्वैच्छिक संगठनों की बड़ी भूमिका रही है। प्रस्फुटन समितियां प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन समितियों के जरिए लोगों को न सिर्फ योजनाओं के प्रति जागरूक, समस्याओं के निदान के लिए पहल और हर स्तर पर लोगों को मदद उपलब्ध कराई जाती है। महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि एवं कृषक कृषक कल्याण विभाग समेत अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करना है।

मिजोरम में घुस रहे बांग्लादेशी आतंकी!

असम राइफल्स ने एक हफ्ते में दो को किया गिरफ्तार, पहचान बदल कर रह रहे थे

आइजोल, 18 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विद्रोही संगठन कुकी-चिन नेशनल आर्मी (केसीएनए) से जुड़े एक 29 साल आतंकवादी को असम राइफल्स ने मिजोरम के लॉन्गतलाई जिले में गिरफ्तार कर लिया है। अर्धसैनिक बल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि आतंकवादी की पहचान कर ली गई है। उसका नाम फलियांसांग बावम है और वह कुछ समय से बुंगतलांग गांव स्थित एक घर में कथित तौर पर रह रहा था।

बयान में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना के आधार पर असम राइफल्स के जवानों ने शुक्रवार को घर पर छापा मारा और आतंकवादी को पकड़कर राज्य पुलिस को सौंप दिया। इससे पहले, 10 मार्च को असम राइफल्स ने उसी जिले के हुमुन्नम गांव में केसीएनए के एक और आतंकवादी को पकड़ा था। केसीएनए के खिलाफ बांग्लादेशी सेना की कार्रवाई से बचकर, पड़ोसी देश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) से 500 से ज्यादा लोगों ने लॉन्गतलाई जिले में शरण ली है। कुकी-चिन शरणार्थियों के पहले जत्थे ने पिछले साल फरवरी में इस पूर्वोत्तर राज्य में एंट्री ली थी।

रोचक खबरें

यहां कबूतर कर रहे ड्रग्स की तस्करी

कंधे पर झोला टांग करते हैं डिलीवरी, जेलों में सबसे ज्यादा डिमांड

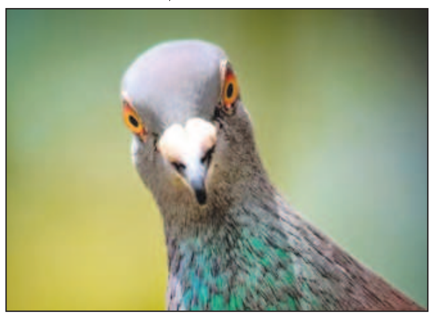

दुनिया में कई तरह के क्रिमिनल माइंडेड लोग मौजूद हैं. जहां पुलिस इन क्रिमनल्स पर लगाम लगाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाती है, वहीं क्रिमनल्स भी इन्हें चकमा देने के लिए वैसे ही उपाय निकालते हैं. ड्रग्स दुनिया के ज्यादातर देशों में बैन है. ऐसे में इनकी सप्लाई तस्करी के जरिये ही की जाती है. लोग चोरी-चुपके ड्रग्स की सप्लाई करते हैं और इस्तेमाल करते हैं. लेकिन आज हम ड्रग्स सप्लाई का जो तरीका आपको बताने जा रहे हैं, उसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे.

कनाडा के जेलों में पिछले कुछ समय से कबूतरों की संख्या बढ़ गई थी. पहले तो किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया. लेकिन बाद में पता चला कि ये सारे कबूतर असल में ड्रग्स सप्लाई करते थे. जी हां, इनके कंधे पर छोटा सा बैग टांगा जाता था, जिसमें ड्रग्स भरा रहता था. ये उड़कर आराम से कैदियों को ड्रग्स सप्लाई कर रहे थे. इन कबूतरों को ड्रग्स की तस्करी करने के लिए ख़ास तरीके की ट्रेनिंग दी जाती थी.

बैग में भरकर लाती थी ड्रग्स

कनाडा के अबबोट्सफोर्ड के मॉसक्वि इंस्टीट्यूशन में 27 फरवरी को पहला कबूतर पकड़ा गया था. इसके कंधे पर एक छोटा बैग था जिसमें क्रिस्टल मेथ भरा हुआ था. इसके बाद अधिकारीयों की नजर ऐसे अन्य कबूतरों पड़ी. कुछ दिन बाद एक और कबूतर पकड़ा गया लेकिन इस बार उसका बैग खाली था. यानी इस कबूतर ने ड्रग्स की डिलीवरी कर दी थी. ये देखते ही अधिकारीयों के होश उड़ गए.

जांच में सामने आये चौंकाने वाले फैक्ट्स

जब ये मामला लोगों के सामने आया, तो इसकी जांच शुरू की गई. इस जांच में कई बातें सामने आई. जिन कबूतरों के कंधे से बैग मिले, वो कैदियों के यूनिफॉर्म से बनी थी. यानी कैदियों ने ही इन्हें ड्रग्स सप्लाई करने के लिए ट्रेनिंग दी होगी. बताया जा रहा है कि जेल के कैदी पहले इन्हें लगातार खाना दे रहे थे. इससे वो हर दिन इनके पास आने लगी. जब कबूतर इनके नजदीक आने लगी, तब इनके कंधे पर बैग्स टांगकर उसमें से ड्रग्स की सप्लाई शुरू की गई. फिलहाल जेल में पहरेदारी स्ट्रिक्ट कर दी गई है और कबूतरों पर खासकर नजर रखी जा रही है. लेकिन जैसे ही ये न्यूज सामने आई, लोग हैरान रह गए.

दुनिया का इकलौता शेर जो भूल गया दहाड़ना, वजह जान हो जाएंगे इमोशनल

जंगल का राजा शेर, जिसकी दहाड़ सुनकर अन्य जंगली जानवरों के साथ-साथ इंसानों की भी हालत खराब हो जाती है, जरा सोचिए अगर वही सन्न कर देने वाली दहाड़ शेर भूल जाए तो क्या होगा. सुनकर आपको हैरानी हो सकती है, लेकिन यह बात सही है. हाल ही में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसमें एक शेर अपनी दहाड़ ही भूल गया. बताया जा रहा है कि, जंगल का राजा अपनी दहाड़ के साथ-साथ कई चीजें भूल गया. इस दौरान उसकी तबियत पर भी इसका असर देखने को मिल रहा था. वहीं अब उसे नई जिंदगी देने की कोशिश की जा रही है.

डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस शेर का नाम रुबेन है. रुबेन, दुनिया का सबसे अकेला शेर, एक नए और स्वस्थ जीवन की ओर अपना पहला कदम बढ़ा चुका है. रुबेन अरमेनियाई-अजरबैजान सीमा पर बनाए एक चिड़ियाघर में बचा वो आखिरी जानवर था, जो अपने रूसी मालिक की मृत्यु के बाद बंद हो गया था. शेर को पिछले पांच सालों से एक छोटे से पिंजरे में अलग-थलग करके रखा गया था और जब से उसे अन्य शेरों का साथ मिला है, तब से वह लगभग भूल गया है कि कैसे दहाड़ना है, बस कभी-कभी कर्कश रोना आता है.

जन क्रेमर नाम के वन्यजीव अभयारण्य अधिकारी ने बताया कि, चिड़ियाघर के अन्य सभी जानवरों को मालिक की मृत्यु के बाद बचा लिया गया था, लेकिन रुबेन के लिए कोई जगह नहीं थी. शेर परिवार के समूहों में रहते हैं और दहाड़ते हैं, एक दूसरे से बातें करते हैं. हैरानी की बात है कि, रुबेन ने पिछले कई समय से अपनी पीठ पर सूरज या अपने चेहरे पर हवा महसूस नहीं की है. रुबेन लगभग 15 साल का है और उपेक्षा की वजह से उसे उलझे हुए बालों, क्षतिग्रस्त दांतों और एक संदिग्ध न्यूरोलॉजिकल स्थिति के साथ खराब स्थिति में छोड़ दिया है. रुबेन को ऐसी स्थति में छोड़ दिया गया था, जहां से उसका बचना मुश्किल था, लेकिन आखिरकार वह बच गया.

नहाने के बाद पूल में ही मजे से आराम फरमाने लगे आलसी बंदर

बंदर स्वभाव से काफी चंचल होते हैं. ये जरा में खुश और जरा में गुस्से से तिलमिला जाते हैं, उसके बाद जो होता है, उसे देखकर आप भी दंग रह जाएंगे. सोशल मीडिया पर अक्सर बंदरों से जुड़े वीडियोज देखने को मिलते रहते हैं, जिनमें कभी उनकी शरारत, तो कभी उनका गुस्सा देखकर यूजर्स भी हैरान रह जाते हैं. हाल ही में एक ऐसा ही वीडियो देखने को मिल रहा है, जिसमें तीन बंदरों को मजे से आराम फरमाते देखा जा रहा है. तीनों को पानी में सुस्ताते हुए देखा जा सकता है. इस दौरान वे झपकी लेते नजर आते हैं, वीडियो में उनकी इस मासूमियत को देखकर आप भी अपना दिल हार बैठेंगे.

वायरल हो रहे इस वीडियो में तीन बंदरों को एक तालाब में आराम फरमाते देखा जा रहा है. इस दौरान तीनों बंदर तालाब में नहाने के बाद, उसमें से बाहर निकलने का नाम ही नहीं लेते हैं. वीडियो में आगे तीनों बंदर रिलैक्स मूड में किनारे आकर मजे से आराम फरमाने लगते हैं. इस बीच वे झपकी लेते हुए भी नजर आते हैं. वीडियो में इन तीनों का सुकून देखकर इनकी खुशी का अंदाजा लगाया जा सकता है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को adorable.monkey नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है 'बाथ टाइम.' इस वीडियो को खूब देखा और पसंद किया जा रहा है. इस वीडियो को अब तक 6 मिलियन बार देखा जा चुका है, जबकि 2 लाख से ज्यादा लोगों ने वीडियो को लाइक किया है. वीडियो देख चुके यूजर्स इस पर तरह-तरह के मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 364 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.12/13 2079 रविवार, 19 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर बोले अमित शाह

गृहमंत्री ने कहा-सुप्रीम कोर्ट की जांच कमेटी को सबूत दें

गलत हुआ होगा तो किसी को नहीं छोड़ा जाएगा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6-सदस्यीय कमेटी बनाई है। इस कमेटी में दो रिटायर्ड जज भी हैं। जिन लोगों के पास इस मामले में कोई सबूत हैं, उन्हें ये सबूत इस कमेटी को दे देने चाहिए। अगर कुछ गलत हुआ होगा तो किसी को नहीं छोड़ा जाएगा।

उन्होंने दिल्ली में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि सभी को देश की अदालतों में भरोसा होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की कमेटी के साथ सेबी भी इस मामले की जांच कर रही है। शाह ने आगे कहा कि लोगों को आधारहीन आरोप नहीं लगाने चाहिए, क्योंकि ये जांच में टिक नहीं पाते हैं।

राहुल को इंदिरा के बयान की याद दिलाई

शाह ने राहुल गांधी के लंदन में दिए बयानों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के बाद राहुल की दादी इंदिरा गांधी इंग्लैंड गईं थीं। उस समय वे विपक्ष में थीं और सरकार ने उन्हें जेल भेजने की तैयारी कर रही थी।

उन्होंने कहा, इंग्लैंड में उनसे सवाल पूछा गया कि आपका देश

कैसे काम कर रहा है। इसके जवाब में इंदिरा ने कहा कि मेरा देश अच्छे से काम कर रहा है। कुछ मुद्दे हैं लेकिन मैं उनके बारे में यहां काम नहीं करना चाहती। यहां मैं भारतीय हूं और मैं अपने देश के बारे में कुछ नहीं कहूंगी।

विपक्ष बातचीत करे तो चलेगी संसद

अमित शाह ने कहा कि विपक्षी पार्टियां सामने आकर बात करें तो संसद में जारी गतिरोध खत्म हो सकता है। दोनों पक्ष स्पीकर के सामने बैठकर चर्चा करें तो संसद अच्छे से चल पाएगी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सिर्फ मीडिया से बात करते हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं। इससे कुछ नहीं हो सकता। संसद में सभी को बोलने की आजादी है, लेकिन इसके लिए कुछ नियमों का भी पालन करना होता है।

निष्पक्ष रूप से काम कर रही जांच एजेंसियां :

शाह ने कहा कि सीबीआई और ईडी समेत सभी जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से काम कर रही हैं। ये एजेंसियां कोर्ट से ऊपर नहीं हैं। इनकी कार्रवाई को कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने पूछा कि ये लोग एजेंसियों के एक्शन के खिलाफ कोर्ट जाने के बजाय बाहर क्यों चिल्ला रहे हैं। गृहमंत्री ने कहा कि यूपीए के 10 साल के शासन के दौरान लगभग 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों के आरोप लगे थे। उस समय स्थिति को संभालने के लिए यूपीए सरकार ने ही सीबीआई में केस दर्ज करवाए थे। 2 को छोड़कर बाकी सभी मामले यूपीए शासन के दौरान ही दर्ज हुए हैं।

सेंट्रल जांच एजेंसियों पर विपक्षी पार्टियां लगाती हैं आरोप :

विपक्षी पार्टियां सेंट्रल जांच एजेंसियों पर उन्हें निशाना बनाने और भाजपा की मदद करने के आरोप लगाती हैं। फिलहाल, दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन, तेलंगाना सीएम की बेटी के. कविता, आरजेडी नेता और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सहित कई विपक्षी नेताओं पर इन एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है।

इससे पहले 13 फरवरी को गृहमंत्री अमित शाह ने हिंडनबर्ग-अडाणी विवाद पर पहली बार बयान दिया था। उन्होंने कहा कि इस पर कोई कमेंट करना सही नहीं होगा, क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

बॉर्डर पर बड़ी संख्या में चीन की सेना तैनात

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी लद्दाख में पिछले तीन साल से भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर टकराव जारी है। इस बीच आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने कहा कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर बहुत तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है। उसने वहां बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात कर रखा है।

हम यह कह सकते हैं कि एलएसी पर हालात स्थिर बने हुए हैं, लेकिन अब भी नजर रखने की जरूरत है। यह बात उन्होंने एक कार्यक्रम में कही है। उन्होंने कहा कि चीन ने अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख से कई बार घुसपैठ करने की कोशिश की। जब से ही पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने वहां लगभग 50,000 सैनिकों और हैवी वेपंस की तैनाती की है। हालांकि भारतीय सेना की 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी के सभी तीन क्षेत्रों में मजबूत तैनाती और निगरानी है, जो पूर्वी लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक है।

एनआईए ने हैदराबाद जेल से पीएफआई के चार सदस्यों को लिया हिरासत में

हैदराबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) मामले में वर्तमान में यहां एक जेल में बंद चार आरोपियों को शनिवार को हिरासत में ले लिया। एनआईए अधिकारियों ने चंचलगुडा केंद्रीय कारागार से जाहिद, समीउद्दीन, माज हुसैन और कलीम को हिरासत में लिया। पिछले साल अन्य लोगों के साथ दर्ज मामले में पूछताछ के लिए आरोपियों को माधापुर स्थित एनआईए कार्यालय ले जाया गया था।

मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें प्रशिक्षण देने के आरोप में पिछले साल तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों से पीएफआई के 20 से अधिक सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल दिसंबर में 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था। एनआईए ने 16 मार्च को पांच आरोपियों के खिलाफ पूरक

आरोप पत्र दायर किया था। पांच पीएफआई सदस्यों पर प्रभावशाली मुस्लिम युवकों को भड़काने और कट्टरपंथी बनाने, उन्हें भर्ती करने और विशेष रूप से आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में हथियार प्रशिक्षण देने का आरोप लगाया गया है। पिछले साल अगस्त में एनआईए ने पीएफआई नेताओं और कैडर द्वारा रची गई कथित आपराधिक साजिश के मामले में तेलंगाना पुलिस की जांच को अपने हाथ में ले लिया था और युवाओं को भर्ती करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया था ताकि उन्हें हथियारों का प्रशिक्षण दिया जा सके।

विभिन्न राज्य पुलिस और राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा की गई जांच के दौरान हिंसक गतिविधियों में शामिल होने के बाद पीएफआई और इसके कई सहयोगियों को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सितंबर 2022 में एक 'गैरकानूनी संघ' घोषित किया गया था।

आतंकवाद वित्तपोषण मामले में एसआईए ने आठ जगह छापेमारी की

श्रीनगर, 18 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने 2016 में राष्ट्रविरोधी प्रदर्शनों का चेहरा रहे मौलवी सरजन बरकती द्वारा चंदा वसूलने और व्यक्तिगत लाभ के लिए उक्त राशि का इस्तेमाल करने से जुड़े एक मामले में शनिवार को आठ जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की सहायक शाखा एसआईए ने चंदा जुटाने और राष्ट्र-विरोधी भाषणों की जांच के सिलसिले में इस साल की शुरूआत में बरकती के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

अधिकारियों के अनुसार, आरोप है कि संदिग्ध आतंकवादी स्रोतों के जरिये चंदे के माध्यम से 1.5 करोड़ रुपये जुटाए गए और व्यक्तिगत लाभ, मुनाफाखोरी व अलगाववादी-आतंकवादी अभियानों को आगे बढ़ाने के लिए उनका इस्तेमाल किया गया। बरकती और अन्य पर आरोप है कि उन्होंने लोगों से उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भावनात्मक अपील कर मोटी रकम अर्जित की।

अधिकारियों ने कहा कि इस आड़ में बरकती ने न केवल भारी राशि अर्जित की, बल्कि अलगाववादी-आतंकवादी अभियानों को बनाए रखने में अज्ञात स्रोतों (संदिग्ध आतंकवादी संगठनों) से प्राप्त धन का शोधन भी किया।

शोपियां के जैनपुरा का रहने वाला बरकती 2016 में अपने भड़काऊ भाषणों के माध्यम से हिंसक आंदोलन के लिए हजारों लोगों को सड़कों पर लामबंद करने के लिए कुख्यात हो गया था। आरोप है कि बरकती खुलेआम युवाओं से हिंसा करने की अपील करता था।

स्वप्नलोक एसोसिएशन के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महाकाली पुलिस ने स्वप्नलोक सूर्यकिरण एस्टैब्लिशमेंट एसोसिएशन और अन्य के खिलाफ आग लगने की घटना के सिलसिले में मामला दर्ज किया है, जिसमें गुरुवार की रात छह लोग मारे गए थे।

पर्यवेक्षक पी श्रीनिवास की शिकायत के आधार पर, स्वप्नलोक सूर्यकिरण एसोसिएशन, केडिया इंफोटेक लिमिटेड, विकास पेपर पैकेजिंग लिमिटेड क्यूनेट और विहान डायरेक्ट सेलिंग प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत हत्या, धोखाधड़ी, स्वेच्छा से खतरनाक हथियारों से चोट पहुंचाने, विस्फोटक अधिनियम के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया था। अग्निशमन विभाग के महानिदेशक (डीजी) वाई नागी रेड्डी ने अग्निशमन स्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि स्वप्नलोक परिसर की ओर से लापरवाही आग दुर्घटना की घटना में साफ दिखाई दे रही है। जानकारी मिलने पर, हम तुरंत मौके पर पहुंचे और 12 लोगों को बचाया। तलाशी अभियान के दौरान एक कमरे में छह लोग बेहोशी की हालत में मिले। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। आग से बचाव के उपकरण तो थे, लेकिन काम नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पानी उपलब्ध था, लेकिन बचाव अभियान के दौरान जब दमकल कर्मियों ने उनका इस्तेमाल करने की कोशिश की तो पंप काम नहीं कर रहा था।

रिटायर जजों को किरेन रिजिजु की सीधी धमकी

बोले-जूडिशिरी और सरकार के बीच पैदा कर रहे गलतफहमी, भुगतेंगे अंजाम

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। जजों की नियुक्ति के मसले पर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के बीच बीते कुछ समय के दौरान संबंध काफी कटु हुए हैं। कानून मंत्री किरेन रिजिजु ने रिटायर जजों के सिर इसका ठीकरा फोड़ते हुए कहा है कि वो सरकार और जूडिशिरी के बीच गलतफहमी पैदा कर रहे हैं। उसी अंदाज में जिस तरह से विपक्ष के लोग अक्सर करते हैं। कानून मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि ये लोग राष्ट्रविरोधी कारगुजारी का अंजाम जरूर भुगतेंगे।

कॉलेजियम सिस्टम पर कानून मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सरकारें जजों की नियुक्ति में बेवजह दखल देती थीं। इसी वजह से कॉलेजियम सिस्टम अस्तित्व में आया। उनका कहना था कि संविधान के मुताबिक जजों की नियुक्ति का काम सरकार का है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया और हाईकोर्ट के जजों से सलाह मशविरा करने के बाद सरकार को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति करनी होती है। उनका कहना था कि जब तक कोई दूसरी व्यवस्था इजाद नहीं हो जाती, जजों की नियुक्ति के मामले में अभी कॉलेजियम सिस्टम ही काम करता रहेगा। कुछ जजों की नियुक्ति को मंजूरी न देने के सवाल पर उनका कहना था कि वो इस बहस में नहीं पड़ना चाहते। उनका कहना था कि जिन लोगों की जजों के तौर पर नियुक्ति करने के प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी नहीं दी उसके पीछे कोई न कोई कारण जरूर था। उनका कहना था कि कॉलेजियम को इस बात का पता है कि सरकार ने इन प्रस्तावों को क्यों रोका। हमें भी पता है कि इन लोगों के नाम क्यों प्रस्तावित किए गए थे। किरेन रिजिजु ने कहा कि अमेरिका में जज रोजाना चार से पांच केस ही सुनते हैं। जबकि भारत में जज रोजाना 50 से 60 केस सुनते हैं। कई बार तो केसों की तादाद सौ के पार हो जाती है।

2047 तक भारत को 'इस्लामिक' राज्य बनाने की नापाक मंशा

पीएफआई के 'क्रिप्टो-बीटेक-आईईडी' गठजोड़ की खुली पोल

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। आतंकी एवं तोड़फोड़ की गतिविधियों में शामिल रहे संगठनों को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी 'एनआईए' की चार्जशीट में नित्य नए खुलासे हो रहे हैं।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने भारत को 2047 तक 'इस्लामिक' राज्य बनाने की नापाक मंशा पाली ही, तो वहीं आईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठन भी कई तरह से इस मंशा को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। एनआईए ने पीएफआई से जुड़े 68 आरोपियों के खिलाफ जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें खुलासा हुआ है कि वे लोग एक खतरनाक रणनीति के जरिए अपने मकसद को पूरा करने में जुटे थे। इसके लिए अलग-अलग विंग गठित की गई थी। जांच एजेंसी की एक अन्य चार्जशीट में 'क्रिप्टो-बीटेक-आईईडी' गठजोड़ का भी पता चला है। आईएस द्वारा अपने गुर्गों को विदेश से क्रिप्टो करेंसी के जरिए फंड ट्रांसफर किया जा रहा है। आईएस के इशारे पर बीटेक की योग्यता वाले कट्टरपंथी युवा, आईईडी तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा दो अलग केसों में दाखिल की गई चार्जशीट के मुताबिक, केरल और तमिलनाडु में पीएफआई के 68 कार्यकर्ता भारत को इस्लामिक राज्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे थे।

आईआईटी हैदराबाद सोशल स्टार्टअप्स को फंडिंग मिली

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईआईटी-हैदराबाद के अटल इनोवेशन सेंटर (एआईसी) के सोशल स्टार्टअप्स, हैदराबाद स्थित हरित ऊर्जा कंपनी जिवौले बायोफ्यूल्स, जयपुर स्थित पशुपालन प्लेटफॉर्म वेर्डेंट इम्पैक्ट, प्रत्येक को एक-एक करोड़ रुपये की फंडिंग के लिए, एक अन्य स्टार्टअप सनक्यूलिप टेक को बायोटेक्नोलॉजी विभाग के बायोटेक इग्निशन ग्रांट से 50 लाख रुपये के अनुदान के लिए चुना गया।

जिवौले बायोफ्यूल्स, चंद्रशेखर नंदीगामा द्वारा स्थापित, हैदराबाद में एक संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने हाल ही में तिरुपुर में बायोगैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्र का संचालन शुरू किया है। संस्थापक सीईओ मनीष के. प्रह्लाद द्वारा संचालित वर्दांत इम्पैक्ट एक पूर्ण-स्टैक पशुपालन मंच है। यह किसानों को पशुधन की खरीद और बिक्री के लिए बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज और एनिमल आईसीयू जैसी सेवाएं प्रदान करता है, जो एक डिजिटल पशुधन स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र है। सनक्यूलिप की शुरुआत अमित पंवार ने की है और दुष्यंत कुमार ने दृष्टिबाधित लोगों को उनकी आवाजाही में मदद करने के लिए कम लागत वाला अद्वितीय नेविगेशन समाधान स्मार्ट वेस्ट बनाया है। यह एक पहनने योग्य बनियान है जो चलने के दौरान आवाज के माध्यम से पहनने वाले का मार्गदर्शन करता है और उन्हें उनके रास्ते और बचने के लिए बाधाओं के बारे में वास्तविक समय की जानकारी देता है। स्टार्टअप्स को बधाई देते हुए, एआईसी-आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर रमेश लोगनाथन ने कहा कि तीन स्टार्टअप्स को दिए गए वित्तीय निवेश ने भारत के सामने आने वाली सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए सामाजिक उद्यमियों द्वारा प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के दृष्टिकोण की पुष्टि की और इसकी पुष्टि की।

काशी विश्वनाथ के दरबार में 100 बार दर्शन करने वाले पहले मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ

वाराणसी, 18 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 100वीं बार दर्शन करने वाले पहले सीएम भी बन गये हैं।

2017 में प्रदेश की सत्ता संभालने वाले योगी आदित्यनाथ जब भी काशी आते हैं, अमूमन हर बार बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाज़िरी जरूर लगाते हैं। सीएम योगी मंदिर में षोडषोपचार विधि से दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की कामना करते हैं। वर्ष 2017 से अभी तक अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में सीएम योगी आदित्यनाथ 100 बार बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने वाले पहले मुख्यमंत्री बन गये हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को 113वीं बार वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर आये। दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया है, जिसने नया कीर्तिमान बनाया है।

योगी आदित्यनाथ महीने में एक बार या कभी-कभी दो बार काशी की यात्रा जरूर करते हैं। अपने हर दौरे में मुख्यमंत्री विकास कार्यो की समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण करते हैं। जिसका परिणाम वाराणसी के चतुर्दिक विकास के रूप में दिखता है। वहीं 6 साल के हिसाब से देखें तो सीएम योगी औसतन हर 21 दिन पर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने पहुंचते हैं। योगी आदित्यनाथ अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के 72 महीनों में करीब 100 बार बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंचने वाले पहले सीएम बन गये हैं। पहली बार उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ 2017 से मार्च 2022 तक कुल 74 बार भगवान विशेश्वर से आशीर्वाद लेने पहुंचे थे।

श्री काशी विश्वनाथ के अर्चक डॉ नीरज कुमार पांडेय बताते हैं ये उनकी सनातन धर्म के प्रति और बाबा विश्वनाथ के प्रति अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। सीएम योगी आदित्यनाथ षोडषोपचार पूजन एवं रूद्र सूक्त से विश्वनाथ जी का अभिषेक करते हैं। साथ ही विश्व के नाथ बाबा विश्वनाथ से लोक कल्याण, देश और प्रदेश के सर्व कल्याण के लिए कामना करते हैं। बता दें कि बीते साल 9 सितंबर को मुख्यमंत्री ने जब वाराणसी का 100वां दौरा किया था तब उन्होंने 88वीं बार श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया था। इसके बाद से लेकर 18 मार्च तक मुख्यमंत्री ने 12 बार बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई।

काल भैरव मंदिर में भी सीएम ने किया 100वीं बार दर्शन पूजन

बतौर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 100 बार दर्शन पूजन कर इतिहास तो रचा ही है, इसके अलावा वे काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव के दरबार में 100 बार हाजिरी लगाने वाले मुख्यमंत्री भी बन गये हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सुबह बाबा काल भैरव मंदिर में विधि-विधान से दर्शन पूजन और आरती की। इस दौरान मंदिर के बाहर डमरू बजा रहे एक बालक को देख मुख्यमंत्री ने रुककर प्यार से उसका नाम पूछा और उससे उसकी पढ़ाई को लेकर जानकारी ली।

दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी ने सर्किट हाउस का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह सर्किट हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। सीएम योगी ने इससे पहले शुक्रवार शाम को वाराणसी पहुंचने के बाद विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को तमाम दिशा-निर्देश दिये। सीएम ने करखियांव स्थित इंटीग्रेटेड पैक हाउस, 34वीं वाहिनी पीएसी और रोहनिया थाने में बने बैरकों का निरीक्षण करते हुए अफसरों को दिशा-निर्देश दिये थे। वहीं शनिवार सुबह ही सीएम ने वाराणसी सर्किट हाउस के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया।

हड़ताल पर ऊर्जा मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस

1332 बिजली संविदाकर्मी बर्खास्त, जरूरत पड़ी तो हजारों को करेंगे-1 लाख करोड़ का घाटा है

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में बिजली कर्मचारियों के हड़ताल के दूसरे दिन सीएम ने आपात बैठक बुलाई। इसमें ऊर्जा मंत्री, बिजली विभाग के अफसर और पुलिस अधिकारियों शामिल हुए। इसके बाद ऊर्जा मंत्री डॉ. एके शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा, "बिजली आपूर्ति सामान्य है। 1332 संविदा कर्मियों को पिछले 24 घंटों में बर्खास्त किया गया। जरूरत पड़ी, तो हजारों को बर्खास्त किया जाएगा।"

'हम हड़ताल खत्म करने के लिए कह रहे'

मंत्री ने कहा, यूपी में बिजली आपूर्ति सामान्य है। हाईकोर्ट ने नोटिस दिया कि ये जनता को परेशान करने वाली हड़ताल है। अगेंस्ट नेशनल इंटरेस्ट है। अवमानना की नोटिस भेजा गया है। हमारी प्रबंधन की तरफ से सभी सदस्यों को हाईकोर्ट के ऑर्डर की प्रति भेजी गई है। आवश्यक सेवा को बाधित करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि 22 कर्मचारियों पर एस्मा के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्हें जेल भेजा जाएगा। हड़ताल को खत्म करने के लिए कहा गया। घाटे के बावजूद बोनस देना संभव नहीं है। ऐसी मांग करना सही नहीं है। कानून को हाथ में लेने वालों पर कार्रवाई होगी। बिजली के मुद्दे पर जनता ने सहयोग किया है। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद सोशल मीडिया पर हड़ताल की अपील की जा रही है। ऐसे संदेश प्रचारित किए जा रहे हैं। ये राष्ट्रीय संपत्ति है। किसी की निजी संपत्ति नहीं है।

'आकाश में हो या पाताल में, हम खोजकर कार्रवाई करेंगे'

उन्होंने कहा, यूपी 28000 मेगावाट का उत्पादन हो रहा है। मौसम के चलते मांग आधी है। तमाम बिजली संगठन हड़ताल से अलग हैं। इससे बिजली आपूर्ति व्यवस्थित है। जिन संगठन के कर्मचारी बाधा पैदा कर रहे हैं, उन्हें नौकरी से हटाया जा रहा है। चाहे कोई जन्म स्थान में हो, जंगल में हो, नदी में हो, आकाश में हो या पाताल में। हम खोज कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। हाईकोर्ट ने गंभीरता से हड़ताल पर रोक लगाने की बात कही है। लेकिन अभी भी विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के लोग मान नहीं रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है। उच्च न्यायालय ने अवमानना का नोटिस दे दिया है।" ऊर्जा मंत्री ने कहा, कुछ लोगों ने कानून अपने हाथ में लिया था। ऐसे लोगो को चिह्नित कर के कार्रवाई की जा रही है। हम हमेशा बातचीत के लिए तैयार हैं। बिजली विभाग अभी तक एक लाख करोड़ का घाटा चल रहा है।

रक्षामंत्री राजनाथ का राहुल गांधी पर निशाना

देश के लोकतंत्र पर देश में चर्चा होनी चाहिए बाहर नहीं

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि देश के लोकतंत्र पर चर्चा देश की संसद में होनी चाहिए न कि दूसरे देश में...। देश की आवाज इमरजेंसी में बंद हुई थी। कुछ लोग जान बूझकर देश को बदनाम कर रहे हैं। रक्षामंत्री लखनऊ में लखनऊ व्यापार मंडल के शपथ ग्रहण व होली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने उत्तर पूर्व के राज्यों में आए चुनावी नतीजों को केंद्र की मोदी सरकार की सफलता बताया और कहा कि उत्तर पूर्व पहले खुद को अलग मानता था पर आज वह भी देश से भावनात्मक तौर पर जुड़ गया है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। आज पूरे देश में बिना भेदभाव के सबका विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में आयोजित हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ने मुझे बेहद खुशी दी। हमारा भारत अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में 11वें नंबर पर आता था आज टाप फाइव में पहुंच गया है जल्द ही टाप तीन में होगा। उत्तर प्रदेश भी विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा। उन्होंने कहा कि विकास की पहली शर्त होती है कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करना। उत्तर प्रदेश ने वह करके दिखाया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी संगठन को चलाने के लिए स्वस्थ परंपरा होनी चाहिए, प्रतिस्पर्धा से कोई संगठन आगे नहीं बढ़ सकता। जो मांग पत्र हमें व्यापारियों ने सौंपा है, उसमें जो केंद्र से संबंधित समस्याएं हैं संसद सत्र के समापन के बाद उसको निस्तारित करने का काम करेंगे। रक्षामंत्री उन्होंने कहा कि होली हमें बताती है अहंकार किसी भी सूरत में पैदा नहीं होना चाहिए। अहंकार आया तो विनाश होगा। प्रेम और इंसानियत के दो मंत्रों को हमें नहीं भूलना चाहिए।

झांसी में मजदूर किडनैप, 1 लाख फिरौती मांगी

झांसी, 18 मार्च (एजेंसियां)। झांसी में 9 दिन से लापता एक युवक की मां से 1 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। बहन के मोबाइल पर धमकी भरे मैसेज आ रहे हैं। अपहरण के बाद लापता युवक की एक चैटिंग भी सामने आई है। इसमें एक महिला को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा है।

इस मामले में दिल्ली के सुल्तानपुरी थाने में गुमशुदगी दर्ज हुई है। झांसी एसएसपी के दफ्तर में लापता युवक की मां पहुंची थीं। बल्लमपुर गांव की रामदेवी ने बताया कि मेरा बेटा मातादीन (24) दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। मैं बीमार थी, इसलिए वह मुझे देखने के लिए 2 मार्च को घर आया था। 8 मार्च की शाम 7 बजे वह घर से दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। एक घंटे बाद फोन लगाया तो उसका मोबाइल स्विच ऑफ आया। काफी प्रयास के बाद कॉल नहीं लगा।

आजमगढ़ में एटीएस की छापेमारी

हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश जारी

आजमगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। यूपी एटीएस ने आजमगढ़ जिले से एक बार फिर हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। जजी के मैदान के पास से एटीएस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके पास से 10 पिस्टल, 20 मैग्जीन बरामद किया है। दो अन्य आरोपी मौके से भाग निकले है, जिनकी तलाश में जगह-जगह दबिश जारी है। चार के खिलाफ शहर कोतवाली में यूपी एटीएस ने मुकदमा पंजीकृत करा दिया है।

यूपी एटीएस को कहीं से सूचना मिली कि आजमगढ़ जनपद के कुछ लोग अवैध असलहा कारोबार में अभी भी जुड़े है। इस सूचना पर एटीएस टीम काम करने लगी। जिले में एटीएस टीम पहुंची और शहर कोतवाली पुलिस को साथ लेकर मिली सूचना के आधार पर अवैध असलहा तस्करों की तलाश में जुट गई। लोकेशन ट्रैक करते हुए टीम जजी के मैदान के पास पहुंची और वहां से दो असलहा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दो अन्य मौके से भाग निकलने में सफल रहे। पकड़े गए असलहा तस्करों ने अपना नाम रामशब्द यादव निवासी जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र व संजय यादव निवासी गजहड़ा थाना मुबारकपुर बताया। दो फरार साथियों का नाम इन्होंने कमलेश कुमार यादव निवासी रसीदाबाद थाना कोतवाली जीयनपुर व जगदीश सरदार निवासी अनूपपुर मध्यप्रदेश बताया। पकड़े गए असलहा तस्करों के पास से एटीएस व शहर कोतवाली पुलिस ने 10 पिस्टल व 20 मैग्जीन बरामद किया है। शहर कोतवाली में चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश में अभी भी दबिश जारी है। बारह से अवैश असलहा लाकर इन आरोपियों द्वारा इसकी सप्लाई आजमगढ़ व आसपास के जिले में की जाती थी।

पांच माह पूर्व बिलरियागंज में बरामद हुए थे अवैध असलहे

इसके पूर्व यूपी एटीएस ने आजमगढ़ के बिलरियागंज थाना क्षेत्र के पतिलागौसपुर में दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध निर्मित व अर्ध निर्मित असलहे व बनाने के उपकरण आदि बरामद किया था। इस मामले में पुलिस ने तत्कला दो असलहा कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया था तो वहीं तीन अन्य की गिरफ्तारी बाद में हुई। मामले की जांच में जिले में स्थित काजी गन हाऊस की भी संलिप्तता इस प्रकरण में सामने आयी। जिस पर उसके संचालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया।

होमगार्ड बहाली परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थी गिरफ्तार

10 हजार रुपये लेकर आया था दूसरे के बदले पीटी देने

नवादा, 18 मार्च (एजेंसियां)। नवादा के आईटीआई के मैदान में होमगार्ड के एक फर्जी अभ्यर्थी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार फर्जी अभ्यर्थी को नगर थाना लाया गया है। फर्जी अभ्यर्थी की पहचान नालंदा जिले के सीताराम यादव के पुत्र शशि कुमार के रूप में किया गया है, जो किसी दूसरे अभ्यर्थी के बदल शारीरिक परीक्षण में आया था। हालांकि, ड्यूटी में तैनात पदाधिकारियों की पैनी नजर से वह बच नहीं सका।

16 मार्च से होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया चल रही है

सदर एसडीओ उमेश कुमार भारती ने बताया कि नवादा के आईटीआई के मैदान में 16 मार्च से होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया चल रही है, जो 27 मार्च तक चलेगा। आज बहाली प्रक्रिया के दौरान ओरिजिनल अभ्यर्थी अपना रजिस्ट्रेशन और बायोमेट्रिक कराया जिसके बाद उसे चेस्ट नंबर आवंटित किया गया। ओरिजिनल अभ्यर्थी ने चेस्ट नंबर को किसी तरह से फर्जी अभ्यर्थी को दे दिया। हालांकि ड्यूटी में तैनात पदाधिकारियों ने संदेह के आधार पर फर्जी अभ्यर्थी को दबोच लिया।

गिरफ्तार फर्जी अभ्यर्थी ने स्वीकार किया कि 10 हजार रुपये लेकर किसी अभ्यर्थी के बदले शारीरिक परीक्षण में आया था। एसडीओ ने कहा कि गिरफ्तार फर्जी अभ्यर्थी पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इस गैंग से जुड़े जो भी लोग होंगे, उसे बेनकाब किया जाएगा। एसडीओ ने कहा कि होमगार्ड बहाली में फर्जी अभ्यर्थियों पर पुलिस की पैनी नजर है। अगर कोई भी सोच रहे हैं कि फर्जी तरीके से बहाल हो जाए तो यह संभव नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. वाय/सी.ई-आक्शन/एचवायबी/2022-23 दि.17/03/2023

वाणिज्यिक अनुबंधों के प्रति ई-नीलामी सूचना

PUB/0272

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय अनुबंधों या कमर्शियल एर्निंग्स कांट्राक्ट्स तथा एनएफआर अनुबंधों के लिए ई-नीलामी कार्यान्वित की है। तदनुसार, हैदराबाद डिवीजन ने कामारेड्डी रेल्वे स्टेशन पर पे एंड यूज टायलेट्स अनुबंध या कांट्राक्ट के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जो निम्नानुसार है।

क्रम सं.	केटलाग नं.:	श्रेणी	विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु होने का समय	नीलामी बंद तिथि
1.	पीएनयु-एचवायबी-केएमसी-टीओआय-16-23-1	पे एंड यूज टायलेट्स	हैदराबाद डिवीजन के (03 ब्लाक्स प्रत्येक की व्यवस्था पीएफ नं.1(एससी एन्ड) तथा पीएफ नं.2/3 (मिडल) कामारेड्डी रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज टायलेट्स का अनुबंध या कांट्राक्ट से संबंधित संचालन एवं रखरखाव कार्य।	31-03-23	11:00	11:30

A0389 वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

उमेश पाल मर्डर केस : प्रयागराज से आए वकील ने जेल में की अशरफ से मुलाकात, कोर्ट में रखेंगे उसका पक्ष

बरेली, 18 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड की जांच जारी है। इसी सिलसिले में प्रयागराज से बरेली आए वकील विजय मिश्रा ने जेल स्टाफ और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में अशरफ से मुलाकात की। माना जा रहा है कि वकील इस मुलाकात के बाद अशरफ का पक्ष प्रयागराज कोर्ट में रखेंगे।

माफिया अतीक अहमद का भाई पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ ढाई साल से बरेली जिला जेल में बंद है। शुक्रवार को प्रयागराज से जिला जेल पहुंचे अतीक परिवार के वकील विजय मिश्रा ने अशरफ से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक दोनों में कानूनी मुद्दों पर चर्चा हुई। वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला ने बताया कि मुलाकात को लेकर कोर्ट का निर्देश था। सभी विधिक प्रक्रिया पूरी कराते हुए मुलाकात कराई गई।

विजय मिश्रा के आने से पहले हुआ था मुकदमा

उमेश पाल हत्याकांड से अशरफ का जुड़ाव सामने आया तो उस समय भी विजय मिश्रा ने उससे मुलाकात का प्रयास किया था। तब बरेली के अधिकारी मीडिया में छप रही खबरों को झुठला रहे थे। हालांकि विजय मिश्रा के आने से पहले कुछ ऐसे साक्ष्य मिले कि अशरफ के खिलाफ मामला दर्ज कर कुछ लोगों की गिरफ्तारी हो गई। इसके बाद अशरफ से किसी की मुलाकात पर रोक लगा दी गई थी। अब लंबे समय बाद वकील से मुलाकात की अनुमति मिली है।

प्रॉपर्टी डीलर फरहद गिरफ्तार

इधर, अशरफ के साले सद्दाम के बैंक खाते से लेनदेन की पुष्टि होने पर एसआईटी ने इज्जतनगर निवासी प्रॉपर्टी डीलर फरहद उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसके साथ ही बारादरी थाने से सद्दाम के साथी लल्ला गद्दी के दो गुर्गे जेल भेजे गए हैं।

एसआईटी अशरफ के साले सद्दाम और लल्ला गद्दी से जुड़ाव वाले लोगों की धरपकड़ कर रही है। सद्दाम से जुड़ाव के मामले में परतापुर जीवन सहाय निवासी फरहद उर्फ गुड्डू को नरियावल तिराहे से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक सद्दाम के खाते से फरहद के खाते में कई बार रुपयों का लेनदेन हुआ था। फरहद ने अशरफ से जेल में मुलाकात भी की थी और प्रयागराज से आने वाले लोगों के संपर्क में भी था। वह जमीन खरीद फरोख्त का काम करता है और मुकदमे में नाम आने के बाद भागने की फिराक में था।

झांसी में दरोगा ने बहू को घर से निकाला

4 बच्चियों को लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंची; बोली-बेटा न होने की सजा दी

झांसी, 18 मार्च (एजेंसियां)। झांसी में आरपीएफ में तैनात दरोगा ससुर ने बेटे की मौत के बाद बहू और उसकी 4 बच्चियों को घर से निकाल दिया। महिला चारों बच्चियों को लेकर सड़कों पर भटक रही है। शुक्रवार को वह बच्चियों को लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंची और पुलिस अफसरों से न्याय की गुहार लगाई है। एसएसपी ने पूरे मामले की जांच महिला थाना पुलिस को सौंपी है। हालांकि ससुर ने सभी आरोपों को गलत बताया है। घटना थाना प्रेमनगर क्षेत्र के हंसारी की है।

महिला सुमन ने बताया, "ससुराल वाले कहते हैं कि लड़कियों का क्या करेंगे? अगर तुमने एक बेटे को जन्म दिया होता, तो घर में रख लेते। ससुर ने मुझे बेटा न होने की सजा दी है। बेघर होने के बाद सुमन अपने बेटियों के साथ रिश्तेदार के घर पर रुकी हैं।

मध्य प्रदेश के निवाड़ी की रहने वाली सुमन अहिरवार की शादी 5 मई 2011 को हंसारी के रवि कुमार के साथ हुई थी। महिला ने बताया कि मेरे पति रवि अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। मैं भी अपनी माता-पिता की इकलौती बेटी हूं। घरवालों ने शादी में अपाचे बाइक सहित 4 लाख रुपए दहेज दिए थे। शादी में 6 से 7 लाख रुपए खर्च हुए थे। इसके बाद उनकी चार बेटियां हुईं। महिला ने कहा कि बेटियों के होने से ससुराल के लोग मुझसे नाखुश रहते थे। इसको लेकर अक्सर ताना मारते थे। पति रवि शराब के आदी थे। इससे उनका लीवर खराब हो गया और 2019 में उनकी मौत हो गई।

नहीं शुरू हुई बुजुर्ग को थप्पड़ मारने की घटना की जांच, न एफआईआर दर्ज हुई

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। एलडीए की जनता अदालत में बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए आए फरियादी 69 साल के मुकेश शर्मा को ओएसडी डीके सिंह द्वारा थप्पड़ मारने के मामले की शुक्रवार को जांच शुरू नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों होने वाले लोकार्पण समारोह को लेकर जांच अधिकारी अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की व्यस्तता रही। ऐसे में वे प्रकरण की जांच सोमवार से शुरू करेंगे। वहीं पुलिस ने भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

मगर, सबसे बड़ा संकट यह है कि फरियादी की पिटाई का साक्ष्य कहां से आएगा, जब सभाकक्ष में सीसीटीवी कैमरे ही नहीं लगे हैं। सुनवाई के बाद अपर सचिव कैसे तय करेंगे कि ओएसडी थप्पड़ कांड में दोषी हैं। वहीं, गोमतीनगर पुलिस ने भी घटना के 48 घंटे बीतने के बाद भी ओएसडी के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया है।

आमने-सामने हो सकते हैं ओएसडी और फरियादी

ओएसडी डीके सिंह ने जांच अधिकारी ज्ञानेंद्र वर्मा को शुक्रवार को पुलिस को दी गई तहरीर की प्रतिलिपि सौंपी। वहीं, गोमतीनगर थाने से एक पत्र जांच अधिकारी के पास आया, जिसमें आरोपी एवं फरियादी की तहरीर शामिल हैं। दोनों के आरोपों की जांच अपर सचिव करेंगे, अंदेशा है कि इस दौरान एक बार फिर ओएसडी डीके सिंह एवं फरियादी मुकेश शर्मा का आमना-सामना हो सकता है। एलडीए की भरी जनता अदालत में ओएसडी के थप्पड़ से फरियादी के कान के पास घाव हो गया और खून का रिसाव खुद अंबेडकर उद्यान चौकी प्रभारी ने देखा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SABEETA BINJRAJKA, R/o.10-1-14 P.No 151, West Marredpally, Sec'bad-26, changed name as SABITA BINJRAJKA W/o.RAMESH BINJRAJKA.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अंकिता हत्याकांड में तीन पर आरोप तय, प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

देहरादून, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड मामले में आज शनिवार को कोटद्वार एडीजे कोर्ट में तीनों आरोपियों की पेशी हुई। इस दौरान कोर्ट में तीनों आरोपियों पर आरोप तय कर दिए गए हैं। वहीं, तीनों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार नहीं किया और कोर्ट ट्रायल की प्रार्थना की। जिसके बाद कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 मार्च की तिथि नियत की है। साथ ही अंकित और पुलकित की जमनात प्रार्थना पत्र की याचिका भी कोर्ट ने खारिज कर दी।

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

पुलिस आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट लेकर पहुंची। इस दौरान विभिन्न संगठन कोर्ट परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए। कई कांग्रेस कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं, जैसे ही पुलिस आरोपियों को लेकर पहुंची कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। उन्हें रोका तो कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प शुरू हो गई। जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट से सामने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जबरन गिरफ्तार कर लिया।

ये था पूरा मामला

बता दें कि 18 सितंबर की रात को वनंत्रा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने राजस्व पुलिस चौकी में अपनी कर्मचारी अंकिता भंडारी के गुमशुदा होने की शिकायत दी थी। करीब तीन दिनों तक इस मामले की ढिलाई से जांच की गई। इसके बाद शासन के निर्देश पर मामले को रेगुलर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने पुलकित आर्य, मैनेजर सौरभ भास्कर और अंकित से सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने सारी बात उगल दी। पता चला कि पुलकित और अंकिता के बीच झगड़ा हुआ था। ऋषिकेश से लौटते वक्त अंकिता और पुलकित के बीच नहर किनारे फिर से विवाद हुआ और इस बीच पुलकित ने अंकिता को नहर में धक्का दे दिया था। पुलिस ने इस मामले में 22 सितंबर को पुलकित, अंकित और सौरभ को गिरफ्तार कर लिया था।

अनैतिक कार्य का बनाया जा रह था दबाव

वनंत्रा रिसोर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट जॉब करने वाली पौड़ी निवासी अंकिता भंडारी से अनैतिक कार्य के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इस बीच किसी वीआईपी के भी रिसोर्ट में आने की बात सामने आई थीं। आरोप है कि अंकिता के मना करने पर आरोपियों ने उसे नहर में धक्का देकर मार दिया।

पुलवामा के मित्रीगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

अंधेरे का फायदा उठाकर भागे!

जम्मू, 18 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मित्रीगाम इलाके में शनिवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि मित्रीगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस को विशेष इनपुट मिला था।

अधिकारी ने कहा कि तड़के घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था, जैसे ही तलाशी तेज की गई, छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसके बाद कुछ देर तक मुठभेड़ हुई। उन्होंने कहा कि संक्षिप्त गोलीबारी के बाद दूसरी तरफ से कोई गोलीबारी नहीं हुई और तलाशी के दौरान मुठभेड़ स्थल पर कोई आतंकवादी नहीं मिला।

सरकार को गिराने की साजिश रच रही भाजपा

आप सांसद राघव चड्ढा ने सुरक्षा एजेंसियों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली दिल्ली शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद से आप आदमी पार्टी लगातार केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोल रही है। शनिवार को आप नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने प्रेस वार्ता का आयोजन कर भाजपा दिग्गज नेताओं और पीएम मोदी को आड़े हाथों लिया।

आप सांसद ने भाजपा पर एजेंसियों के दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया पर एक और झूठा मुकदमा, फीडबैक यूनिट की आड़ में किया गया है। भाजपा आरोप लगा रही है कि सिसोदिया ने पीएम और भाजपा के अन्य नेताओं की जासूसी कराई है। 'मैं पूछना चाहता हूं कि आधे राज्य का आधा उपमुख्यमंत्री देश के सबसे ताकतवर पीएम और सबसे प्रभावशाली पार्टी के नेताओं की पिछले आठ सालों से जासूसी करा रहा था, लेकिन भारत सरकार की किसी भी एजेंसी के पास इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी और अगर ऐसा हो रहा था तो सबसे पहला सवाल भारत की जांच एजेंसियों पर खड़ा होता है। मैं भाजपा नेताओं से कहना चाहता हूं कि अगर किसी ने आपकी जासूसी की है, तो सबसे पहले एनआईए, आईबी और रॉ के बड़े-बड़े अधिकारियों को हटाइए, क्योंकि आठ साल से कोई व्यक्ति आपकी जासूसी कर रहा है और वह पता ही नहीं लगा पा रही हैं। यह भाजपा नेताओं की बौखलाहट है जो मनीष सिसोदिया को झूठे मुकदमों में इसलिए फंसा रही है कि वह जेल से बाहर न आएं। राघव ने कहा कि अभी हमने देखा कि गुजरात से भाजपा का साधारण कार्यकर्ता किरण पटेल कश्मीर में सरकारी पैसे का इस्तेमाल कर मौज कर रहा था। जम्मू-कश्मीर की पुलिस और सुरक्षा को भेदने वाले की जांच करने की बजाय मनीष सिसोदिया पर कार्रवाई हो रही है। इसके अलावा उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि 'दिल्ली विधानसभा में भाजपा द्वारा नो कॉन्फिडेंस मोशन लाकर केजरीवाल सरकार गिराना चाहती है। भाजपा अब आप विधायकों को भाजपा में शामिल होने का लालच और धमकी दे रही है। अविश्वास प्रस्ताव के सपोर्ट के लिए भाजपा ने आप के कई विधायकों से संपर्क किया है। सीबीआई ने दिल्ली सरकार की 'फीडबैक यूनिट' में कथित अनियमितताओं को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार का नया मामला दर्ज किया है।

चाकू से गला काटकर दिल्ली की सड़कों पर भागा शख्स

हाथ में पिस्तौल लेकर लोगों को डराया, पुलिस पर भी फायरिंग की

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में एक शख्स ने चाकू से अपना गला काटा। फिर चाकू और पिस्तौल लेकर सड़क पर दौड़ने लगा और लोगों को भी डराया। इस दौरान उसे रोकने के लिए पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन उसने पुलिस पर भी फायरिंग की। घटना 16 मार्च की नाथू कॉलोनी चौक के पास की है, इसका वीडियो अब सामने आया है।

पुलिस बोली-पीसीआर पर घटना की जानकारी देने दो कॉल आए

पुलिस के मुताबिक, शख्स की पहचान कृष्ण शेरवाल के रूप में हुई है, जो गंभीर घायल होने के कारण फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। 16 मार्च को शाम 6:40 और 6:50 बजे एमएस पार्क पुलिस स्टेशन में दो पीसीआर कॉल आए। जानकारी दी गई कि एक शख्स ने चाकू से अपना गला काट लिया और नाथू कॉलोनी चौक के पास चाकू लेकर दौड़ रहा था। आसपास लोगों की भीड़ भी लगी हुई थी। उसने गोलियां भी चलाईं। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने उस पर काबू पाने की कोशिश की। इसके चलते उसने फायरिंग की। जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। हालांकि, बाद में उस पर काबू पा लिया गया।

पुलिस ने कहा कि उसकी पिस्तौल छीनकर उसे पकड़ लिया गया। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 307, 394, 397, 186 और 353 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में पता चला है कि शेरवाल और उसकी पत्नी अलग रह रहे हैं। इस वजह से वह काफी समय से डिप्रेशन में है। वहीं मामले में आगे की जांच की जा रही है।

गुजरात हाईकोर्ट में शादीशुदा गर्लफ्रेंड की कस्टडी मांगने पहुंचा शख्स

लिव-इन रिलेशनशिप के एग्रीमेंट के आधार पर अपील की, कोर्ट ने लगाया 5000 का जुर्माना

याचिकाकर्ता की शादी महिला से नहीं हुई है और न ही महिला का उसके पति से तलाक हुआ है, लिव-इन एग्रीमेंट के आधार पर अपील करने का कोई अधिकार नहीं -गुजरात हाईकोर्ट

अहमदाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट में एक शख्स ने अपनी शादीशुदा गर्लफ्रेंड की कस्टडी दिलाने की अपील की। इस पर हाईकोर्ट ने शख्स पर 5000 रुपए का जुर्माना लगा दिया। युवक यह कस्टडी लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर किए गए एग्रीमेंट के आधार पर मांग रहा था। मामला बनासकांठा जिले का है।

शख्स बोला-शादी के बाद से ही मेरे साथ रह रही थी

दरअसल प्रेमी ने हाईकोर्ट मे मांग की थी कि गर्लफ्रेंड को उसके पति से छुड़ा कर उसे कस्टडी सौंप दी जाए। उसने याचिका में कहा कि वह महिला के साथ रिलेशनशिप में है। महिला की मर्जी के खिलाफ उसकी शादी किसी और व्यक्ति से करा दी गई थी, लेकिन वह उससे नाखुश थी। शादी के बाद वह पति के साथ नहीं रही और मेरे साथ लिव-इन में रह रही थी।

इसके कुछ समय बाद ही महिला के परिवार और ससुराल वाले उसे अपने साथ जबरदस्ती ले गए और वापस पति के पास छोड़ दिया। महिला को उसकी मर्जी के बिना ससुराल में रखा गया है, जहां उसके पति ने उसे अवैध तरीके से बंदी बनाया हुआ है। शख्स ने यह भी दावा किया है कि लिव-इन एग्रीमेंट में महिला के भी साइन हैं। इस दौरान हाईकोर्ट की डबल बेंच ने इस मामले में सुनवाई की और इस तरह की दलील सुनने के बाद 5000 रुपए का फाइन देने का फैसला सुनाया।

राज्य सरकार ने याचिका पर विचार करने से किया इनकार

राज्य सरकार ने भी याचिका का विरोध किया है। यह तर्क देते हुए कि इस तरह की याचिका दायर करने के लिए व्यक्ति के पास कोई अधिकार नहीं है।

यदि महिला अपने पति के पास है तो यह नहीं कहा जा सकता कि वह अवैध तरीके से उसके पास है। वहीं मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस वी एम पंचोली और जस्टिस एच एम प्रच्छक की बेंच ने कहा कि महिला की शादी याचिकाकर्ता के साथ नहीं हुई है और न ही उसके पति से अब तक उसका तलाक हुआ है। साथ ही कहा कि लिव-इन एग्रीमेंट के आधार पर याचिकाकर्ता के पास अपील करने का कोई अधिकार नहीं है।

जींद में किराए के मकान में सैक्स रैकेट

पुलिस ने रेड कर महिला-पुरुषों को पकड़ा, आपत्तिजनक हालत में मिले

पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर भेजा

जींद, 18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में जींद के नरवाना में पुलिस ने रात किराए के मकान में चल रहे सैक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 3 महिलाओं समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घर में फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा और इशारा मिलने पर छामापरी की।

जानकारी के अनुसार, नरवाना पुलिस को सूचना मिली थी कि हिसार रोड स्थित हरी नगर में किराए पर मकान लेकर उसमें सैक्स रैकेट चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर रामनिवास के नेतृत्व में रेडिंग टीम का गठन किया, जिसमें महिला पुलिस कर्मचारियों को भी शामिल किया गया। पुलिस ने सादे कपड़ों में बोगस ग्राहक बनाकर मकान में भेजा। रेट तय होने के बाद इशारा मिलते ही पुलिस ने मकान में छापामारी की तो वहां पर 3 व्यक्ति तथा 3 महिलाएं आपत्तिजनक हालात में पाए गए। पुलिस ने पकड़े सभी 6 लोगों के खिलाफ वेश्यावृत्ति निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एमपी के बालाघाट में चार्टर प्लेन क्रैश

दो पायलट सवार थे; एक का शव जलता दिखा, दूसरे की तलाश जारी

बालाघाट, 18 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बालाघाट में शनिवार दोपहर को एक चार्टर प्लेन क्रैश हो गया। विमान में एक पायलट और एक ट्रेनी पायलट सवार थे। इनमें से एक की बॉडी दो चट्टानों के बीच जलती हुई नजर आई। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर रवाना हो गई है। हादसा बालाघाट जिले के लांजी और किरनापुर के बीच भक्कुटोला-कोसमारा की पहाड़ी पर हुआ। बालाघाट एसपी समीर सौरभ ने बताया कि प्लेन में एक पायलट और एक महिला प्रशिक्षु पायलट थी। एक व्यक्ति का शव जलता हुआ दिख रहा है, दूसरे की तलाश कर रहे हैं। यह प्लेन महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के बिरसी एयरपोर्ट का ट्रेनी विमान था। बिरसी एयरस्ट्रीप से एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी थी, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घटनास्थल जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर है।

उड़ान के 15 मिनट बाद हादसा

घटना दोपहर करीब 3.20 बजे की है। ये विमान हादसे से करीब 15 मिनट पहले ही बिरसी एयरपोर्ट से उड़ा था। बताया जा रहा है कि एयरक्रॉप्ट में पायलट मोहित और ट्रेनी पायलट वरसुका थीं। फिलहाल बचाव दल वहां पहुंच गया है। अभी हादसे की वजह पता नहीं चली है।

करीब 100 फीट गहरी खाई में प्लेन का मलबा मिला

बालाघाट जिले में जहां प्लेन गिरा है, वहां दोनों ओर पहाड़ हैं। पहाड़ों के बीच में करीब 100 फीट गहरी खाई में प्लेन का मलबा मिला है। घना जंगल और पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण रेस्क्यू टीम और अफसरों को मौके पर पहुंचने में समस्या हो रही है।

बेमौसम बारिश पर आईएमडी अलर्ट

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। देश के कुछ क्षेत्रों में बेमौसम बारिश और ओले पड़ने से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं शनिवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की आशंका को देखते हुए पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश के किसानों को गेहूं और अन्य रबी फसलों की कटाई टालने की सलाह दी है।

पकी हुई फसलों को लेकर आईएमडी ने किसानों को कुछ राज्यों में सरसों और चना जैसी फसलों की जल्द से जल्द कटाई करने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत करने की सलाह दी है। साथ किसानों की फसल न गिरे इससे बचाने के लिए गेहूं की फसल की सिंचाई नहीं करने को भी कहा गया है। आईएमडी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में देश के अधिकांश हिस्सों में हल्की/मध्यम बारिश और गरज के साथ ओले पड़े हैं।

शादी के लिए 28 कि.मी. पैदल चला दूल्हा

परिवार के 30 लोग रात भर चलकर दुल्हन के घर पहुंचे, ड्राइवरों की हड़ताल वजह बनी

भुवनेश्वर, 18 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के रायगढ़ा जिले में कॉर्मशियल गाड़ियों के ड्राइवरों की हड़ताल एक दूल्हे के परेशानी का सबब बन गई। उसे 28 किमी पैदल चलकर दुल्हन के घर पहुंचना पड़ा। दरअसल, दूल्हा और उसके परिवार के लोग गुरुवार को कल्याणसिंहपुर ब्लॉक के सुनाखांडी पंचायत से बारात लेकर निकले थे, लेकिन हड़ताल की वजह से वे लोग गाड़ियों की व्यवस्था नहीं कर सके, जिसके बाद उन लोगों ने पैदल चलने का फैसला किया। पूरी रात चलने के बाद दिबालापाडु पहुंचे। यहां शुक्रवार को विवाह संपन्न हुआ। जानकारी के मुताबिक, शादी होने के बाद दूल्हे पक्ष के लोग दुल्हन के घर में रुके रहे। हड़ताल वापसी का इंतजार करते रहे।

बारात के लिए चार एसयूवी का इंतजाम था

22 साल के दूल्हे नरेश प्रस्का ने बारात के लिए चार एसयूवी का इंतजाम किया था, लेकिन जब ड्राइवर हड़ताल पर चले गए, तो काफी मुश्किल हुई। नरेश ने कहा- हमने टू व्हीलर्स पर शादी के लिए जरूरी सामान भेजा। इसके बाद आठ महिलाओं सहित परिवार के लगभग 30 सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों ने चलने का फैसला किया। यह एक लंबी यात्रा थी, लेकिन एक यादगार अनुभव भी था।

परिवार वाले बोले-हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं था

दूल्हे और उसके परिवार के पूरी रात पैदल चलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दूल्हे के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि वाहन चालकों की हड़ताल की वजह से कोई भी ड्राइवर चलने के लिए तैयार नहीं था। हम पूरी रात पैदल चलकर लड़की वाले के घर पहुंचे। हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं था।

हड़ताल की वजह क्या थी

ओडिशा में ड्राइवरों के एक संगठन एकता महासंघ ने बीमा, पेंशन और कल्याण बोर्ड गठित करने को लेकर बुधवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की थी। हालांकि, सरकार के अश्वासन के बाद ड्राइवरों ने अपनी हड़ताल 90 दिनों के लिए स्थगित कर दी है।

सरहद पार प्यार : पंजाब के युवा वकील को दिल दे बैठीं पाक की शाहनील

अब मिला भारत का वीजा, शादी की तैयारियां

चंडीगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्यार को सरहदों में बांधना मुश्किल है। पंजाब के एक युवा वकील को पाकिस्तान निवासी शाहनील दिल दे बैठीं। अभिनेता सनी देओल के प्रयासों से शाहनील को भारत का वीजा मिल चुका है। अप्रैल में दोनों की शादी की तैयारियां की जा रही है। पंजाब के वकील 24 वर्षीय नमन लूथरा और पाकिस्तान की शाहनील जावेद जल्दी ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में अधिवक्ता लूथरा ने बताया कि औपचारिकताओं को पूरा करने के बावजूद उनकी मंगेतर को पहले कई बार वीजा देने से मना किया गया था। अब दोनों परिवार शादी की तैयारी कर रहे हैं और वह अपनी दुल्हन, उसके माता-पिता और उसके रिश्तेदारों के बटाला आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लूथरा ने कहा कि वह शादी के बाद अपनी पत्नी के साथ बटाला में रहेंगे। वकील और लाहौर में रहने वाले शाहनील जावेद (24) दूर के रिश्तेदार हैं. उन्हें प्यार तब हुआ जब लूथरा अपने कुछ रिश्तेदारों से मिलने के लिए पाकिस्तान गए थे। लूथरा का परिवार लाहौर से पलायन कर बटाला में बस गया था. हालांकि, उनके परदादा ने अपने परिवार के साथ लाहौर में रहने का विकल्प चुना था, बाद में उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया था।

रैडक्लिफ़ रेखा के दोनों ओर रहने के बावजूद दोनों परिवारों के बीच संपर्क बना रहा. लूथरा और शाहनील ने अपने रिश्तेदारों को बताया कि वे शादी करना चाहते हैं, उन्होंने 2016 में लाहौर में किशोरों के रूप में सगाई कर ली थीं। शहनील 2018 में बटाला आई थी, लेकिन उसके बाद विभिन्न उन्हें वीजा देने से इनकार कर दिया गया था।

प्रॉपर्टी में भाइयों से कम हिस्सा मिला, महिला एससी पहुंची

कहा-शरीयत कानून में महिलाओं से भेदभाव हो रहा, यह संविधान के खिलाफ

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक मुस्लिम महिला ने याचिका दाखिल कर शरीयत कानून में महिलाओं के साथ संपत्ति के बंटवारे में भेदभाव का आरोप लगाया है। उसने कहा कि शरीयत कानून में महिलाओं को पॉपर्टी में समान अधिकार नहीं मिलता, इसे दूर करने की जरूरत है। देश के संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है। इसके बाद भी मुस्लिम महिलाएं भेदभाव का शिकार हो रही हैं।

यह याचिका बुशरा अली नाम की महिला ने दाखिल की है। उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 11 भाई-बहनों को नोटिस जारी किया है, जिसमें चार बहनें शामिल हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस संजय करोल की बेंच करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केरल हाई कोर्ट ने 6 जनवरी को इस मामले में शरीयत कानून के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसे बुशरा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

बुशरा ने बताया कि परिवार में संपत्ति के बंटवारे उन्हें पुरुष सदस्यों की तुलना में आधी हिस्सेदारी मिली थी। इसी को आधार बनाते हुए उन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ कानून के सेक्शन 2 को चुनौती दी है। बुशरा का कहना है कि यह संविधान के अनुच्छेद-15 का उल्लंघन है, जो जाति, धर्म या जेंडर का आधार पर लोगों से भेदभाव को रोकता है। बुशरा ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद-13(1) का भी उल्लंघन करता है। संविधान के अनुच्छेद-13 में प्रावधान है कि भारत में संविधान से पहले जो भी कानून थे, वह संविधान के दायरे में होगा और अगर वह मौलिक अधिकार का हनन करता है तो वह कानून अमान्य होगा।

क्या कहता है मुस्लिम पर्सनल लॉ

एडवोकेट सलीम अहमद खान के मुताबिक मुस्लिम में शरीयत एक्ट 1937 के तहत संपत्ति का निपटारा किया जाता है। इसमें किसी शख्स की मौत होने पर उसके संपत्ति में उनके बेटे, बेटी, पत्नी और माता-पिता को हिस्सा दिया जाता है। कानून के तहत बेटी को बेटे की तुलना में आधी प्रॉपर्टी देने का प्रावधान है। पति की मौत के बाद पत्नी को संपत्ति का 6वां हिस्सा दिया जाता है। वहीं, माता-पिता के लिए भी हिस्सेदारी तय की गई है।

आयुर्वेद के दीप स्तंभ : महर्षि चरक

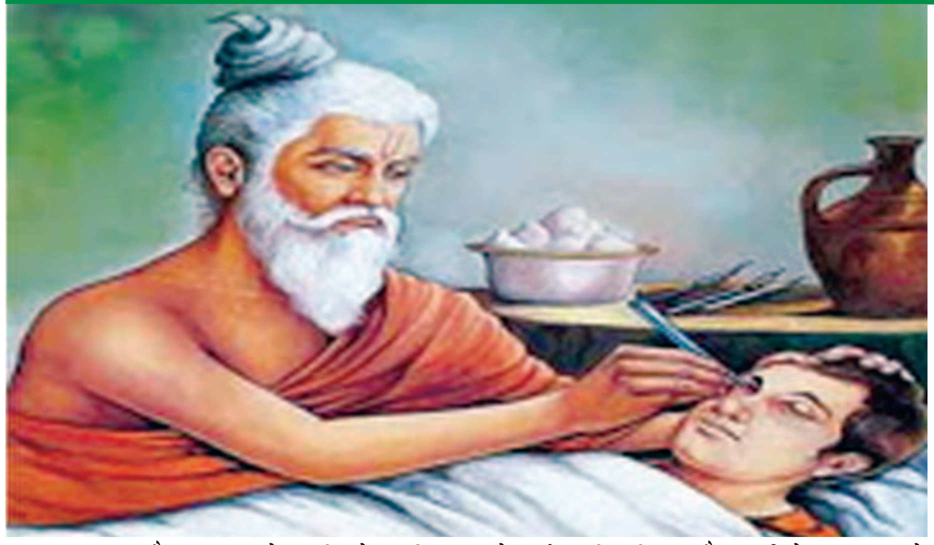

अतुल कुमार

हेल्थ सेक्टर को डेवलप करने पर आज ज़ोर है . विशेषकर महामारी के बाद इसके विकास ने रफ्तार पकडी और इसकी महत्ता समझ आयी . यह विकास परिस्थिति वश अधिक है .अन्यथा यह उपेक्षित रहा , ऐसा नहीं कि हास्पिटल नहीं बने या बनते लेकिन इसकी ज़रूरत को कोरोना काल के बाद अधिक समझा गया . मल्टी स्पेशलिटी के रूप में इनको खोले जाने की बात हो रही है . यह वैज्ञानिक प्रसार का युग है .लेकिन हज़ारों वर्ष पहले जब ट्रीटमेंट के लिये कुछ नहीं था तब भी आयुर्वेद ने ऐसी उपचार पद्धति हमें दी जो आज लोकप्रियता की सीढियां चढ रही हैं बीते दो ढाई दशकों में इस पर लोगों का भरोसा बडा और वह इस ओर मुड रहे हैं . उदाहरण के लिये हल्दी दूध पीने का चलन बढा आयुर्वेद में रोग निरोधक तथा रोगनाशक दवाइयां मौजूद हैं .बुज़ुर्गों से पीढी दर पीढी घर में इस्तेमाल होने वाले पदार्थों के औषधीय गुणों के विषय में सुनते और सीखते आ रहे हैं घर की किचन में ऐसे कई पदार्थ ऋतुओं के अनुकूल मिल जाते हैं जिन्हें हम औषधि के रूप में प्रयुक्त करते हैं अतः आयुर्वेदीय पद्धति को जीवन से अलग नहीं कर सकते .आयुर्वेद को प्रतिपादित करने में प्रमुख नाम महर्षि चरक का है .

विद्वानों के अनुसार महर्षि चरक ने सबसे पहले मनुष्य के शरीर की संरचना को गहराई से समझ उसमें उत्पन्न होने वाली हर व्याधि को जड से पकड रोग का नाश करने में सफलता पायी . सोचिये ! हज़ारों वर्ष पूर्व न बिजली , न लैब और न ही उपचार के कोई संसाधन थे तब महर्षि चरक ने अपने ज्ञान और सूझबूझ से जिस ट्रीट्मेंट के दर्शन तथा शास्त्र को बताया उसी के मार्गदर्शी सिद्धांतों को वैद्याचार्य मान उसका अनुसरण करते हैं ." चरक संहिता " आयुर्वेद का सबसे पुराना और प्रामाणिक ग्रंथ है . रोगों के कारण व निवारण की विश्व की पहली पुस्तक भी है जिसमें रोगोपचार व रोगों के कारणों का उल्लेख मिलता है .

महर्षि चरक पहले चिकित्सक हैं जिन्होंने पाचन ,चयापचय और शरीर के कार्य कारणों की अवधारणा को दुनिया को समझाया उनके अनुसार कफ ,पित्त और वायु शरीर में जब तक संतुलित हैं आदमी स्वस्थ्य रहता है लेकिन जैसे ही इनका संतुलन बिगडने लगता है तब वह बीमार हो जाता है .इसलिये इस असंतुलन को पहचान उसे पूर्व की स्थिति में लाना आवश्यक है अतएव उन्हें " फादर आफ मेडिसिन " भी कहा गया .पूरी दुनिया में उनकी ख्याति आयुर्वेद विशारद के रूप में है .पुस्तक में रोग औषधियों के साथ सोना ,चांदी ,लोहा ,पारा इत्यादि धातुओं से निर्मित भस्मों तथा उनके इस्तेमाल की विधि बतायी .

पौराणिक कथानुसार एक बार दुनिया में कई महामारियों का प्रकोप हुआ इससे चिंतित हो सभी ऋषियों मुनियों ने हिमालय की तराई में बैठक बुलायी जिसमें सभी प्रमुख ऋषियों ,मुनियों और सिद्धहस्तों ने भाग ले स्थिति का विश्लेषण किया इसमें सर्वसम्मति से भारद्वाज को इंद्र देवता के पास भेजा गया कि वह स्थिति को बिग़डने से रोकें. उन्होंने सृष्टि के जनक ब्रह्मा के पास जाने की सलाह दी . ब्रह्मा से अनुरोध किया कि उनके जन्म दाता मनुष्य भिन्न भिन्न रोगों की चपेट में आ रहे हैं इसलिये उन्हें बचाने के लिये कोई राह दिखायें .इसे सुन ब्रह्मा ने आयुर्वेद का ज्ञान अपने बेटे प्रजापति को दिया जिसे उन्होंने अश्विनी कुमारों के पास पहुंचाया वैदिक साहित्य में अश्विनी कुमारों के चमात्कारिक उपचारों को पढने मिलता है . उन्हीं में चरक एक थे जिन्हें शरीर में उपस्थित जीवाणुओं का गहन ज्ञान तथा अनुवांशिकी (हेरीडेटरी) की भी जानकारी थी सबसे पहले प्रकाश डाला कि कई रोग " हेरीडेटरी " होते हैं .इस मत को विश्व में पहली बार बता उपचार पद्धति को नयी दिशा दी .यह मान्यता आज भी स्वीकृत तथ्य है क्यों कि ट्रीट्मेंट के समय "फैमिली हिस्ट्री " को जाना जाता है .

सर्वप्रथम बताया कि शरीर में दांतों सहित 360 हड्डियां होती हैं उनका विश्वास था कि दिल शरीर का नियंत्रण केंद्र है .उनके अनुसार हृदय पूरे शरीर के 13 मुख्य धमनियों से जुडा है जो सारे ऊतकों को भोजन रस पहुंचाता है .और मल व व्यर्थ पदार्थों को बाहर निकालता है इन धमनियों में किसी प्रकार का विकार आने पर आदमी बीमार हो जाता है ज़रूरी बात बतायी कि स्वास्थ्य और बीमारी पूर्व निर्धारित नहीं है और मानव प्रयास तथा जीवन शैली ही उसे लंबा खींच सकते हैं उपचार की तुलना में छः ऋतुओं के साथ तालमेल रख बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है .भारतीय चिकित्सा प्रणाली में तर्क और दर्शन सहित चिकित्सा के सभी भागों का अध्ययन किया उपचार को नैतिकता और आदर्शों से जोडा पहली बार बताया कि " चोरी चकारी , नशा खोरी से बचें दुष्ट लोगों के साथ नहीं रहें .अपने स्वर को मधुर तथा प्रेम से जोडने वाला बनाएं. विचारों को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें नकारात्मक विचार मन बुद्धी और शरीर को खोखला बनाते हैं चिकित्सकों के लिये कहा कि रोगियों से विश्वासघात न करें रोगी का उपचार करते समय शब्द ,मन ,बुद्धि और इंद्रियों को केवल रोगी और चिकित्सा के लिये समर्पित करें . उनको ध्यान से सुनें उनकी परिस्थितियों का शोषण न करें . स्वस्थ्य होने के बाद जो आशीर्वाद आपको देंगे वह उनके हृदय से निकले भाव होंगे जिसे आप कहीं नहीं पाएंगे . वैद्यिकी कौशल का अधिक से अधिक इस्तेमाल रोगी के उपचार पर दोगे तो चार लोगों से वह उसकी चर्चा करेगा जिससे साख बढेगी "

उपचार में नैतिक संहिता को बनाने व बताने वाले पहले महर्षि थे जिसे बाद में दुनिया के सभी चिकित्सकों ने माना ! हज़ारों हज़ार वर्ष पहले महर्षि चरक ने ट्रीट्मेंट से जुडी गहरी बातों को बता इस पेशे को मानव सेवा का माध्यम बताया . आज चिकित्सा जब खर्चीली और पहुंच से दूर हो रही है तब उनके कहे विचार अधिक समीचीन लगते हैं . "चरक संहिता" एक आयुर्वेदिक ग्रंथ है जो संस्कृत में लिखा गया यह आयुर्वेद के दो मौलिक ग्रंथों में एक है दूसरा सुश्रुत संहिता है .अग्निवेश ने आत्रेय की देख रेख में "चरक संहिता" लिखी लेकिन सभी को एकत्रित कर संपादित करने का कार्य महर्षि चरक ने किया .अत; कुछ विद्वान इसे अग्निवेश संहिता भी कहते हैं .चरक दूरदृष्टा थे जानते कि कालांतर में इसकी कठिन संस्कृत भाषा को समझना वैद्यों के लिये मुश्किल होगा इसलिये सरल संस्कृत में ग्रंथ को संपादित किया . चिकित्सा प्रणाली को पेशा न मान मानव सेवा का माध्यम बताया .

उत्तरोत्तर जितनी भी चिकित्सा पद्धतियां विकसित हुईं उन्होंने भी महर्षि चरक के विचारों को मानते हुए इसे सेवा की कुंजी माना और उनका ध्येय वाक्य भी वही है ."चरक संहिता" में कई जगहों पर अर्थ शास्त्र व दर्शन के विषयों का भी उल्लेख है .देश में घूम घूम कर चिकित्सकों के साथ बैठकें करते और उनको इस सारस्वत कार्य की महिमा बताते .चिकित्सा विज्ञान की व्याख्याएं लुप्त न हों इसके लिये अधिक से अधिक वैद्यों के बीच ज्ञान को बांटते और कहते " आप धरती पर इसे जितना फैलाएंगे उतना मानवता का भला होगा "

महर्षि चरक का जन्म कब और कहां हुआ अभी भी यह खोजबीन का विषय है लेकिन इतिहासकारों के अनुसार वह ढाई हज़ार वर्ष पहले हुए ." चरक संहिता " को आठ भागों और 120 अध्यायों में संपादित किया .इसका अनुवाद कई विदेशी भाषाओं में हुआ वह कहते " जो चिकित्सक अपने ज्ञान और समझ का दीपक ले रोगी के शरीर को नहीं समझता ,वह बीमारी कैसे ठीक कर सकता है इसलिये सबसे पहले उन सब कारणों का अध्ययन करना चाहिये जो रोगी को प्रभावित करते हैं फिर उसका इलाज करना चाहिये ज़्यादा महत्वपूर्ण यह है कि बीमारी से बचाना न कि इलाज करना " चरक ने उपचार की जो आधार शिला रखी वह आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान का दीप स्तंभ है .

काव्य कुंज

शब्द ही ध्वनि है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

पंच तत्वों से परे
नए इस विस्तारित ब्रम्हांड में
ध्वनि ही शब्द
और शब्द ही ध्वनि है
प्रथम गर्जन में रुद्रावतार हैं
यह गर्जन एक सौ बारह बार होती है
अबतक चौरासी बार गर्जना हो चुकी
चौरासी लाख योनियाँ हैं
चौरासी मंदिरों के खंभे हैं
और चौरासी गर्जन के हम साक्षी हैं
जन्म के वक्त भी रुदन ध्वनि है
मगर रुदन के साथ किलकारी है
और मृत्यु के वक्त भी रुदन ध्वनि है
किन्तु इसके बाद सन्नाटा है
इस पार जीवन है
और जहाँ जीवन है - वहाँ शोर है
मृत्यु के सन्नाटे के बाद सिर्फ शांति है
आरंभ भी रूद्र और अंत भी रूद्र हैं
और रूद्र के साथ चिरपरिचित ध्वनि है
नदियों के कलकल की ध्वनि कभी मन मोहती है
तो कभी शोर मचाती है
समुद्र की लहरें भी तट तक कुछ कहने आती हैं
बादल गरज कर अपनी उपस्थिति दर्ज करता है
तो धरती बूँदों की रिमझिम बारिश में भीग जाती है
हम सभी आकाश को टकटकी बाँध देखते हैं
और इंद्रधनुष अपने करतब दिखला जाता है
सूर्य - चंद्र - तारे - धरती
सभी गतिमान ही तो हैं
अंतरिक्ष के अनगिनत तारे अमावस्या हो या पूर्णिमा
झिलमिलाना कभी नहीं छोड़ते
हर गति के साथ ध्वनि होती है
हवाएँ दिखाई नहीं देतीं मगर ध्वनि के साथ
अपने होने का एहसास करा जाती हैं
अर्थात ब्रम्हांड में गूँजती है ध्वनि
और यही ध्वनि शब्द है
या यूँ कहे दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

सफलता

गजानन पाण्डेय

प्रेम से है जीवन
लक्ष्य बिना जीवन निरर्थक
समय है मूल्यवान
बेकारी है अभिशाप
मेहनत है सफलता का द्वार
यह है बडे काम का हथियार
लगन है पूंजी
धैर्य रखना है जरूरी
न कोई ऐसा काम है
जो है असंभव
दृढ - संकल्प से नौका होती है पार ।

तुम्हारा साथ

सोनी पटेल
मुजफ्फरपुर,बिहार

तुम्हारे साथ जीने का सुख
जितना बड़ा था मेरे लिए
तुम्हारे चले जाने का दुःख
उतना ही पीड़ा देकर गया ।
पन्नें अश्रु से भींग जाते
है मेरे ....
जब मैं तुम्हें शब्दों में,
लिखना चाहती हूँ।
कोई कैसे भूल जाता है
किसी को?
मैं भी सीखना चाहती हूँ।
मेरे अपने रोने भी नही, देते मुझे
फिर भी बार बार पलकें भींग जाती है
मैं नहीं रोक पाती अश्क अपने ....
मैं जोर- जोर से चीखना चाहती हूँ।
वही दिन है वही रात है
पर जीवन में पहले जैसी नहीं वो बात है
अब तो साँसो पर भी एतबार नहीं है ....
कब वो किसका साथ छोड़ जाएगी ...
कब वो किसे रुलाएगी।

मरणशीलता और अमरत्व
के रहस्य को जानना चाहती हूँ ...
पर हां मैं अपनों के लिए
दर्द में भी जीना चाहती हूँ।

आगाज़

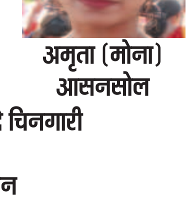

अमृता (मोना)
आसनसोल

राग बन अनुराग में
तू क्यों सिमटी हुई?
हर एक की आवाज बन
हर एक की आगाज बन,
फिर तिनके-तिनके में भर दे चिनगारी
हर एक की अलफाज़ बन,
नवनीत उषा की राग बन
चन्द्रमा में खोई हुई,
निशा दीप जलायें
अपने आँचल फैलायें
तू कहां चली,
कोमलता की लहर तुझमें
यू मन को छूती हुई,
संगम कला बहाती हुई
रिश्तों की बुनियादी समेटे,
कड़वाहट का दंश न झेल तू
अशांत मन में यू भर हिलोरे,
यू सपनों की पुरवइया पर
छोड़ अपनी आंगन-गली तू कहां चली?
अंधकार से फिर रौशनी तक
उन शवों मे जलती आग भी कह उठे
उन शवों की बूझती राख भी कह उठे,
ऐं नादान परींदों,
बिन बादल ये वृष्टि नहीं
नारी बिन ये सृष्टि नहीं!!

पथिक तू चलता चल

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

प्रलय का आना निश्चित ही है
तो उसे आने दो
रोक नहीं सकता कोई उसे
डर से जीने का कोई मतलब है नही
जरूरत पड़े तो जरूर जीने का
अंदाज बदल देंगे
पथिक तू चलता चल
कुछ घड़ी घूंट के पीकर ही
उसे रहने दो
भूख को प्यास को सहने दो
कोई भी बुझा नहीं सकता अरमानों को
जरूरत पड़े जरूर कुछ नए राह ढूंढ लेंगे
पथिक तू चलता चल
कितने ही सपने टूट रहे हैं अजीब सी
फिर और भी सपने उसे देखने दो
आंखें खोलने से पहले ही दिल में एक ऐसी जज्बात
जरूरत पड़ने पर जरूर कुछ अटूट सपने बुन लेंगे
पथिक तू चलता चल
नफरत के बादल घिरे भी तो क्या हुआ
इंतजार कर उसे झुकने दो
आशादीप के राहों में मुस्कुराते विश्वास भरे
प्रेम की ज्योति जरूरत पड़ने पर जरूर जगा देंगे
पथिक तू चलता चल

क़त्ल-ए-आम हो जाऊं

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

रख दूँ मैं भी राज़-ए-दिल खोलकर
सुनने वाला कोई राज़दार तो हो।
जो देखूं उसे तो भुला दूँ ये सारा जहां
ऐसा हमदम कोई वफ़ा-ए-यार तो हो।
चल लूं मैं भी नंगे पांव तपते रेत पर
साथ देने वाला कोई हमसफ़र तो हो।
भूल जाऊं मैं भी अपना हर दर्द-ओ-ग़म
मरहम लगाने वाला कोई हमदर्द तो हो।
न हो मुझे कभी चाँद-तारों की ख़्वाहिश
अपने पलकों पर बैठाए ऐसा साथ तो हो।
न मिस्ल दूँ मैं किसी और के प्रेम की
दिल की रानी बनाये ऐसा इश्क़ तो हो।
जद्दोजहद हैं यहां खुद को बेहतर बताने की
फ़िदा हो जाऊं मैं भी ऐसी कोई अदा तो हो।
जाम पीकर खो देता है हरकोई अपना होश
मदहोश कर जाए कोई ऐसे नैन तो हो।
यूँ तो करते हैं सभी इश्क़-मोहब्बत में वादें
फ़ना कर दूं खुद को ऐसी कोई बात तो हो।
मरने-मिटने को तैयार ज़रा हम भी बैठे हैं
क़त्ल-ए-आम हो जाऊं ऐसी नज़र तो हो।

अंजान फरिश्ता

लवली आनंद,
बिहार

जीवन मे एक ऐसा समय आता है
जब हमारी परेशानियों को
अपनो से ज्यादा कोई
अंजान समझने लगता है।
अपनो की ज़िन्दगी कभी -कभी
तहस- नहस हो जाती है
और अपने लोगो को
खबर तक नही होती है।
उस वक़्त ऐसा होता है मानो
कोई आये और गले लगा ले
दो पल को हाथ थामे और
कहे कि मैं हूं तुम्हारे साथ
पर ऐसा होता नही
किसी को वक़्त ही नही होता
कि कोई आपको सहारा दे।
हाथ पकड़ने वाला हर इंसान
आपका भला नही चाहता
कुछ लोग आपके हाथ को
थाम कर आगे बढ़ जाने भर
के लिए भी हाथ थाम लेते है।
उस वक़्त घबराओ नही
लंबी साँसे लो और खुद की
परेशानी को खुद समझो।
यक़ीनन तुम अपनो से ज्यादा
खुद ही खुद की परेशानियों को
बेहतर समझ कर आगे बढ़ जाओगे।

दीवार पर टँगी तलवारें

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

म्यान में पड़ी है जो तलवार
निकलती नहीं अब कभी
अन्याय को खत्म करने के लिए
ना ही अब उठती है इंसाफ वास्ते।
दिखती है कभी कभी शादियों में
वर लिए रहते हैं उसे हाथों में
बेशक, नहीं है उनको निपुणता
तलवारबाजी में, परन्तु
जातीय गौरव के प्रदर्शन में
आवश्यक है दुनिया को दिखलाना।
अब तो रहती है ड्राईंग रूम के दीवार पर टँगी हुई
उसकी शोभा बढाने के लिए लोगों को दिखाने के लिए
बतलाती यह दूसरों को किजिंदा है अब भी नफ़रत
जिंदा है द्वेष और घृणा मिली है जो उनको विरासत में ।
दुनिया जानती है कि जब भी उठी हैं तलवारें
बहाए हैं उसने रक्त इंसानी या किसी भी जीव जंतु के
या किसी स्त्री के अपहरण में
या किसी राज्य के विस्तार के लिए
या किसी राजा के अहंकार की तुष्टि के लिए
या उठी है गरीब या निरीह को गुलाम बनाने के लिए।
तलवारें नहीं हो सकी कभी शांति दूत होगी भी कैसे?
हिंसा का हासिल शांति नहींहिंसा का हासिल ही है हिंसा
इसलिए दीवारों पर टँगी तलवार
मुझे नहीं करती रोमांचित
मन जरूर कहता है कि अब भी इंसान में है जिंदा
आदिम और पाश्विक प्रवृति।।

लौट आओ..

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

दिल रोशन करने को,
ख्वाहिशो की प्यास बुझाने,
ख्वाबों की रौनकी के लिए,
अनकही बातें कहने को,
ख़ुशबू सा महकाने के लिए,
लौट आओ इक बार,
जीवन में मेरे फिर से ..!
थोड़ी सी रोशनी बहुत,
मन का अंधेरा मिटाने के लिए,
थोड़ा यकीन बहुत,
गुमशुदा रास्तों पर मंज़िल के लिए,
शिकवे-शिकायतों के साथ,
लौट आओ इक बार,
जीवन में मेरे फिर से ..!
इम्तिहान यहाँ होता हर कदम पर,
कुछ अनकहा कुछ अधूरा,
रहता है हर इक के जीवन में,
मेरे ख्यालों के ऐवान में,
आशियाना है बस तुम्हारा,
लौट आओ इक बार,
जीवन में मेरे फिर से ..!

हर सफ़र है सुंदर...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिंदगी है तो मान्यवर
आते रहेंगे व्यवधान
आ भी जाती हैं नीचे से ऊपर थकान
लगाता तो है ऐड़ी चोटी की तदबीर
कभी सफलता तो
कभी खंडहर विधान
खंडित लकीरें,लहरों
केविपरीत.. बहाने..चाहिए
हर सफ़र है सुंदर,बस चलने वाला चाहिए
पर्वतों से भी मार्ग निकलता.. बनाने..चाहिए
जिधर गुजरें,शकुनि विद्यालय खुले मिलेंगे
चौबिसों.., साँप सीढ़ी पाठ.. कराते मिलेंगे
तात्कालिक प्रश्नों का तो है समाधान
भविष्य को छींके पर लटकाते मिलेंगे
त्यागें संकीर्णता,किनारे लगाने वाला चाहिए
हर सफ़र है सुंदर...
माना.. घोषित कर रखा स्वयं जिल्लेइल्लाहि
आर्गुमेंट करने की है बंधु सख़्त मनाही
चित्रगुप्त दरबार,कोई नहीं देगा पक्ष में गवाही
कहता छोड़ो,.. हर इक मंजर की तबाही
इक्कीसवीं सदी,हसने हसाने वाला चाहिए
हर सफ़र है सुंदर..
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थों महान रिपुः
करें आत्मसात तो नाचते गाते इतराते हैं
इसी सिद्धांत पर..अटालिकाएं सजी हैं
अन्यथा स्वयं के बनाए गड्ढों में धस जाते हैं
सशक्त विश्वस्त, तूफानों से बतियाना चाहिए
हर सफ़र है सुंदर...

उपहार

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

प्रकृति एक ईश्वर
प्रदत अनुपम उपहार,
सुंदर प्रकृति से
चल रहा संपूर्ण संसार,
प्रकृति उपहार की कीमत पहचानो
संजो कर रखना न करना कोई प्रहार।
मां-बाप को मिलता भाग्य से संतान उपहार,
मां बाप के जीवन में आ जाती बहार ही बहार,
बस उपहार को होती संभालने की जरूरत
संतान में भरने होते सुंदर अनुशासित संस्कार।
अनगिनत अवसर पर अपने प्रियों को देते उपहार,
जन्मदिन विवाह सगाई,खुशी के बहुत से होते त्यौहार,
है उपहार दिल की दुआएं ,न आंके उपहार कीमत
बस खुशी प्रदर्शित करने का होता है सार ।
बुजुर्गों के मुंह से निकली दुआएं,सबसे बड़ा उपहार,
अपनों से बड़ों का हमेशा ही करें आदर सत्कार,
अदृश्य उपहार एक दूजे को मान देने के होते अनगिनत
जो दिखाई न देते खिला देते दिल के सभी द्वार।।

मैं तुम्हारे द्वार आया

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

मैं द्वार तुम्हारे आया
मैं द्वार तुम्हारे जब आया
पर द्वार तुम्हारा बंद पाया
अब याद तुम्हारी आती है
सावन ने खेली जब होली
कहीं हरी कहीं गुलाबी
प्रेम चुनरिया ओढी सी
तेरी खुशबू भीनी भीनी
मेरे जीवन की बगिया में
याद सदा ही रहती है
जब याद तुम्हारी आती है
मैं सदा तुम्हारे पास आया पर द्वार तुम्हारा बंद पाया
तब भूल गया जबयैअवन था, सबसे आकर्षित रहता था
मदमस्त हुआ मैं फिरता था,दिन ढलते गए अब सांझ आई
अब खाली-खाली लगता है,जब याद तुम्हारी आती है
मैं लौट लौट कर आया था,पर द्वार तुम्हारा बन पाया
मैं भी हूं और तुम भी हो,यह भे द सदा ही रहता है
मैं खाली हूं तुम भरे हुए,आकाश सदा मै तकता हूं
जाने क्यों तुम प्रिय लगते हो,यह मिलन अधूरा लगता है
मैं तू ना हुआ तू मैं ना हुआ,यह खेल सदा ही चलता है
मैं द्वार तुम्हारे आता हूं, पर द्वार कभी ना खुलता है
मैं प्यासा ही रह जाता हूं,मैं लौट लौट कर आता हूं
द्वार तुम्हारा बंद पाता हूं ।।

शिकायत हैं तुझसे.. नारी

डॉ डी डी देसाई

एक शिकायत हैं तुझसे..... हे नारी
किसी की ऊँची आवाज़ तले..
तुम दबती क्यों हो?
रात दिन मेहनत करती हो..
फिर किसी के ताने सुनती क्यों हो?
एक शिकायत है तुझसे...हे नारी
आँसूओं के समंदर तर जाती हो,
अफवाओं के बहाव से डरती क्यों हो?
न चोरी न डकैती सिर्फ मेहनत करती हो
फिर निकमों की भीड़ से डरती क्यों हो?
एक शिकायत है तुझसे..... हे नारी,
घर बार, रसोई बिस्तर सब संभालती हो
फिर ज़माने की चुगली से उबती क्यों हो?
मेहनत कमाई सब तुझे है निभानी,
किसी और के बारे में सोचती क्यों हो?
एक शिकायत है तुझसे.... हे नारी,
हिमालय सी पीड़ा पल में हर लेती हो,
फिर कुछ सहने से सहमति क्यों हो?
माँ, बेटी,बहन,पत्नी हर रिश्ता निभाती हो
फिर किसी को ठुकराने से कतराती क्यों हो?
एक शिकायत है तुझसे.... हे नारी,
पढ़ी लिखी, होनहार गृहिनी हो तुम,
फिर अनफड सोच में दबती क्यों हो?
प्रतिभा, कल्पना और झाँसी हो तुम,
फिर खुदको कमजोर समझती क्यों हो?
एक शिकायत है तुझसे..... हे नारी,
हर मंजिल पर फहराती हो परचम जीत का,
फिर सफर में अकेली चलने से डरती क्यों हो?
मिट्टी में मील जाना है सभी को एक दिन,
इन हैवानों को मिट्टी में मिलाने से डरती क्यों हो?

महँगाई

महँगाई के परचम सुना शिखर पर है
और आम आदमी सारे फिक्र में है।
विपक्ष के हाथ मे एक बड़ी कड़ी आ गयी,
सुना है दिल्ली में कइयों के हाथ मे हथकडी आ गयी ।
पैदल यात्रा से देश को खूब जोड़ा गया है,
तेल और सेलेल्डर के रेट
बढ़ने की यही तो नही वजह है।
महँगाई से वैसे बड गए
शक्कर और पत्ती के भी दाम है
सच बताऊ सुना है इससे
अब 'चाय वाला' भी परेशान है
निरन्तर लोगो की मन पसन्द
सरकारे आ रही है जा रही है
तमन समझ नही आ रहा
फिर ये कीमते आखिर बढ़ती क्यों जा रही है ?

-तमन सोढी

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

नित्यानंद ने कमाल की धोखाधड़ी की

सबके साथ सिस्टर सिटी एग्रीमेंट साइन किया, जबकि कैलासा कोई देश ही नहीं

रेप के आरोपों के बाद भारत से फरार हुए नित्यानंद ने 2019 में कैलासा नाम का देश बसाने का दावा किया था। भारत के भगोड़े स्वामी नित्यानंद के कथित देश कैलासा ने 30 अमेरिकी शहरों के साथ धोखाधड़ी की है। कैलासा ने इन शहरों के साथ सिस्टर सिटी एग्रीमेंट साइन किया था। इस कल्चरल एग्रीमेंट के तहत ये शहर और कैलासा एक दूसरे के विकास में मदद करते। इसमें धोखाधड़ी ये है कैलासा नाम का कोई देश दुनिया में है ही नहीं।

हाल ही में अमेरिकी की फॉक्स न्यूज ने एक रिपोर्ट जारी करके बताया कि ओहायो के डेटन से लेकर वर्जीनिया के रिचमंड और फ्लोरिडा के बुएना पार्क तक कई शहरों का नाम इस लिस्ट में शामिल है। खुद कैलासा की वेबसाइट पर इन सभी शहरों के साथ हुए समझौते के बारे में लिखा है। बता दें कि नित्यानंद ने 2019 में दावा किया था उसने कैलासा नाम का देश बसाया है।

बीते दिनों नेवार्क ने रद्द किया था अपना एग्रीमेंट

कुछ दिनों पहले ही अमेरिकी राज्य न्यूजर्सी के शहर नेवार्क ने कैलासा के साथ सिस्टर सिटी एग्रीमेंट खत्म किया था। नेवार्क और फर्जी देश 'यूनाइटिड स्टेट्स ऑफ कैलासा' के बीच 12 जनवरी को समझौता हुआ था। यह सेरेमनी नेवार्क के सिटी हॉल में हुई थी।

स्वामी नित्यानंद

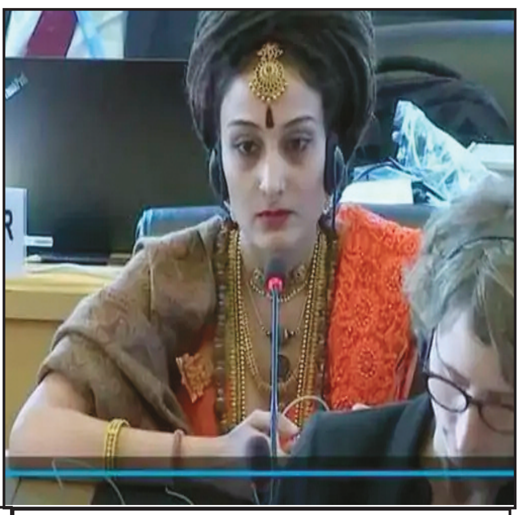

कैलास की यह मेंबर UN मीटिंग में नजर आई थीं।

लेकिन जब नेवार्क को कैलासा की असलियत के बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत अपना समझौता रद्द कर दिया। नेवार्क की प्रेस सचिव सुजैन गैरोफलो ने एग्रीमेंट पर पछतावा जताया। उन्होंने कहा- जैसे ही हमें कैलासा की परिस्थितियों के बारे में पता चला हमने एग्रीमेंट खत्म कर दिया। ये एग्रीमेंट धोखे से किया गया था।

एग्रीमेंट के तहत कैलासा को नेवार्क की सिस्टर सिटी का दर्जा दिया गया था। एग्रीमेंट के तहत कैलासा को नेवार्क की सिस्टर सिटी का दर्जा दिया गया था। कई शहरों ने माना कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में लिखा है कि फर्जी बाबा ने कई शहरों को ठगा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इन शहरों में से कई ने इस बात को स्वीकार किया है कि कैलासा ने उनके साथ धोखाधड़ी की है।

नॉर्थ कैरोलीना के शहर जैकसनविले ने फॉक्स न्यूज को बताया कि हमने कैलासा के साथ क्या डॉक्यूमेंट साइन किया है, वह घोषणा करने की बात नहीं है। कैलासा ने हमसे एक रिक्वेस्ट की थी, जिसका हमने जवाब दिया। ये रिक्वेस्ट क्या थी इसे हम वेरिफाई नहीं करते हैं। फॉक्स न्यूज का कहना है कि बिना कैलासा की सही जानकारी जुटाए उसके साथ समझौता करना शहरों की गलती है।

सरकार में बड़े पदों पर बैठे लोग भी हुए धोखे का शिकार

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सिर्फ मेयर और सिटी काउंसिल ही इस फरेब का शिकार नहीं हुआ, बल्कि वे लोग जो सरकार में बड़े पदों पर हैं, वे भी इस नकली देश के झांसे में आ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कैलासा की वेबसाइट में यह भी लिखा है कि संसद के दो सदस्यों ने कैलासा को 'खास संसदीय मान्यता' दी है।

इनमें से एक कैलिफॉर्निया की कांग्रेसवुमन नॉर्मा टोरेस हैं, जो हाउस एप्रोप्रिएशंस कमेटी का भी हिस्सा हैं। वहीं, दूसरे संसद सदस्य हैं ओहायो से रिपब्लिकन पार्टी के ट्रॉय बाल्डेरसन, जिन्होंने नित्यानंद को संसदीय मान्यता दी।

2019 में देश छोड़कर भागा था नित्यानंद

नित्यानंद का जन्म तमिलनाडु के तिरुवन्नामलई शहर में हुआ था। उसे अरुणाचलम राजशेकरन नाम दिया गया। दावा किया जाता है कि 12 साल की उम्र से उसे आध्यात्मिक अनुभव होने लगे थे और 22 साल की उम्र में उसे ज्ञान की प्रप्ति हो गई। 2002 में 24 साल की उम्र में उसने नित्यानंद नाम से लोगों को प्रवचन देना शुरू किया। 2003 में उसने कर्नाटक में बेंगलुरु के पास बिदादी में ध्यानपीठम नाम से आश्रम शुरू किया।

2010 में नित्यानंद की एक शिष्या ने उस पर रेप का आरोप लगाया था। तहकीकात के बाद 2019 में गुजरात पुलिस ने कहा था कि नित्यानंद के आश्रम में बच्चों को किडनैप करके रखा जाता है।

इसके बाद पुलिस ने छापा मारकर 2 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 2019 में नित्यानंद देश छोड़कर भाग गया था।

दिसंबर 2019 में उसने कैलासा नाम से अपना अलग द्वीप बसाने और इसे अलग देश का दर्जा मिलने का दावा किया था। हालांकि, अब तक इस द्वीप या देश को किसी देश ने मान्यता नहीं दी है।

बोतल में बम ?

गया से जब मैं अपनी बाइक लेकर सारनाथ की ओर बढ़ा तो रास्ते कई लोग ऐसे दिखे, जिनके हाथ में काले रंग की मटकियां थीं और कंधे पर रस्सी। कुछ दूर और आगे बढ़ा तो ताड़ जैसे पेड़ों पर भी ऐसी ही मटकियां लटकी दिखीं। मैंने सोचा कि हो सकता है कि इसका गुड़ बनेगा। अमिताभ बच्चन और नूतन की फिल्म सौदागर में भी ऐसे ही घड़े दिखते थे। एक जगह बाइक रोककर सुस्ता रहा था कि एक अधेड़ उम्र के साहब ऐसी ही दो मटकी लेकर आते दिखे। मैंने उन्हें रोका और पूछा, क्या है इसमें? वह बोले- ताड़ी। दाम बीस रुपये बताया। मैंने कहा दीजिए। उन्होंने पूछा, कोई लोटा-वोटा है साथ में? मेरे पास पानी की बोतल थी, वह मैंने उन्हें दे दी। देखते ही देखते उन्होंने लीटर भर की बोतल भर दी। मैंने पूछा, इतने ज्यादा माल के बीस रुपये कम नहीं हैं? हंसते हुए वह बोले, यहां यही चलता है।

फैजाबाद शहर के सबसे पास सरयू का जम्थरा घाट पड़ता है। है तो यह शहर का शवदाह स्थल, मगर जो लोग गुप्तारघाट या अयोध्या जाने से बचना चाहते हैं, यहीं अपने सालाना स्नान-ध्यान पूरे कर लेते हैं। यहीं ताड़ी का ठेका था। ताड़ी पीने वाले या तो नदी की रेत में लोट रहे होते, या कहीं घूर रहे होते। कई बार सोचा कि उस ओर जाकर देखूं कि ताड़ी होती कैसी है, किस रंग की या किस स्वाद की, मगर कभी हिम्मत ही नहीं हुई। रास्ते से बोतल में जो ताड़ी भरवाई, उसे भी बिना चखे ही बैग के हवाले कर दिया था। तकरीबन घंटे भर बाद ऐसा लगा कि जैसे बैग में सामान ज्यादा हो गया हो। मैंने सोचा कि हो सकता है कोई वहम हो। कुछ दूर आगे चला तो चलते वक्त हवा के अलावा कानों में एक दूसरी सूं-सूं की आवाज पहुंचने लगी।

परेशान होकर मैंने बाइक रोक दी।

देखा, बैग जरूरत से ज्यादा फूल चुका था। घबराकर बैग खोला तो ताड़ी की बोतल फूलकर गुब्बारा हो रही थी। उसके ढक्कन से गैस के साथ झाग निकल रहे थे, सूं-सूं की आवाज भी उसी से आ रही थी। लग रहा था कि बस कुछ ही देर में बोतल फूलकर फट जाने वाली थी। मैं घबरा गया। जीवन में ताड़ी से पहली बार मुलाकात हुई, और वह बम बनने को तैयार थी। मेरे किसी दोस्त ने भी कभी ताड़ी नहीं पी थी, कि उनमें से किसी को फोन करके पूछता कि इस बवाल का क्या करें? मैंने बोतल नीचे जमीन पर रखी और जिस तरह से बम स्क्वॉड वाले दूर-दूर रहकर बम डिफ्यूज करने की कोशिश करते हैं, मैंने बोतल खोली। ढक्कन खुलते ही अंदर का सारा माल सूं करके बाहर निकल गया। मुश्किल से घूंट भर ताड़ी बची। मैंने उसे चखा। यह किसी खट्टे-मीठे सोडे की तरह थी। फैजाबाद वापस लौटा तो उसी जम्थरा के ताड़ी वाले के पास गया और पूरी घटना बताई। पहले तो वहां मौजूद सारे लोग ठठाकर हंसे। ताड़ी वाला बोला, इसीलिए वह लोटा मांग रहा था। ताड़ी कभी बोतल में बंद नहीं की जाती। बोतल में बंद होकर वह बम बन जाती है।'

आंकड़ों से छले जाते लोग

तरक्की की राह पर चल रहे देश को भूख, गरीबी और बेरोजगारी से निजात कब मिलेगी?

कैसे हो साधारण आदमी की तरक्की? उसको अनुकंपा की दिलासा बंद कीजिए। भूख से न मरने की गारंटी तो उसे दे दी गई, लेकिन कब उसे रोजी-रोजगार और सम्मानजनक जीवन जीने की गारंटी दी जाएगी। बेशक आज कहा जा रहा है कि उन्हें रोजगार मांगने वाले से रोजगार देने वाला बनाया जाएगा। मगर नवउद्यम तभी चलेंगे, जब उनमें साधारण आदमी को अपने लिए कुछ बचता नजर आए।

देश की तरक्की औसत आदमी के वृत्त से बाहर क्यों? देश के लिए चमकती चुंधियाती खबरें आती हैं, तो देश के भाग्यनियंता अपनी उपलब्धियों पर गर्वित हो जाते हैं। अगर मुड़ कर देखें तो पाते हैं कि जब यह देश आजाद हुआ और देश की व्यवस्था लोकतांत्रिक बनी, तो इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हुए घोषणा की गई थी कि इस देश में अमीर और गरीब का भेदभाव मिटा दिया जाएगा। एक समतावादी समाज की स्थापना होगी। नेताओं से उम्मीद रखी गई थी कि वे केवल चंद धनकुबेरों का सहयोग न करें, बल्कि देश के असंख्य गरीबों को रोजी-रोजगार देने का अपना वादा पूरा करें। तब योजनाबद्ध आर्थिक विकास की घोषणा हुई थी।

बारह पंचवर्षीय योजनाओं में इस पर काम हुआ, पर वे अपने लक्ष्यों को पूरी नहीं कर पाईं। मगर तब भी यही कहा गया कि देश तरक्की की राह पर है। गरीब आदमी राहत की सांस ले रहा है और यह सब उसके वोट बैंक की सहायता से हुआ है। नेताओं का यही स्वर था कि इस देश में हर युवक को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार मिलेगा। स्त्रियों को समानाधिकार और उनके सशक्तिकरण में वृद्धि होगी, वे पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चलेंगी। इस समतावादी समाज में ऐसा उदाहरण प्रस्तुत हो जाएगा, जिसमें बिना किसी मार-काट के गरीब और अमीर के बीच भेदभाव खत्म हो जाएगा। महंगाई और चोरबाजारी खत्म होगी। भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता रहेगी। लोगों को सहज व्यापार और सहज प्रशासन मिलेगा। देश के भाग्यनियंता गरीब की बात पहले सुनेंगे और धनी की बात बाद में।

मिश्रित अर्थव्यवस्था की धारणा इसी की पुष्टि करती थी कि सार्वजनिक क्षेत्र साधारण जन का कल्याण करेगा और निजी क्षेत्र का प्रोत्साहन देश की आर्थिक गति बढ़ाएगा। मगर देखते ही देखते सब कुछ लालफीताशाही में घिरता नजर आया। घोषणाओं की सफलता को मिथ्या आंकड़ों का आडंबर सहारा देने लगा और धीरे-धीरे योजनाबद्ध आर्थिक विकास को त्याग कर एक उदार अर्थव्यवस्था बनाने की बात होने लगी, जिसमें यह धीमी गति से चलती हुई आर्थिकी त्वरित गति को प्राप्त कर सके। पिछले नौ सालों में सार्वजनिक निजी भागीदारी के नाम पर निजी क्षेत्र को ही अधिक प्रोत्साहन मिला है। इसके नतीजे सामने हैं।

कहा जा रहा है कि भारत ने दुनिया में विकट आर्थिक स्थितियों का सामना करते हुए भी सबसे तेज आर्थिक विकास दर प्राप्त कर ली। आर्थिक विशारद कहते थे कि 2023 में दुनिया महाआर्थिक मंदी का सामना करने जा रही है, लेकिन भारतीयों ने इससे भी अपना बचाव कर लिया। कहा गया कि अगर फेडरल बैंक की नीतियों के बदलने के साथ ब्याज दरों में वृद्धि और महंगाई के प्रहार के बाद भारत का विदेशी निवेश भगोड़ा हो गया है, तो उसे निजी निवेश ने भर दिया है। अभी जो नतीजे सामने आए हैं, उन पर चाहें तो हम गर्व कर सकते हैं।

पहला नतीजा तो यह है कि भारत में नौ साल में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है। 2014-15 की तुलना में देश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर 1,72,000 पर पहुंच गई है। अगर मुद्रास्फीति को दरकिनार करके आय बढ़ने के स्थिर दाम पर वास्तविक मूल्य देखें तो यही पाते हैं कि इन वर्षों में यह 35 फीसद बढ़ गई है, यानी नौ वर्ष पहले जो 72,805 रुपए थी, वह आज 98,118 रुपए हो गई है।

कहा जाता है कि जितनी तेजी के साथ भारत डिजिटल हुआ है, उसका कोई सानी नहीं। जिस प्रकार भारत की मंडियों में लोगों की मांग एक विशेष वर्ग की मांग की तरह बढ़ी है, वह बताती है कि अपना देश पूर्णबंदी की मार से उबर आया है। हमारे देश के बीस प्रतिशत सबसे अमीर अधिक खरीदारी करने लगे हैं। चाहे मौद्रिक नीति कर्ज महंगे कर रही है, लग्जरी कारों की बिक्री पचास फीसद बढ़ गई है। महंगे स्मार्टफोन पचपन फीसद ज्यादा बिक रहे हैं। महंगी स्विस घड़ियों की बिक्री दो साल में 843 करोड़ रुपए से 1640 करोड़ रुपए हो गई और बड़े अल्ट्रा एचडी टीवी 2021 के मुकाबले पंचानबे प्रतिशत बढ़ गए। मगर यह हालत तो केवल बीस प्रतिशत की मांग बढ़ने के कारण पैदा हुई है।

पर यह औसत आय की धारणा बड़ा भ्रमजाल फैलाती है। एक ओर कहती है कि देश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई, दूसरी ओर गरीब अपनी जेब खाली पाता है। तिस पर कम आय वालों की आय भी इन दो सालों में बढ़ी नहीं। जो औरतें काम से बेकार हो गईं, उनको दुबारा काम नहीं मिला और कोरोना महामारी के प्रकोप से डरते हुए औद्योगिक क्षेत्र के निस्पंद हो जाने के कारण जो जनसमुदाय महानगरों को छोड़ गांवों की ओर चला गया, वह अब वापस लौटने को तैयार नहीं।

वृद्धि के आंकड़े दिलासा देते हैं, लेकिन साथ ही यह भी बताते हैं कि यह वृद्धि केवल सेवा और पर्यटन क्षेत्र में हो रही है। निर्माण क्षेत्र में यह वृद्धि कम हो रही है। निर्यात बढ़े नहीं और देश आज भी आयात आधारित है। किसी भी उत्पादन के लिए उसे कच्च? माल विदेशों से मंगवाना पड़ता है। चीन के साथ तनातनी के बावजूद हमारे फार्मा उद्योग का अधिकांश कच्चा माल चीन से आता है। अब यह कहा जा रहा है कि इसके लिए जापान की ओर भी ध्यान दिया जाएगा।

दूसरी ओर, इस देश का सबसे बड़ा दर्द कच्चे तेल की कीमतें और प्राकृतिक गैस की कीमतों का लगातार ऊंचे स्तर पर स्थिर रहना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये कीमतें कम हुई हैं, लेकिन सरकारों ने अपने राजस्व और तेल कंपनियों ने आपदा काल में हुए घाटे की दुहाई देते हुए इन कीमतों को कम नहीं होने दिया। पिछले दिनों तो घरेलू गैस और व्यावसायिक गैस के सिलिंडरों की कीमतों में और वृद्धि हो गई।

किसान और खिलाड़ी तैयार करेगा आरएसएस

25 एकड़ में बन रहा संघ का स्किल सेंटर; एक हॉस्पिटल भी, जहां फ्री इलाज होगा

दिल्ली से 85 किलोमीटर दूर हरियाणा में पानीपत जिले के पट्टीकल्याणा गांव में एक बड़ी बिल्डिंग तैयार हो रही है। ये आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 25 एकड़ जमीन पर बन रहा स्किल सेंटर है। इसमें दो हजार से ज्यादा लोग एक साथ ट्रेनिंग ले सकेंगे।

सेंटर पर आरएसएस का नाम नहीं होगा, लेकिन यूथ से जुड़ने का ये संघ का बड़ा प्लान है। इस एक सेंटर से आरएसएस आसपास के 100 गांवों से सीधे जुड़ेगा। यहां युवाओं को योग के अलावा खेती और खेल की ट्रेनिंग भी मिलेगी। ये बिल्डिंग 6 मंजिला होगी, पर अभी दो मंजिलें ही करीब-करीब तैयार हैं। इसी में संघ ने इस बार अपनी सालाना प्रतिनिधि सभा की बैठक की है। इसमें 1400 से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। बिल्डिंग के प्रोजेक्ट मॉडल को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ये इमारत कितनी आलीशान होगी। इसमें दो तरफ 6 मंजिला बिल्डिंग और बीच में 2000 से ज्यादा लोगों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल होगा। सेंटर में एक अस्पताल भी बनवाया गया है, जहां सभी तरह की मेडिकल जांच मुफ्त होंगी।

हॉस्पिटल, स्किल सेंटर के साथ गोशाला भी

संघ के हरियाणा प्रांत प्रचारक राजेश कुमार कहते हैं, 'अभी यह सेंटर एक चौथाई भी तैयार नहीं हुआ है। हॉस्पिटल की इमारत बन चुकी है। ये हॉस्पिटल आसपास के 100 गांवों के लिए बनवाया गया है। यहां सभी तरह की मेडिकल जांच मुफ्त होगी। एक बड़ी गोशाला बन चुकी है। इसमें अभी 200 गायें हैं। कॉन्फ्रेंस हॉल भी तैयार है। संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठकें इसी हॉल में हुई हैं।

प्रतिनिधि सभा की बैठक में ही ये प्रस्ताव पास हुआ कि अब संघ युवाओं को रोजगार दिलाने में मदद करेगा। पट्टीकल्याणा गांव में बन रहा ट्रेनिंग सेंटर संघ के इसी प्रस्ताव का पहला मॉडल है। इस केंद्र का नाम सेवा सदन एवं ग्राम विकास केंद्र है, यानी संघ सीधे इसे अपने नाम से नहीं चलाएगा। प्रोजेक्ट की लागत अब तक नहीं बताई गई है, लेकिन इसे बनाने वाली कंपनी के एक अधिकारी के मुताबिक, पार्किंग पर ही करीब 15 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

यहां रखे प्रोजेक्ट के मॉडल में बिल्डिंग डिजाइन करने वाली कंपनी का नाम भी लिखा है। कंपनी के क्लाइंट के तौर पर संघ का नहीं, बल्कि संघ से जुड़े श्री माधव जन सेवा न्यास का नाम है। आरएसएस की हरियाणा इकाई के प्रांत संघचालक पवन जिंदल इस न्यास के अध्यक्ष हैं। संघ इस तरह के सेंटर हर राज्य के जिलों में बनाने का प्रस्ताव तैयार कर चुका है। इसकी डेडलाइन 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले की है।

'संघ ही समाज' मिशन आरएसएस

2025 में आरएसएस के 100 साल पूरे होंगे। इस लिहाज से आरएसएस ने 'संघ ही समाज' मिशन शुरू किया है। ऐसा करने में यह सेंटर बड़ी भूमिका निभाएगा। इस सेंटर के जरिए संघ पानीपत के 100 गांव गोद ले रहा है। मेडिकल जांच मुफ्त करने से संगठन सीधे लोगों की मदद करेगा। इन गांवों के युवाओं को अलग-अलग तरह के हुनर इस केंद्र से मिलेंगे तो संघ की युवा टोली का विस्तार खुद-ब-खुद हो जाएगा। 100 गांवों पर यह केंद्र एक तरह से शुरुआती मॉडल के तौर पर अप्लाय किया जाएगा। संघ का मानना है कि समाज के भीतर संगठन की पकड़ मजबूत करने के लिए इस तरह के केंद्र बहुत कारगर साबित होंगे। संघ ने शाखाओं को तेजी से बढ़ाने का प्लान भी बनाया है। यह केंद्र हर गांव में शाखा के लिए स्वयंसेवक तैयार करने का काम भी करेगा। राजेश कुमार कहते हैं, 'ऐसा नहीं है कि संघ इस तरह का काम पहली बार कर रहा है। छोटे स्तर पर इस तरह की कोशिशें होती रही हैं, लेकिन इतने बड़े स्तर पर यह पहला प्रयास है।'

इस सेंटर के लिए 5 साल पहले सरसंघचालक मोहन भागवत ने भूमि पूजन किया था। अब प्रतिनिधि सभा के ठीक पहले दत्तात्रेय होसबोले ने इसका उद्घाटन किया। केरल के सूत्रों के मुताबिक, संघ जल्द ही केरल में भी इस तरह का सेंटर बनाने की तैयारी में है।

'ये हाईटेक बिल्डिंग होंगी। कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रोजेक्टर और पूरी बिल्डिंग में वाईफाई कनेक्टिविटी रहेगी।' उन्होंने बताया, 'इस साल के आखिर तक दो मंजिल का काम कंप्लीट करने का प्लान है। पूरी बिल्डिंग बनने में तो अभी काफी समय लग जाएगा।' ये कार्यकर्ता बिल्डिंग बनने की शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं।

हॉस्पिटल, स्किल सेंटर के साथ गोशाला भी

सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र में हॉस्पिटल, लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ट्रेनिंग सेंटर, योग व साधना केंद्र, जैविक और जीरो बजट खेती केंद्र, नशा मुक्ति केंद्र और न्याय चौपाल जैसे विभाग होंगे। यहां से अच्छे खिलाड़ी और हुनर हासिल कर आत्मनिर्भर बनने वाले युवा तैयार होंगे। युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए हर फील्ड के एक्सपर्ट ट्रेनिंग देंगे।

हरियाणा में 2024 में विधानसभा चुनाव हैं। तब तक ये बिल्डिंग भले ही पूरी न बन पाए, लेकिन स्किल सेंटर का काम शुरू हो जाएगा। हॉस्पिटल भी खुल जाएगा। लिहाजा चुनाव से पहले यह सेंटर खट्टर सरकार के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी कम कर सकता है। हरियाणा के मौजूदा सीएम मनोहर लाल खट्टर संघ के पूर्व वरिष्ठ प्रचारक हैं। लिहाजा संघ के इस काम को खट्टर सरकार से जोड़कर ही देखा जाएगा।

हरियाणा में बन रहा यह सेंटर दिल्ली से सिर्फ 85 किलोमीटर दूर है। हाल ही में बने एक्सप्रेस-वे ने इस सफर को और छोटा कर दिया है। दिल्ली से महज 1.30 घंटे में यहां पहुंचा जा सकता है।

प्रतिनिधि सभा में पास हुए प्रस्तावों का जिक्र करते हुए सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने बताया, केरल के सबरीमाला मंदिर की शाखा एक सर्वे कर रही है। यह सर्वे आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों पर है। सर्वे के मुख्य बिंदु हैं, जैसे यहां के लोगों की क्या समस्याएं हैं। रोजगार का स्तर क्या है, खेती कैसी करते हैं। सर्वे के आधार पर शाखाएं उन इलाकों के लोगों के लिए सेवा का मॉडल बनाएंगी। 10 से 15 राज्य इस तरह का प्रस्ताव लेकर आए हैं।

सर्वे में आए आंकड़ों के आधार पर शाखाएं लोगों के साथ उन्हें हुनरमंद बनाने, सेहत से जुड़ी समस्याएं दूर करने, सामाजिक समस्याओं को समझकर उन्हें सुलझाने का काम करेंगी। फिर संघ के काम का कितना प्रभाव पड़ा, इसका भी डेटा तैयार होगा। दरअसल, यह मॉडल संघ के काम पर सवाल उठाने वाले लोगों के लिए प्रमाण के साथ रिपोर्ट कार्ड तैयार करने का भी है।

आरएसएस की शाखा और संगठन में महिलाओं की एंट्री तय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिन की सालाना बैठक में दो अहम एजेंडे पर बात हुई। पहला आरएसएस में जल्द से जल्द महिलाओं की एंट्री सुनिश्चित करना। दूसरा, 'संघ ही समाज' के मिशन को पूरा करने के लिए प्लान बनाकर उसे अमल में लाना। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले या फिर 2025 के शुरुआती महीने में महिलाओं के लिए अलग संगठन या उनकी आरएसएस में एंट्री का ऐलान किया जा सकता है। इसके अलावा देश का बौद्धिक तबका संघ को मुस्लिम विरोधी न माने, इस पर भी काम चल रहा है।

चिप्स की कमी से कब उबरेगी ऑटो इंडस्ट्री

ऑटोमोबाइल की दुनिया में एक ही खबर चल रही है। वह यह कि आज बाजार में उतारा जाने वाला वाहन ग्राहकों के घरों में एक से डेढ़ साल बाद पहुंच रहा है। वाहनों की डिलीवरी में होने वाली देरी किसी ऑटोमोबाइल कलपुर्जों या सप्लाई चेन से जुड़ी मुश्किलों के कारण नहीं है। इसके लिए सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी एक चीज की कमी जिम्मेदार है। वह है, माइक्रोप्रोसेसर (चिप) और सेमीकंडक्टर। आज लगभग 8 लाख गाड़ियां बनकर तैयार हैं लेकिन चिप्स के अभाव में उनकी डिलीवरी नहीं हो पा रही।

कोविड महामारी के बाद से दुनिया भर में चिप्स की भारी किल्लत है। आजकल अधिकांश कारों में किसी न किसी तरह की डिजिटल क्षमताएं मौजूद हैं जिनके लिए उनमें माइक्रोप्रोसेसर्स की जरूरत पड़ती है और माइक्रोप्रोसेसर्स के लिए सेमीकंडक्टर की। बात कारों तक सीमित नहीं है। हर तरह के डिजिटल और ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में चिप्स या सेमीकंडक्टरों की जरूरत पड़ती है जिनका प्रयोग डायोड, ट्रांजिस्टर, इंटिग्रेटेड सर्किट (आईसी), प्रोसेसर्स आदि के निर्माण में किया जाता है।

कंप्यूटर, मोबाइल फोन, कैमरे, टेलिविजन, रेडियो, घड़ी, साउंड सिस्टम, माइक्रोफोन के साथ-साथ कीबोर्ड और माउस जैसी छोटी-छोटी चीजों में भी चिप्स का इस्तेमाल होता है। इस सूची में अनगिनत मेडिकल उपकरण, औद्योगिक मशीन, सोलर पैनल, पनचक्कियां, एलईडी बल्ब भी हैं। जाहिर है, चिप्स और सेमीकंडक्टरों की किल्लत किसी भी देश के विकास को बाधित कर सकती है। भारत सेमीकंडक्टरों के आयात के लिए चीन, हांगकांग, वियतनाम, सिंगापुर, कोरिया और अमेरिका पर निर्भर है। हमारा एक चौथाई से ज्यादा आयात चीन से होता है। मौजूदा संकट को देखते हुए सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर उद्योग को स्थापित करने के लिए दिसंबर 2021 में करीब 80,000 करोड़ रुपये का पैकेज मंजूर किया था। ताजा बजट में डिजिटल इंडिया से जुड़े सेमीकंडक्टर मिशन को 3,000 करोड़ रुपये की राशि और दी गई है। कर्नाटक और गुजरात में सेमीकंडक्टर कारखाने लग रहे हैं।

नवरात्र में भूलकर भी न करें यह काम मां दुर्गा हो सकती हैं नाराज

शक्ति आराधना के पर्व नवरात्र की शुरुआत 22 मार्च से होगी। नवरात्र के नौ दिनों में देवी को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु पूजा अनुष्ठान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक नवरात्र में शुद्ध सात्विक ढंग से पूजा आराधना से देवी प्रसन्न होती है और भक्तों की सभी मुरादों को पूरा करती हैं। इसके साथ ही घर में सुख और शांति भी बनी रहती हैं। लेकिन शास्त्रों में नवरात्र के नौ दिनों में कई चीजों की मनाही भी है। ऐसा करने से जीवन मे मुश्किलें बढ़ जाती हैं और देवी भी रुष्ठ हो जाती है।

काशी के विद्वान और ज्योतिषाचार्य स्वामी कन्हैया महाराज ने बताया कि मनोकामना की पूर्ति के लिए भक्तों को नवरात्र के नौ दिनों में भूलकर भी इन कामों को नहीं करना चाहिए।आइये जानते है नवरात्र में किन चीजों से श्रद्धालुओं को बचना चाहिए।

नवरात्र के नौ दिनों में शुद्ध और सात्विक तरीके से रहकर देवी की पूजा और आराधना करनी चाहिए। इस दौरान लहसून प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए।यदि आप घर मे कलश की स्थापना करतें है तो कलश स्थापना के बाद पूरे नौ दिनों तक घर में देवी को अकेला छोड़ कर नहीं जाना चाहिए। इससे भी देवी रुष्ठ हो जाती हैं।

नवरात्र के नौ दिनों में मांस,मदिरा का भूलकर भी सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा इन नौ दिनों में फिजूल की बातों के साथ घर में लड़ाई,झगड़ा और कलेश भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से धन की हानि होती है।

नवरात्र में कन्या पूजन का भी विधान है ऐसे में घर की छोटी कन्याओं का दिल भी लोगों को नहीं दुखाना चाहिए। इसके अलावा घर की महिलाओं का सम्मान भी करना चाहिए।

पेड़ों में वैरागी है वट का वृक्ष

बदलती दुनिया में स्थायित्व का भी प्रतीक

भारत में बहुधा पेड़ों को किसी देवी-देवता से जोड़कर पूजा जाता है। उदाहरणार्थ, आम का पेड़ कामदेव से जुड़ा है, तुलसी का पौधा विष्णु को प्रिय है, बिल्व शिव पूजा से जुड़ा है, दुर्वा घास की पत्तियां गणेश को अर्पित की जाती हैं, नीम की पत्तियां देवी मां को प्रिय हैं और नारियल व केले के पेड़ लक्ष्मी से जुड़े हैं।

बरगद के पेड़ यमदेव से जुड़े हैं। यह मान्यता है कि वेताल और पिशाच उसकी शाखाओं से लटकते हैं। भारत में बरगद के पेड़ को वट वृक्ष भी कहते हैं। वर्गीकरण विज्ञान के अनुसार इस पेड़ का नाम फ़ायकस बेंगालेंसिस है और यह फिग परिवार का है। विश्वभर में कई प्रकार के फिग के पेड़ों में से कुछ पूजनीय हैं। फायकस रिलिजीओसा अर्थात पीपल का पेड़ बौद्ध काल में बहुत लोकप्रिय हुआ, क्योंकि शाक्य वंश के सिद्धार्थ गौतम ने उसी के नीचे निर्वाण प्राप्त किया था। वट का वृक्ष अपने नीचे कुछ भी उगने नहीं देता। इस प्रकार वह पुनर्जन्म और नवीनीकरण नहीं होने देता। वह छाया देता है, पर पोषण नहीं करता। इसलिए विवाह और जन्म जैसे समारोहों में उसका समावेश नहीं किया जाता। इन समारोहों में केले, आम, नारियल, सुपारी, चावल और यहां तक कि घास जैसे अन्न देने वाले, शीघ्र नवीनीकरण करने वाले छोटी जीवन अवधि के पेड़-पौधों का समावेश होता है। विवाह और जन्म जैसी महत्वपूर्ण घटनाएं जीवन में अस्थिरता से जुड़ी हैं। वट वृक्ष इसके बिलकुल विपरीत है। उसकी लंबी आयु के कारण ऐसे लगता है कि वह अमर है। उसकी जड़ें शाखाओं से नीचे की ओर उगती हैं और पेड़ को धरती का सहारा मिलता है। अंततः ये जड़ें तना बन जाती हैं, जिस कारण सैकड़ों वर्षों बाद जड़ और तने में हम भेद नहीं कर सकते।

भारत में प्राचीनकाल से ऋषि जीवन और उसमें सभी वस्तुओं की क्षणभंगुरता से अवगत थे। इसलिए अमरत्व की धारणा उत्पन्न करने वाली वस्तुएं शुभ मानी जाने लगीं, जैसे अमर पहाड़, अमर सागर, अमर हीरा और अनश्वर राख। बाकी सब कुछ नश्वर है- हर पौधा, हर प्राणी, यहां तक कि हर क्षण भी। एक क्षण में ही वर्तमान अतीत बन जाता है। निरंतर बदलते विश्व में हम स्थायित्व चाहते हैं। इसीलिए वट वृक्ष को पूजा जाता है; सदाबहार और छायादार होने के कारण वह सभी को जीवन की अनिश्चितता से मुक्त करता है। इस प्रकार, भारतीय विचारधारा में दो तरह की पवित्रताएं हैं- एक नश्वर सांसारिक सत्य से और दूसरी स्थायी आध्यात्मिक सत्य से जुड़ी है। केले और नारियल के पेड़ पहली पवित्रता के, जबकि वट वृक्ष दूसरी पवित्रता का प्रतीक है। केला मांस का भी प्रतीक है, जिसका निरंतर अंत होता है और जो निरंतर अपने आप का नवीनीकरण करता है। वट वृक्ष आत्मा जैसे है, जिसका न अंत होता है और जो न अपने आप का नवीनीकरण करता है। केला गृहस्थ का जबकि वट वृक्ष वैरागी का वानस्पतिक समरूप है। वट वृक्ष को पेड़ों में वैरागी माना जा सकता है; जैसे वैरागी बच्चों को जन्म देकर परिवार का पोषण नहीं कर सकता, वैसे वट वृक्ष गृहस्थी को सहारा नहीं दे सकता। वह लोगों की भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आकांक्षा का प्रतीक है। कहते हैं कि वह अमर अर्थात अक्षय है, जो प्रलय के बाद भी जीवित रहता है। देह और सांसारिक विश्व को त्यागकर केवल आत्मा को चाहने वाले भारतीय ऋषि वट वृक्ष के नीचे बैठते थे। वट वृक्ष भटकते साधुओं को सबसे प्रिय था। सर्वश्रेष्ठ वैरागी यानी शिव को बहुधा वट वृक्ष की छाया में लिंगम के रूप में दिखाया जाता था। शिव गृहस्थ नहीं थे; वे भूतों से नहीं डरते थे और इसलिए इस अमर पेड़ की छाया में सहजता से रहते थे।

विवाहित जीवन में अमरत्व का बंधन

महाभारत में सावित्री नामक महिला की कहानी है। उसके भाग्य के अनुसार विवाह के एक वर्ष के बाद उसके पति का वट वृक्ष के पास निधन हो जाता है। सावित्री ने यमदेव का यमलोक तक पीछा किया और अपने संकल्प और बुद्धिमत्ता से अपने पति को उनसे बचा लिया। इस घटना की स्मृति में हिंदू महिलाएं वट वृक्ष की सात प्रदक्षिणा कर उस पर डोर बांधती हैं। वे अमर पेड़ की प्रतीकात्मक प्रदक्षिणा करके अपने विवाहित जीवन में अमरत्व बांध रही हैं। वे अपने पति, अपनी गृहस्थी के आधारस्तंभ का जीवन सुरक्षित कर रही हैं।

शीघ्र विवाह के लिए करें इन मंदिरों के दर्शन

ऐसे में अगर आपके विवाह में भी कोई अड़चन आ रही है या मनचाहा जीवनसाथी की तलाश पूरी नहीं हो रही है जिसके कारण आयु निकलती जा रही है और विवाह नहीं हो पा रहा है तो ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे मंदिरों के बारे में बता रहे हैं, जहां दर्शन और पूजन करके शीघ्र विवाह का आशीर्वाद व्यक्ति प्राप्त कर सकता है। तो आज हम आपको इसी के बारे में बता रहे है।

इन मंदिरों के करें दर्शन–

वही शीघ्र विवाह की इच्छा रखने वाले उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिर विंध्याचल के दर्शन और पूजन को जा सकते है। मान्यता है कि ये मंदिर पवित्र नदी गंगा के तट पर विंध्याचल में **विंध्यवासिनी देवी का मंदिर है जो मां** विंध्यवासिनी का सबसे पूजनीय शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि यहां आकर जो भक्त देवी मां की पूजा आराधना करता है उसकी हर इच्छा माता रानी पूर्ण कर देती है। नवरात्रि के दिनों पर यहां भारी भीड़ देखने को मिलती है।

सनातन धर्म में मंदिरों के दर्शन व पूजा को महत्वपूर्ण बताया गया है। ऐसे में अगर आप शीघ्र विवाह की इच्छा रखते है तो आप कलकत्ता के कालीघाट में स्थिति काली मंदिर के दर्शन व पूजन कर सकते है। आपको बता दें कि कालीघाट उस स्थान का प्रतिनिधित्व करता है जहां पर देवी सती के पैर की उंगलियां रुद्र तांडव के दौरान गिर गई थी। मान्यता है कि यहां पर दर्शन और पूजन करने से जातक की हर इच्छा पूरी हो जाती है और शादी विवाह में आने वाली अड़चने भी दूर होती है।

रिश्तों में घमंड आएगा तो पुराने रिश्ते भी बिखर जाएंगे, घर में इस बुराई से बचें

सुख-शांति के लिए जरूरी है परिवार की एकता

घर-परिवार में एकता रहेगी तो जीवन में सुख-शांति भी बनी रहेगी। अगर रिश्ते बिखरेंगे तो मन अशांत रहेगा और किसी भी एकाग्रता नहीं बन पाएगी। अशांत मन के साथ किए गए काम में सफलता मिलने की संभावनाएं बहुत कम हो जाती हैं। परिवार की एकता और प्रेम बनाए रखने के लिए रिश्तों में घमंड की जगह नहीं होनी चाहिए। ये बात शिव जी और प्रजापति दक्ष की कहानी से समझ सकते हैं।

प्रजापति दक्ष की पुत्री सती और शिव जी का विवाह हो गया था। दक्ष शिव जी को पसंद नहीं करते थे और समय-समय पर उनका अपमान करते रहते थे। दक्ष देवताओं के बड़े नेता थे। इस वजह से सभी देवता उनका सम्मान करते थे।

एक दिन एक यज्ञ में शिव जी, विष्णु जी, ब्रह्मा जी के साथ ही सभी देवता और ऋषि-मुनि शामिल हुए। यज्ञ में सभी बैठे हुए थे। तभी दक्ष प्रजापति भी यज्ञ में पहुंच गए। दक्ष को देखकर शिव जी को छोड़कर सभी देवता और ऋषि-मुनि उनके सम्मान में खड़े हो गए।

जब सभी देवता और ऋषि-मुनि को अपने सम्मान में खड़ा देखकर दक्ष दक्ष का घमंड जाग गया। दक्ष ने इस बात पर गौर नहीं किया कि कौन-कौन खड़ा है, लेकिन इस बात पर ध्यान दिया कि कौन बैठा है। उस सभा में शिव जी ध्यान में बैठे हुए थे। इस

कारण वे दक्ष के आने के बाद भी खड़े नहीं हुए। शिव जी को बैठा हुआ देखकर दक्ष सोचने लगे कि ये मेरे दामाद हैं, इस रिश्ते से ये मेरे पुत्र समान हैं, फिर भी ये बैठे हैं, मेरे सम्मान में खड़े नहीं हुए। ऐसा सोचते-सोचते ही दक्ष का गुस्सा बढ़ने लगा। गुस्से और घमंड की वजह से दक्ष ने शिव जी को अपमानित करना शुरू कर दिया।

दक्ष की बातें सुनकर शिव जी ने आंखें खोलीं और चुपचाप उनकी बातें सुनते रहे, लेकिन शिव जी का अपमान होते देखकर नंदी को गुस्सा आ गया। नंदी दक्ष को शाप दे दिया। नंदी को गुस्से में देखकर भृगु ऋषि भी गुस्सा हो गए, उन्होंने नंदी को शाप दे दिया। थोड़ी ही देर में वहां मौजूद सभी देवता और ऋषि-मुनि एक-दूसरे को शाप देने लगे।

यज्ञ जैसा शुभ आयोजन था, लेकिन दक्ष के घमंड की वजह से पूरा कार्यक्रम ही बर्बाद हो गया।

जीवन प्रबंधन

इस प्रसंग का संदेश ये है कि हमें रिश्तों में घमंड को जगह नहीं देनी चाहिए। रिश्तों में जब घमंड आ जाता है तो रिश्तों की मर्यादा टूट जाती है। अच्छे-अच्छे रिश्ते भी घमंड की वजह से टूट जाते हैं। घर-परिवार की भलाई के लिए इस बुराई को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए।

सूर्य ने हनुमान जी को दिया था वेदों का ज्ञान

सूर्य पूजा का विशेष महीना खरमास शुरू हो गया है। ये महीना 14 अप्रैल तक रहेगा। जो लोग रोज सुबह जल्दी उठकर सूर्य को अर्घ्य चढ़ाते हैं, उनका ज्ञान बढ़ता है, घर-परिवार और समाज में मान-सम्मान मिलता है, कुंडली के ग्रह दोष शांत होते हैं। इन धर्म लाभों के साथ ही हमारी सेहत को भी फायदा मिलता है। सूर्य एकमात्र प्रत्यक्ष दिखने वाले देवता हैं और पंचदेवों में से एक है। हनुमान जी ने सूर्य देव को गुरु बनाया था और सभी वेदों का ज्ञान प्राप्त किया था।

प्रचलित लोक कथा के अनुसार हनुमान जी जब थोड़े बड़े हुए तो उनके माता-पिता अंजनी और केसरी ने उन्हें सूर्य देव के पास शिक्षा हासिल करने के लिए भेजा था। हनुमान जी सूर्य देव के पास पहुंचे और कहा कि मैं आपका शिष्य बनना चाहता हूं। सूर्य देव ने हनुमान जी की बातें सुनीं और कहा कि मैं तो एक पल भी कहीं ठहर नहीं सकता। मैं तुम्हें ज्ञान नहीं दे पाऊंगा। हनुमान जी ने कहा कि आप चलते-चलते वेदों का ज्ञान बोलते जाना, मैं आपके साथ चलते-चलते ही ज्ञान प्राप्त कर लूंगा। इस बात के लिए सूर्य देव तैयार हो गए। इसके बाद सूर्य देव ने हनुमान जी को सभी वेदों का दिया।

शनि देव, यमराज और यमुना के पिता हैं सूर्य देव

सूर्य देव की पहली पत्नी का नाम संज्ञा था। यमराज-यमुना संज्ञा और सूर्य देव की संतानें हैं। संज्ञा सूर्य देव का तेज सहन नहीं कर पा रही थीं, तब उन्होंने अपनी छाया को सूर्य देव की सेवा में छोड़ दिया और खुद वहां से पिता के यहां चली गईं।

छाया और सूर्य की संतान के रूप में शनि देव का जन्म हुआ। ज्योतिष में सूर्य हैं ग्रहों के राजा ज्योतिष में कुल नौ ग्रह हैं। सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि और राहु-केतु। इनमें सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। ये ग्रह सिंह राशि का स्वामी है। सूर्य पूजा से कुंडली के कई ग्रह दोष शांत हो सकते हैं। रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बात तांबे के लोटे में जल भरें। चावल और फूल डालें। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। अगर सूर्य के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं तो घर में ही सूर्य देव की प्रतिमा या तस्वीर की पूजा कर सकते हैं। धूप-दीप जलाएं, मिठाई भोग लगाएं। सूर्य के मंत्रों का जप करें। मंत्र जप कम से कम 108 बार करना चाहिए।

हैदराबाद में धूलपेट के पास मंगलहाट इलाके के रहने वाले आस्कर विनर गायक राहुल सिप्लिगुंज

कभी सैलून में बाल काटते थे नाटू-नाटू सिंगर

लॉस एंजिल्स में आयोजित 95वें अकादमी पुरस्कारों में तेलुगू फिल्म आरआरआर के सबसे चर्चित सॉन्ग नाटू-नाटू के बाद राहुल सिप्लिगुंज एक वर्ल्ड फेमस सिंगर बन गए हैं. कहने को आप ये बोल सकते हैं कि ऑस्कर मिलने के बाद वे रातों-रात स्टार बन गए हैं लेकिन असल में ऐसा नहीं है. इस मुकाम तक पहुंचने के लिए राहुल ने बहुत मेहनत की है और आज वे करोड़ों लोगों के लिए एक प्रेरणा बन गए हैं. हम आपको तेलंगाना के हैदराबाद ओल्ड सिटी से एक नाई के बेटे के रूप से लेकर ऑस्कर के मंच तक राहुल की प्रेरक यात्रा और संघर्ष के बारे में बता रहे हैं.

दुनिया भर में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हर व्यक्ति का सपना देखने के बाद उनकी प्रसिद्धि को एक रात के आश्चर्य के रूप में नहीं माना जा सकता. राहुल ने भी कई रातों तक संघर्ष किया है, तब जाकर ऑस्कर का मंच मिला है.

राहुल सिप्लिगुंज का जन्म और पालन-पोषण धूलपेट के पास मंगलहाट इलाके में हुआ, जो तेलंगाना के हैदराबाद में ओल्ड सिटी का एक हिस्सा है. उनके पिता राज कुमार पेशे से नाई थे और आजीविका के लिए बाल कटाने का सैलून चलाते थे. राज कुमार चाहते थे कि उनके बेटे की जिंदगी अच्छी नौकरी के साथ सेटल हो. लेकिन राहुल को हमेशा संकरी गलियों में क्रिकेट और कबड्डी खेलने का शौक था. वे विनायक चविथी उत्सव के दौरान गणेश पंडालों में भक्ति गीत गाने का शौक भी रखते थे. राहुल ने शिक्षा को आगे बढ़ाने के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई. हालांकि, नाई राज कुमार ने अपने बेटे की छिपी हुई प्रतिभा को देखा और उसे सिंगिंग क्लासेस ज्वाइन करने के लिए कहा. राहुल एक तरफ अपने पिता के सैलून में काम करते थे, तो दूसरी तरफ अपने रिश्तेदारों के घर समारोह के दौरान मंच के डर को दूर करने के लिए गाने गाते थे.

इस बीच, उन्होंने अपनी इंटरमीडिएट की शिक्षा सफलतापूर्वक पूरी की और आगे पढ़ाई नहीं करने का फैसला किया. प्ले बैक सिंगिंग का अवसर पाने के लिए उन्होंने फिल्म निर्माण कार्यालयों का दौरा करना शुरू किया, लेकिन अपने पिता के सैलून में काम करना भी जारी रखा.

पिता द्वारा विकसित किए गए छोटे संपर्कों के साथ राहुल को तेलुगु भाषा में डब की गई फिल्मों के गानों के लिए अपनी आवाज देने का मौका मिला. बाद में उन सिंगर्स में से एक बन गए, जिन्होंने विभिन्न संगीत निर्देशकों द्वारा रचित कोरस और पृष्ठभूमि गीतों में अपनी आवाज दी. लेकिन उनके प्रयास उन्हें फिल्मों में प्ले बैक सिंगिंग से संबंधित किसी लोकप्रिय मोर्चे तक नहीं ले गए. बाद में कुछ बड़ा हासिल करने के लिए राहुल ने साल 2013 से अपनी मां के गहने गिरवी रखकर कुछ पैसे प्राप्त किए और अपने पिता द्वारा उधार लिए गए पैसे से वीडियो एल्बम बनाना शुरू किया. साथ ही उन्हें यूट्यूब पर पोस्ट करने लगे. धीरे- धीरे उनके सब्सक्राइबर्स बढ़ने लगे.

साल 2009 में राहुल को नागा चैतन्य स्टारर जोश में एक गाना गाने का अवसर मिला और फिर नियति ने उन्हें सही रास्ते पर लाकर खड़ा किया. 2012 में राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म ईगा में उन्होंने एक गाना गाया.

संगीत निर्देशक एमएम केरावनी के साथ उनके जुड़ाव ने उन्हें आरआरआर में नाटू नाटू को अपनी आवाज देने का मौका दिया, जहां उन्होंने तेलुगू में मूल के अलावा तमिल, कन्नड़ और हिंदी वर्जन भी गाए. अब राहुल सिप्लिगुंज प्रसिद्ध तेलुगू निर्देशक कृष्णा वामसी की आगामी फिल्म 'रंगा मार्तंडा' के साथ एक एक्टिंग में किस्मत आजमा रहे हैं. इसमें वे एक अहम रोल निभाते नजर आएंगे।

बड़े पर्दे पर दिखेगी महाठग सुकेश और जैकलीन फर्नांडिस की लवस्टोरी!

महाठग सुकेश चंद्रशेखर 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है. इस दौरान जब सुकेश का नाम बॉलीवुड एक्ट्रेसजैकलीन फर्नांडिस के साथ जुड़ा तो हर कोई हैरान रह गया. हाल ही में होली के मौक पर सुकेश ने अपनी लेडी लव जैकलीन के लिए लव लेटर भी लिखा था जो जमकर वायरल हुआ था.

इसमें लिखा था कि वो जैकलीन से बेहद प्यार करते हैं और वो उनके लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं. वहीं दूसरी तरफ सुकेश की वजह से जैकलीन की जिंदगी इस वक्त काफी मुश्किल भरी हो गई है. ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने भी एक्ट्रेस के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी. वहीं अब चर्चा है कि सुकेश चंद्रशेखर की जिंदगी पर बॉलीवुड में फिल्म बनाने की प्लानिंग हो रही है.

एक रिपोर्ट के अनुसार फिल्ममेकर आनंद कुमार सुकेश चंद्रशेखर की जिंदगी पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं. इसको लेकर आनंद कुमार ने महाठग के खिलाफ जानकारी जुटाने के लिए तिहाड़ जेल का भी दौरा किया था. इस बात की जानकारी तिहाड़ जेल के जेलर एएसपी दीपक शर्मा ने दी है. दीपक शर्मा ने बताया कि सुकेश की कहानी में लोगों को काफी दिलचस्पी है और आनंद कुमार सुकेश के जिंदगी से जुड़ी बातें जानने के लिए तिहाड़ जेल का दौरा कर चुके हैं.

6 महीने रुकेंगे डायरेक्टर

बता दें कि आनंद कुमार इस फिल्म को बनाने को लेकर काफी सीरियस हैं और वे आने वाले 6 महीने के लिए उन्होंने होटल भी बुक कर लिया है. इस होटल में वे अपने राइटर्स की टीम के साथ रहेंगे और इस फिल्म की कहानी डेवलप करने पर काम करेंगे. फिल्म को लेकर रिपोर्ट्स में जैसी बातें सामने आ रही हैं उससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसे काफी रोचक तरीके से बनाए जाने की तैयारी है.

फिल्ममेकर आनंद कुमार जल्द ही सुकेश चंद्रशेखर की जिंदगी पर बन रही इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते है.

'सुष्मिता सही टाइम पर हॉस्पिटल आईं इसलिए बच गईं'

सुष्मिता का इलाज करने वाले डॉक्टर ने कहा- जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज बॉडी के लिए खतरनाक

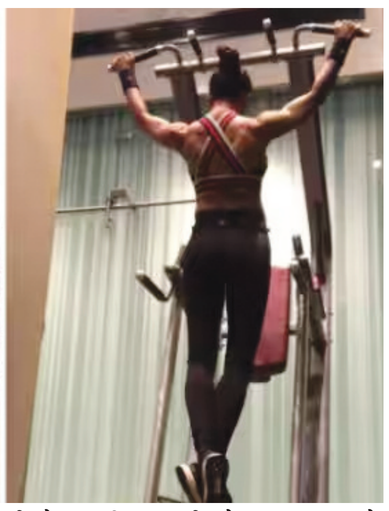

सुस्मिता सेन को.27 फरवरी को शूटिंग के सेट पर हार्ट अटैक आया था। उन्हें तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया था जहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई। अब उनका इलाज करने वाले डॉक्टर का कहना है सुष्मिता बहुत सही टाइम पर हॉस्पिटल आईं इसलिए बच गईं। डॉक्टर का कहना है कि सुष्मिता पहले से काफी फिट थीं इसलिए उन्हें कम से कम नुकसान हुआ। हालांकि डॉक्टर का मुताबिक, किसी भी व्यक्ति को जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे बॉडी को रिकवर होने का मौका नहीं मिल पाता।

सुष्मिता का इलाज करने वाले कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजीव भागवत ने एक समाचार पत्र से बातचीत करते हुए कहा, 'सुष्मिता का हाई फिजिकल एक्टिविटी उनके हार्ट को ज्यादा डैमेज करने से बचा ले गया। हालांकि मैं कहूंगा कि वो काफी लकी हैं कि सही समय पर सही जगह पर आ गईं।'

डॉक्टर के मुताबिक, 'लाइफस्टाइल को सही करने से हार्ट अटैक के खतरे को कम किया जा सकता है। डॉक्टर ने कहा कि सुष्मिता फिजीकली एक्टिव थीं इसलिए उन्हें कम से कम नुकसान झेलना पड़ा।' 'कोई भी एक्सरसाइज सप्ताह में 3 से 4 दिन से ज्यादा नहीं होना चाहिए। बॉडी को एक्सरसाइज से उबरने के लिए भी मौका देना चाहिए। वहीं नींद भी पर्याप्त लेना चाहिए, अगर आप लगातार एक्सरसाइज कर रहे हैं और उसके बाद पर्याप्त नींद भी नहीं ले रहे हैं तो बॉडी के लिए वो बहुत खतरनाक साबित हो सकता है।'

फैशन के लिए जिम करना भी खतरनाक है

'हमें रात के दो बजे सोने की आदत बदलनी चाहिए। सुबह उठते ही जॉगिंग भी नहीं करनी चाहिए। हम आज कल ऐसी घटनाएं बहुत सुन रहे हैं कि कोई जिम करने गया और एक्सरसाइज करने के दौरान ही उसका निधन हो गया।

जिम करना कोई फैशन नहीं है। ज्यादा जिम करने से बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। जिम जाने से पहले 7 से 8 घंटे की नींद जरूरी है। हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद सुष्मिता ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर बताया कि उनके हार्ट में 95% ब्लॉकेज था। हालांकि जिम, वर्कआउट और हेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से उन्हें रिकवर होने में मदद मिली है। सुष्मिता कहती हैं कि आजकल बहुत सारे यंग लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। मैं तो उन सभी से कहना चाहती हूं कि सब अपना ख्याल रखें खुद को मॉनिटर करते रहें।

साउथ एक्ट्रेस ने पहली बार कराया ऐसा फोटोशूट,

खूबसूरती के कायल हुए फैंस

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की ऑन और ऑफ-स्क्रीन प्रजेंस इंप्रेसिव है. जिन व दिन साउथ डीवा ने अपने एक्टिंग और अमेजिंग पर्सनालिटी के साथ काफी इंप्रूवमेंट किया है. अभिनय के अलावा वे अपने ग्लैमरस लुक से भी लाखों फैंस का अटेंशन लेती हैं. आज कल वे बैक टू बैक अपनी तस्वीरों के जरिए फैंस को अपने फैशन सेंस से रूबरू करा रही हैं. इसी बीच उन्होंने अपने एक बोल्ड फोटोशूट की पिक्चर्स पोस्ट की हैं.

लेटेस्ट पिक्चर्स में कीर्ति सुरेश कलरफुल ट्यूब कोरसेट जंपसूट में अपना जलवा बिखेर रही हैं. उन्होंने डिजाइनर ड्रेस के साथ हरे रंग के चोकोर हार और मैचिंग इयरिंग के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया है. कीर्ति सुरेश ने पहली बार ऐसा बोल्ड फोटोशूट कराया है, इससे पहले वे ज्यादातर सादगी वाले लिबास में ही दिखती रहीं. लेकिन उनके लेटेस्ट पिक्चर्स में अपने बोल्ड फिगर को फ्लॉन्ट करते देखी जा सकती हैं.

अभिनेत्री ये पोस्ट को देखकर उनके फैंस ताबड़तोड़ कमेंट कर रहे हैं और अपनी पसंदीदा अभिनेत्री की तारीफों के पुल बांध रहे हैं. एक यूजर ने उनका ये अवतार किलिंग बताया तो दूसरे ने लिखा, 'वाह कीर्ति ऑन फायर'. ज्यादातर लोगों को कीर्ति का ये नया अवतार बेहद पसंद आया.

ऑफ शॉल्डर जंप सूट में अभिनेत्री बेहद आकर्षक दिख रही हैं और इसमें उनका कर्वी फिगर भी देखा जा सकता है. फैंस उनके इस रूप पर पूरी तरह से कायल हो गए हैं. उनकी ये पिक्चर्स साफ जाहिर करती हैं अभिनेत्री ये बखूबी जानती हैं अपने फैशन गेम के साथ ओम्फ फैक्टर को कैसे बढ़ाया जाए.

फोटो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, ब्लूमिंग बोल्ड !...वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल वेयर तक, कीर्ति हर स्टाइल में जलवा बिखेरती हैं. 5 दिन पहले, कीर्ति सुरेश ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पारंपरिक अवतार में कई तस्वीरें साझा कीं थी. इन फोटोज में कीर्ति ब्लैक ऑर्गेंजा साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने स्वीटहार्ट नेकलाइन के साथ मैचिंग लेसी ब्लाउज के साथ पेयर किया है. उन्होंने अपने बालों को एक लो बन में बांधा और मोतियों का हार, मैचिंग झुमके और एक बैक बिंदी के साथ अपने लुक को पूरा किया.

वर्कफ्रंट को लेकर बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही आगामी तेलुगु एक्शन फिल्म दशहरा में दिखाई देंगी. यह फिल्म श्रीकांत ओडेला द्वारा निर्देशित और लिखित है. ये फिल्म तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में भी रिलीज होगी. यह फिल्म गोदावरीखानी के पास तेलंगाना की सिंगरेनी कोयला खदानों की पृष्ठभूमि पर बनी है और 30 मार्च को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है.

मलाइका अरोड़ा के पीछे पड़ा फैन, सेल्फी लेने पर अड़ा तो एक्ट्रेस को आया गुस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा वैसे तो आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी ही रहती हैं, हालांकि इस बार वो अपने गुस्से की वजह से चर्चा में आ गई हैं. असल में मलाइका अरोड़ा के साथ उनके फैंस ने कुछ ऐसा किया कि एक्ट्रेस को गुस्सा आ गया. वैसे ये पहला मामला नहीं जब मलाइका को फैंस और फोटोग्राफर पर गुस्सा होते हुए देखया गया है. इसके पहले भी ऐसा कई बार हो चुका है. हाल ही में ऐसी है एक घटना मुंबई एयरपोर्ट पर हुई, जब मलाइका अरोड़ा वहां पहुंची तो फैंस ने उनको सेल्फी लेने के लिए घेर लिया जिसके चलते एक्ट्रेस काफी परेशान हो गई और उनको गुस्सा आ गया

दरअसल पूरी बात ऐसी है कि, मलाइका अरोड़ा को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, इस दौरान एक फैन उनके बेहद करीब आ गया. इसे देखकर मलाइका अरोड़ा चौंक गई और उन्होंने कहा, आराम से, इस वक्त वह काफी गुस्से में थी. मलाइका भीड़ से काफी परेशान हो गई थी, फिर भी मलाइका अरोड़ा ने फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई है. बात तब बिगड़ गई, जब सभी ओर से उन्हें घेर लिया गया और वह आगे नहीं बढ़ पा रही थी .वीडियो पर एक फैन ने लिखा है, 'यह बहुत डरावना हो जाता है जब कोई आपकी व्यक्तिगत स्पेस में एंट्री करता है.' एक ने लिखा है, 'मैं जानना चाहता हूं कि एक सेल्फी से आपके जीवन में क्या बदलता है.'

जहां कुछ लोग एक्ट्रे के साथ ही वहीं कुछ नेटिज़न्स वास्तव में मलाइका के फैंस के प्रति व्यवहार से खुश नहीं थे वे उन्हें यह कहते हुए उन्हें ट्रोल करने लगे, 'वे जनता के साथ अछूतों जैसा व्यवहार करती हैं.' कई लोगों का मानना था कि दर्शकों ने उन्हें स्टार बना दिया है और अब ये सेलेब्रिटी उनके साथ तस्वीरें भी नहीं खिंचवा सकते हैं. एक यूजर ने लिखा है, 'ये बड़ी एक्टर भी नहीं, और घमंड बहुत है'. एक यूजर ने लिखा है, 'ये बुढ्ढी का एटीट्यूड देखो.' एक यूजर ने लिखा है, 'ज्यादा एटीट्यूड है इसमें'. मलाइका अरोड़ा को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स निशाना साध रहे हैं. बता दें मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में 'लैक्मे फैशन वीक' 2023 में रैम्प वॉक किया था, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था.

अजय देवगन अपने दोनों बच्चों को ट्रोलर्स को इग्नोर करने की सलाह दी

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन हमेशा अपने मेकअप, कपड़ों को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं, लेकिन कई बार उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जाता है। इसी बीच अजय देवगन से भोला के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में इस पर सवाल किया गया, जिस पर एक्टर ने बताया की वो इस सिचुएशन को कैसे डील करते हैं।

अजय ने हालही में दिए गए इस इंटरव्यू में कहा, 'मैं अपने दोनों बच्चो को समझाता हूं की उन्हें ऑनलाइन लिखी गई चीजों से परेशान नहीं होना चाहिए। मैं कहता हूं कि आपके फैंस और दर्शकों के मुकाबले आपको ट्रोल करने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। मैंने इसे इग्नोर करना सीखा है। मैंने अपने बच्चों से भी ऐसा ही करने के लिए कहा है।' 'अजय ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि लोगों के मन में इतनी निगेटिविटी कहां से आती है। मुझे तो ये ही समझ नहीं आता कि कभी-कभी वो क्या लिख देते हैं इसलिए अब मैंने परेशान होना बंद कर दिया है'।

अजय कहते हैं, 'मेरे बच्चों पर लोगों की नजरें हमेशा होती हैं और इस बात से मैं बहुत परेशान रहता हूं। मैं इन चीजों को बदल नहीं सकता और ना ही ऑनलाइन ट्रोलिंग को रोक सकता हूं। आप वास्तव में नहीं जानते कि क्या करना है। क्योंकि कई बार कुछ ऐसी बातें भी लिखी जाती हैं, जो सच भी नहीं होतीं। लेकिन अगर मैंने कोई जवाब दिया को मामला और बढ़ जाएगा।'

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके बच्चे फिल्मों में काम करना चाहते हैं। इस पर अजय ने कहा, 'मेरे बेटे युग ने अभी हिंदी फिल्में देखनी शुरू की है। लेकिन मेरी बेटी न्यासा अभी भी हमारी फिल्में नहीं देखती। उसे फिल्म देखने में कोई इंटरेस्ट नहीं है, अभी तक तो नहीं।' फिलहाल वह विदेश में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रही है।

बता दें ,अजय देवगन की फिल्म 'भोला' साउथ की हिट फिल्म कैथी की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में अजय के अलावा तब्बू, गजराज राव, दीपक डोबरियाल जैसे सितारे नजर आएंगे। वही फिल्म में अजय लीड रोल में हैं। भोला का निर्देशन भी अजय देवगन ने किया है।

रीना रॉय के साथ तलाक पर बोले मोहसिन खान : कहा- शादी के पहले रीना को जानता तक नहीं था

मोहसिन खान ने एक रिसेंट इंटरव्यू में बताया कि उनका और फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस रीना रॉय का तलाक कैसे हुआ। मोहसिन का कहना है कि वो शादी से पहले रीना को नहीं जानते थे, यहां तक उन्होंने उनकी कोई फिल्म भी नहीं देखी थी। मोहसिन के मुताबिक, शादी के बाद वो पाकिस्तान में ही रहना चाहते थे। उन्हें अपना घर छोड़ना मुनासिब नहीं लगा। जबकि रीना ने कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि मोहसिन चाहते थे कि वो उनके साथ लंदन शिफ्ट हो जाए।

1983 में शादी हुई, 1990 में तलाक

रीना रॉय और मोहसिन खान की शादी 1983 में हुई थी। शादी के बाद रीना पाकिस्तान चली गईं। दोनों की एक बेटी भी हुई जिसका नाम जन्नत रखा गया। हालांकि बाद में दोनों के बीच मतभेद हुआ और 1990 में आते-आते दोनों का तलाक हो गया था। रीना 1992 में वापस भारत लौट आईं। अब मोहसिन खान ने रीना और अपने रिश्ते के बारे में बात की है।

उन्होंने कहा, मुझे इस बात का कोई पछतावा नहीं है। मुझे पाकिस्तान में ही रहना था, क्योंकि मेरी पहचान पाकिस्तान से थी। मुझे नहीं पता कि वो कौन थी, कहां से थी। मैंने बस एक इंसान देख कर शादी की थी। इस बात पर शायद ही कोई विश्वास करे लेकिन मैंने उनकी (रीना) फिल्म नहीं देखी थी।

अगर मैं घर से निकल रहा होता हूं और उधर अमिताभ बच्चन का कोई सीन चल रहा होता है तो एक समय के लिए रुक भी सकता हूं, वरना इसके अलावा मैंने कभी फिल्में नहीं देखी। मुझे सुंदरता से कोई फर्क नहीं पड़ता है, मुझे बस इतना पता है कि मैंने एक अच्छे इंसान से शादी की थी।

मोहसिन चाहते थे कि मैं लंदन शिफ्ट हो जाऊं-रीना

रीना रॉय ने कुछ दिन पहले मीडिया से बात करते हुए मोहसिन से अपने रिश्ते के बारे में बात की थी। रीना के मुताबिक, मोहसिन से तलाक के बाद उन्हें अपनी बेटी की कस्टडी पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा 'मोहसिन चाहते थे कि मैं उनके साथ लंदन शिफ्ट हो जाऊं और वहीं पर ब्रिटिश नागरिकता ले लूं, लेकिन मैं इसके लिए बिल्कुल तैयार नहीं थी। मोहसिन को लगा कि अपनी बेटी को देखने के लिए मैं परेशान हो जाऊंगी और लंदन चली जाऊंगी क्योंकि वो उसे लेकर पहले ही वहां जा चुके थे। हालांकि उनकी ये तरकीब काम नहीं आई, मैंने बेटी की कस्टडी के लिए अपना सब कुछ लगा दिया और अंत में जीत मेरी ही हुई।'

रीना ने कहा कि वो बेटी की कस्टडी के लिए इतनी ज्यादा परेशान थीं कि उन्हें साधु-संतो से भी मदद लेनी पड़ी। साधु संतों ने जो भी कहा उन्होंने वो सब किया और आखिरकार उन्हें उनकी बेटी की कस्टडी मिल ही गई। कस्टडी मिलने के बाद उन्होंने अपनी बेटी का नाम जन्नत से बदलकर सनम रख दिया।

क्रिकेट और सिनेमा, दोनों जगहों पर छाए रहे मोहसिन खान

मोहसिन खान पाकिस्तानी क्रिकेटर होने के साथ साथ बॉलीवुड एक्टर भी थे। उन्होंने फिल्मों में काम करने के लिए क्रिकेट की फील्ड से संन्यास ले लिया था। मोहसिन की पहली बॉलीवुड फिल्म 'बंटवारा' थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म 'साथी' में उनकी और आदित्य पंचोली की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। बॉलीवुड में सिक्का जम जाने के बाद उन्होंने रीना रॉय से तलाक ले लिया था लेकिन 10-11 फिल्मों में काम करने के बाद वो भी ज्यादा दिन फिल्म इंडस्ट्री में टिक नहीं पाए और दोबारा क्रिकेट की दुनिया से जुड़ गए। फिलहाल वो पाकिस्तान क्रिकेट की एक्टिविटी में शामिल हैं।

रीना रॉय ने फिल्म 'जरूरत' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। 70 और 80 के दशक में वो काफी ज्यादा पॉपुलर हुआ करती थीं। कालीचरण, नागिन, जानी दुश्मन, अपनापन और आशा सहित कई फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों के दिलों पर राज किया था। उन्हें आखिरी बार 2000 में आई फिल्म रिफ्यूजी में देखा गया था।

अमीरों की लिस्ट में मुकेश अंबानी को घाटा

इधर गौतम अडानी ने एक दिन में कमाए 1.1 अरब डालर

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी को दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में नुकसान हुआ है।मुकेश अंबानी अब एक और पायदान नीचे चले गए हैं।वहीं इनकी संपत्ति में भी गिरावट आई है।दूसरी ओर भारत के दूसरे अमीर शख्स गौतम अडानी को फायदा पहुंचा है.गौतम अडानी इस लिस्ट में कुछ पायदान चढ़े हैं तो वहीं इनकी संपत्ति में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है।गौतम अडानी की संपत्ति में इजाफे की बड़ी वजह शुक्रवार को इनके सभी शेयरों में बढ़ोतरी के कारण रही है। अडानी ग्रुप का ट्रांसमिशन कंपनी के शेयर सबसे ज्यादा 5 फीसदी तक चढ़े थे।अडानी एंटरप्राइजेज में 1.64 फीसदी की उछाल दर्ज की गई थी।बाकी के शेयरों में भी बढ़ोतरी देखी गई।

अब किस नंबर पर पहुंचे मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी फोर्ब्स की रीयल टाइम बिलियनेयर लिस्ट में 12वें पायदान से 13वें नंबर पर पहुंच चुके हैं।इनकी संपत्ति में शुक्रवार को 103 मिलियन डॉलर यानी 805 करोड़ की गिरावट आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर .067 फीसदी गिरकर 2,224 रुपये पर बंद हुए थे।

अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी ने एक दिन में दुनिया के सभी अरबपतियों से ज्यादा की कमाई की है।गौतम अडानी की संपत्ति में एक दिन में 1.1 अरब डॉलर या 9078 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।वहीं इसके बाद लेज पेरी हैं, जिन्होंने एक दिन में 1 अरब डॉलर की कमाई की है।इस लिस्ट में गौतम अडानी 24 नंबर पर पहुंच चुके हैं।

फोर्ब्स की लिस्ट के मुताबिक, एक दिन के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान दुनिया के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अरनॉल्ट को हुआ है, जिन्होंने 3.7 अरब डॉलर गवाएं हैं।इसके बाद मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को 3.2 अरब डॉलर, वारेन बफेट को 2.9 अरब डॉलर और एलन मस्क को 2.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

रतन टाटा के नाम एक और अजीम-ओ-शान उपलब्धि

'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' में नियुक्त किया गया

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर जनरल ने घोषणा की है कि भारत के शीर्ष उद्योगपति रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और परोपकार के लिए विशिष्ट सेवा के लिए 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' में नियुक्त किया गया है। 2022 तक, टाटा संस के चेयरमैन एमेरिटस और टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा की कुल संपत्ति 3800 करोड़ रुपये है।गवर्नर जनरल के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों के लिए उनके समर्थन की मान्यता में, वह ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) के जनरल डिवीजन में मानद अधिकारी के रूप में नियुक्ति के साथ औपचारिक राष्ट्रीय मान्यता के योग्य हैं।भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ'फारेल ने शुक्रवार को ट्वीट किया- ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और परोपकार के लिए विशिष्ट सेवा के लिए श्री रतन टाटा को ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) में एक मानद अधिकारी नियुक्त करने की ऑस्ट्रेलियाई गवर्नर-जनरल की घोषणा पर खुशी हुई।टाटा, गहरे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मजबूत और प्रभावशाली समर्थक रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते की वकालत करना शामिल है, जिसे 2022 में अंतिम रूप दिया गया था, और भारत में आने वाले व्यापार और सरकारी नेताओं का समर्थन किया।बयान में कहा गया, उनके काम में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल, कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा, सामाजिक न्याय और समावेशन, डिजिटल परिवर्तन, आपदा राहत, और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण सहित व्यापक क्षेत्रों में विकास का समर्थन करना और अवसर पैदा करना शामिल है।टाटा फैमिली ट्रस्ट के तहत दी जाने वाली छात्रवृत्ति के माध्यम से, भारतीय छात्रों को ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन करने, लोगों से लोगों और आर्थिक संबंधों को गहरा करने और ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा क्षेत्र में अवसर पैदा करने के अवसर प्रदान किए गए हैं।टाटा आपदा राहत प्रयासों में भी शामिल रहा है और उसने उन संगठनों का समर्थन किया है जो जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करते हैं, जैसे कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद, जिसके दौरान दो ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने दुखद रूप से अपनी जान गंवा दी थी।टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), जो 1998 से ऑस्ट्रेलिया में स्थित है, 17,000 कर्मचारियों और सहयोगियों के साथ किसी भी भारतीय कंपनी के ऑस्ट्रेलियाई लोगों की सबसे बड़ी संख्या को रोजगार देती है। टीसीएस एक महत्वपूर्ण समर्थक मुक्त कार्यक्रम के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में भी योगदान देता है जो स्वास्थ्य और स्वदेशी नेतृत्व के क्षेत्र में छह गैर-लाभकारी ऑस्ट्रेलियाई संगठनों को मानार्थ आईटी सेवाएं प्रदान करता है। रतन टाटा को व्यवसाय, उद्योग, इंजीनियरिंग, नेतृत्व, संस्कृति और शांति में उनके योगदान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और प्रशंसा मिली है, जिसमें न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ बिजनेस मानद उपाधि भी शामिल है।

12 हजार की छंटनी के बाद गूगल कर्मचारियों ने सुंदर पिचाई को लिखा खुला पत्र, जानें क्या रखी मांग

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने 12 हजार कर्मचारियों को निकालने का ऐलान किया था।अब इस छंटनी के बाद कर्मचारियों ने कंपनी के सीईओ सुंदर पिचाई को खुला पत्र लिखा है और अपनी मांग रखी है।कर्मचारियों ने सुंदर पिचाई से भर्ती के लिए प्राथमिकता देने के साथ ही नई भर्ती पर रोक लगाने आदि को लेकर अपनी बात रखी है।कर्मचारियों का कहना है कि अगर गूगल में फिर से भर्ती की जाती है तो उन कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए, जिन्हें निकाला गया है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, पत्र में शोक पर जाने के लिए अवकाश और अभी के लिए भर्तियों को फ्रीज करने की मांग की गई है।इसके अलावा कर्मचारियों ने यूक्रेन जैसे मानवीय संकट वाले देशों में कर्मचारियों को नहीं निकालने की अपील भी की है।

कर्मचारियों की सहायता की अपील

ओपेन लेटर में कर्मचारियों ने गूगल के सीईओ से कहा है कि अगर किसी कर्मचारी की छंटनी की जाती है तो उसे अपना पूरा नोटिस पीरियड सर्व करने देना चाहिए।

साथ ही ये भी कहा है कि यूक्रेन जैसे देशों में प्रभावित कर्मचारियों को अपनी नौकरी के साथ-साथ वीजा-लिंक्ड रेजिडेंसी खोने के जोखिम वाले लोगों को अतिरिक्त सहायता देना चाहिए।पत्र में कहा गया है कि ये अल्फाबेट की छंटनी का असर ग्लोबल स्तर पर पड़ा है।

जनवरी में इन कंपनियों ने भी की थी छंटनी

जनवरी में अल्फाबेट ने घोषणा कि थी महामारी के बाद मंदी की आशंका बढ़ने से दबाव ज्यादा है।ऐसे में कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 6 फीसदी की कटौती करेगी।वहीं मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक, Amazon.com इंक और माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने भी जनवरी में नौकरियां घटाने का ऐलान किया था।

सुंदर पिचाई ने छंटनी की ली थी जिम्मेदारी

बता दें कि पिचाई ने 20 जनवरी को नौकरी में कटौती की घोषणा की थी और उन्होंने कर्मचारियों को एक ईमेल में कहा कि कंपनी ने अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।ऐसे में उन्होंने इस छंटनी की पूरी जिम्मेदारी ली थी।छंटनी के बार 1400 कर्मचारियों के साथ अच्छा ट्रीटमेंट कवर देने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।

इस हफ्ते सोने-चांदी में शानदार तेजी:58 हजार के पार निकला सोना, चांदी भी 67 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 13 मार्च को सोना 56,748 रुपए पर था जो अब 18 मार्च को 58,220 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,472 रुपए बढ़ी है। अनिश्चितता वाले महौल में दुनियाभर के निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए सोने का रुख कर रहे हैं। इसके चलते एमसीएक्स (वायदा बाजार) पर शुक्रवार को सोना पहली बार 59,420 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंचा।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सर्राफा बाजार में ऑलटाइम हाई के करीब सोना

बीते हफ्ते की बढ़त के बाद सर्राफा बाजार में सोना अपने ऑलटाइम हाई के करीब पहुंच गया है। पिछले महीने 2 फरवरी को सोना ऑल टाइम हाई पर था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, तब सोना 58 हजार 882 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था।

चांदी भी 67 हजार के करीब पहुंची

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 3 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 63,430 रुपए पर थी जो अब 66,773 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 3,343 रुपए बढ़ी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	मकर	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	मेष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मीन...	06-12	बजे
मेष--	07-48	बजे
वृष--	09-33	बजे
मिथुन..	11-35	बजे
कर्क...	13-45	बजे
सिंह...	15-58	बजे
कन्या..	18-05	बजे
तुला	20-10	बजे
वृश्चिक.	22-19	बजे
धनु.....	00-33	बजे
मकर..	02-40	बजे
कुंभ...	04-30	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **08 -07** उपरान्त त्रयोदशी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , रविवार **Mar 19**
नक्षत्र - धनिष्ठा - **22 -03** तक उपरान्त शतभिषा
योग - सिद्ध - **20 - 06** - तक उप साध्य
करण- तैतिल - **08 - 07** - तक उप- गर
विशेष:- वारुणी व्रत,पंचक **11-17** से
व्रत -त्योहार -त्रयोदशी तिथि क्षय प्रदोष व्रत,

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:55 से 18:26 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:25 - 07:53	अशुभ	शुभ.	18:23 - 19:55	शुभ
चंचल	07:53 - 09:23	शुभ	अमृत	19:55 - 21:25	शुभ
लाभ	09:23 - 10:54	शुभ	चंचल	21:25 - 22:54	शुभ
अमृत	10:54 - 12:24	शुभ	रोग	22:54 - 00:24	अशुभ
काल.	12:24 - 13:54	अशुभ	काल	00:24 - 01:53	अशुभ
शुभ.	13:54 - 15:25	शुभ	लाभ	01:53 - 03:23	शुभ
रोग	15:25 - 16:55	अशुभ	उत्पात	03:23 - 04:52	अशुभ
उत्पात	16:55 - 18:23	अशुभ	शुभ	04:52 - 06:25	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है ।हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं,लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फ़ैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीज़ों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें । आज का दिन आपकी जीवनशैली में कुछ अपेक्षित बदलाव करने के लिए एकदम उपयुक्त है ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे ।अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है । यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे , इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गवर्नर ने डिजिटल भुगतान में शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता व सामर्थ्य पर दिया जोर

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को डिजिटल भुगतान में त्वरित शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता और सामर्थ्य के महत्व पर जोर दिया। शनिवार को कोच्चि में भुगतान प्रणाली ऑपरेटरों (पीएसओ) सम्मेलन में बोलते हुए, गवर्नर ने कहा, डिजिटल भुगतान में जनता का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए त्वरित शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता और सामर्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। शक्तिकांत दास ने कहा कि पारंपरिक बैंक शाखा मॉडल एक भौतिक स्थान प्रदान करता है जहां ग्राहक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, डिजिटल भुगतान में ऐसा नहीं हो पा रहा है। यहां उपयोगकर्ताओं को कभी-कभी अपनी शिकायतों को दर्ज करने के लिए उचित मंच का पता लगाने में मुश्किल होती है। उन्होंने कहा, लोगों को अपनी शिकायतों को हल करने में जितना संघर्ष करना पड़ता है, उससे इस बात की संभावना बढ़ती है कि वे भविष्य में डिजिटल भुगतान का प्रयास करने से बचेंगे। गवर्नर ने कहा कि पीएसओ की ओर से लेनदेन का त्वरित मिलान ग्राहकों की शिकायतों को दूर करने का एक आसान और त्वरित तरीका है। उन्होंने कहा कि शून्य से न्यूनतम मैनुअल हस्तक्षेप के साथ शिकायतों के नियम-आधारित समाधान का समर्थन करने के लिए नवीनतम तकनीकों का भी लाभ उठाया जा सकता है।

अडाणी ग्रुप की अब 2 कंपनियों पर बीएसई-एनएसई का एक्शन

ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी को लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के पहले स्टेज में डाला

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की अब दो कंपनियों को स्टॉक एक्सचेंजों बीएसई और एनएसई ने लॉन्ग टर्म एडिशनल सर्विलांस मेजर्स फ्रेमवर्क के पहले स्टेज में डाल दिया है। स्टॉक एक्सचेंजों के मुताबिक, रविवार (18 मार्च) से अडाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के पहले स्टेज में चले जाएंगे। अभी ये दोनों स्टॉक्स लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के दूसरे स्टेज में थे। बीएसई और एनएसई ने सर्कुलर में कहा है कि 20 मार्च से अडाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी को लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क स्टेज II से स्टेज I में डाल दिया जाएगा। वहीं पिछले हफ्ते अडाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी को स्टेज I से स्टेज II में डाला गया था। एएसएम फ्रेमवर्क के तहत शेयरों को शॉर्टलिस्ट करने के पैरामीटर्स में हाई-लो वेरिएशन, क्लाइंट कंसनट्रेशन, प्राइस बैंड हिट्स की संख्या, क्लोज टू क्लोज प्राइस वेरिएशन और पीई-रेश्यो शामिल हैं। बीएसई और एनएसई ने कहा कि अडाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी ने लॉन्ग टर्म एडिशनल सर्विलांस मेजर्स के तहत शामिल किए जाने वाले मानदंडों को पूरा किया है। एक्सचेंज ने कहा, '22 मार्च 2023 से 21 मार्च 2023 तक सभी ओपन पोजीशंस पर मार्जिन की दर 100% लागू होगी। नई पोजीशंस 22 मार्च 2023 से बनाई जाएंगी। साथ ही 20 मार्च 2023 से लोअर प्राइस बैंड लागू होगा।'

क्या होता है शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क?

शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म एएसएम एक तरह की निगरानी होती है। जिसमें मार्केट के रेगुलेटर सेबी और मार्केट एक्सचेंज बीएसई-एनएसई एडिशनल सर्विलांस में डाले गए स्टॉक्स पर नजर रखते हैं। इसका मकसद निवेशकों के हितों की रक्षा करना होता है। जब किसी शेयर में मैनिपुलेशन या ज्यादा ट्रेडिंग होने से कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव दिखता है, तो उन शेयरों को एएसएम में डाल दिया जाता है।

एक दिन पहले ग्रुप की 3 कंपनियों को एनएसई ने एएसएम फ्रेमवर्क से किया बाहर

एक दिन पहले एनएसई ने अडाणी ग्रुप की 3 कंपनियों को 17 मार्च से शॉर्ट-टर्म एएसएम फ्रेमवर्क से बाहर किया। एनएसई ने 8 मार्च को अडाणी एंटरप्राइजेज, पावर और विल्मर को शॉर्ट-टर्म एएसएम फ्रेमवर्क में रखा था। लगातार जबरदस्त तेजी आने के चलते एनएसई ने तीनों शेयरों पर नजर रखने के लिए उन्हें एएसएम फ्रेमवर्क में रखा था। तब अडाणी एंटरप्राइजेज को दूसरी बार एएसएम फ्रेमवर्क में रखा गया था।

एसवीबी व सिग्नेचर की तरह और 186 बैंक खतरे में हैं, रिपोर्ट में जाहिर की गई आशंका

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमित जमा के उच्च अनुपात के कारण अमेरिका में 186 बैंकों पर विफलता का खतरा मंडरा रहा है। सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क पर '2023 में मौद्रिक सख्ती और अमेरिकी बैंक नाजुकताः मार्क-टू-मार्केट लॉस एंड अनइंश्योर्ड डिपॉजिटर रन्स?' शीर्षक से जारी इस शोध में फेडरल रिजर्व के दर-वृद्धि अभियान के दौरान व्यक्तिगत बैंकों की परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। अध्ययन में बैंकों की उन जमाओं की भी जांच की गई जो 2,50,000 डॉलर से अधिक हैं और नियमों के अनुसार बीमित नहीं हैं। अध्ययन के अनुसार ढाई लाख डॉलर से अधिक जमा वाले गैरबीमित निवेशकों में अगर आधे ने भी इन 186 बैंकों से जल्दबाजी में पैसे निकाल लिए तो बीमित जमाकर्ताओं को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी स्थिति होने पर बैंकों के पास सभी जमाकर्ताओं की पूरी राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में एफडीआईसी को दखल देना पड़ सकता है। अर्थशास्त्रियों को आशंका- 300 अरब डॉलर की बीमित जमा राशि भी खतरे में पड़ सकती है हालांकि यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शोध में हेजिंग पर कोई विचार नहीं किया गया जो बैंकों को बढ़ती ब्याज दरों के दुष्प्रभाव से बचा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भले ही गैर-बीमित जमाकर्ताओं में से केवल आधे ही निकासी का फैसला लें पर इससे 186 से 190 बैंकों के बीमाकृत जमाकर्ताओं को भी नुकसान का संभावित खतरा है। ऐसा होने से 300 अरब डॉलर की बीमाकृत जमाराशि भी खतरे में होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर गैरबीमित जमा राशि की तेज निकासी जारी रही तो कई बैंक खतरे में पड़ सकते हैं। सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमाकृत जमा से उत्पन्न जोखिमों का एक उदाहरण है। दरों के बढ़ने से बैंक की परिसंपत्तियों का मूल्य कम हो गया और घबराए ग्राहकों ने अपनी गैर-बीमाकृत जमा राशि तेजी से निकालनी शुरू कर दी। नतीजा यह हुआ कि बैंक अपने जमाकर्ताओं के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रहा और उसे बंद करने की नौबत आ गई। अध्ययन करने वाले अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी कि है कि 186 बैंकों को सरकारी हस्तक्षेप या पुनर्पूंजीकरण की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनकी हालत एवीबी या सिग्नेचर बैंक जैसी हो सकती है।

घरेलू झगड़ों में 81,063 पतियों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली, 18 मार्च। (एक्सक्लूसिव डेस्क) राष्ट्रीय महिला आयोग की तरह राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन की मांग की गई है। मांग करने वाले वकील का नाम है महेश कुमार तिवारी। जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला दिया है।

जिसमें दावा किया गया है कि 2021 में देश भर में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। इनमें से आत्महत्या करने वाले विवाहित पुरुषों की संख्या 81,063 थी, जबकि 28,680 शादीशुदा महिलाएं थीं।

साल 2021 में लगभग 33.2% पुरुषों ने पारिवारिक समस्याओं की वजह से और 4.8% पुरुषों ने शादी से जुड़ी परेशानियों की वजह से अपनी जान गंवा दी।

हमने वकील महेश कुमार तिवारी से भी बात की। उन्होंने बताया कि डेवलेप कन्ट्रीज जैसे यूके, यूएस, कनाडा में घरेलू हिंसा का कानून जेंडर न्यूट्रल है, जबकि इंडिया में ये स्पेसिफिक है। यानी सिर्फ महिलाओं के लिए है।

नेशनल ह्यूमन राइट कमीशन के पास भी कोई स्पेसिफिक लॉ नहीं है जो इस इश्यू को डील कर सके। मैं महिलाओं के खिलाफ नहीं हूं, बस चाहता हूं पुरुषों को भी समान अधिकार मिले।

क्या पति के पास पत्नी के समान कानूनी अधिकार हैं?

पति के पास पत्नी के समान अधिकार नहीं हैं, लेकिन कुछ कानूनी अधिकार उनके पास अपनी सुरक्षा और मान-सम्मान के लिए मौजूद हैं।

ऊपर लगे क्रिएटिव के पॉइंट को अब एक-एक कर डिटेल में समझते हैं-

1.पति घरेलू हिंसा के मामले में पुलिस से मदद ले सकता है। अगर पति के साथ पत्नी मार-पिटाई कर रही है। उस पर गलत काम करने के लिए कोई जोर-दबाव बना रही है तब वह 100 नंबर पर या फिर महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 पर ही कॉल करके पुलिस से मदद ले सकता है।

2.खुद से बनाई गई प्रॉपर्टी यानी स्व-अर्जित प्रॉपर्टी पर सिर्फ और सिर्फ पति का ही अधिकार होता है। पत्नी या बच्चों का उस पर कोई अधिकार नहीं होता। वह जिसे चाहे उसे दे सकता है या किसी को भी न देकर ट्रस्ट को हैंडओवर कर सकता है।

3.पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाली पत्नी के खिलाफ पुलिस और कोर्ट दोनों की मदद ले सकता है। जैसे-

उसके परिवार से न मिलने देना

दोस्तों-रिश्तेदारों से न मिलने देना

बार-बार नामर्द बोलना

घर से बाहर निकाल देना

सुनो पतियों! पत्नी सताए तो डरो नहीं, इन अधिकारों का करो इस्तेमाल

हर काम में हद से ज्यादा टोका-टाकी

शारीरिक हिंसा, दर्द देना या नुकसान पहुंचाना

सबके सामने या फिर अकेले में भी अपशब्द बोलना या गाली देना

बार-बार आत्महत्या की धमकी देना

भावनात्मक हिंसा करना

4. पत्नियों की तरह ही पति को भी यह अधिकार है कि वे तलाक के लिए याचिका दायर कर सकता है। इस अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए पति को अपनी पत्नी की सहमति की कोई जरूरत नहीं होती। वो अपने ऊपर अत्याचार, जान का डर या मेंटल स्टेबिलिटी का जिक्र देते हुए याचिका दायर कर सकता है।

5.पत्नी की तरह ही पति को भी हिंदू मैरिज एक्ट में मेंटेनेंस यानी भरणपोषण और रखरखाव का अधिकार दिया गया है। मामले में होने वाली सुनवाई के बाद उसे मिलने वाली मेंटेनेंस की रकम को कोर्ट डिसाइड करती है।

6.पति का भी बच्चे की कस्टडी पर बराबरी का अधिकार माना जाता है।

एकतरफा तलाक या आपसी सहमति के बिना तलाक के केस में पति को ये अधिकार मिलता है। बच्चे के भविष्य को देखते हुए कोर्ट आर्थिक रूप से सक्षम अभिभावक को ही बच्चे की कस्टडी अधिकतर मामलों में सौंपती है।

अगर बच्चा बहुत छोटा है तब कोर्ट उसकी देखभाल का जिम्मा मां को सौंपता है। अगर मां किसी कारण से सक्षम नहीं है तो कोर्ट अपने फैसले में बदलाव कर सकता है।

इन सारे अधिकारों के आधार पर कुछ सवालों के जवाब अब हम अपने एक्सपर्ट सचिन नायक, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट, सीमा जोशी, एडवोकेट पटियाला हाउस कोर्ट, अखिलेश कुमार अवस्थी एडवोकेट और यूपी बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष, नवनीत कुमार मिश्रा एडवोकेट हाई कोर्ट लखनऊ से पूछते हैं।

पत्नी पति से हिंसक लड़ाई लड़े मारपीट करे तो पति को क्या अधिकार हैं?

पत्नी के पास घरेलू हिंसा का कानून है, पति के लिए वैसा कोई कानून आज तक बना ही नही है।

घरेलू हिंसा से सुरक्षा का कानून सिर्फ पत्नी के लिए है, पति के लिए नहीं।

पत्नी अगर पति को घर परिवार से दूर रहने पर मजबूर करे तो क्या अधिकार हैं उसके पास?

इसे मानसिक प्रताड़ना की श्रेणी में लिया जाएगा। जिसके आधार पर पति अपनी पत्नी से तलाक की अर्जी कोर्ट में लगा सकता है, सेक्शन 498a के तहत।

पत्नी का किसी और के साथ अफेयर हो, फिजिकल रिलेशनशिप हो, तो पति क्या कर सकता है?

इस कंडीशन में एडल्ट्री का ग्राउंड लेते हुए पति अपनी पत्नी से तलाक मांग सकता है जिसकी याचिका फैमिली कोर्ट में लगानी होगी।

पत्नी पति का घर छोड़कर मायके या कहीं और रह रही हो, तो पति उसके खिलाफ क्या एक्शन ले सकता है?

अगर पत्नी बिना वजह घर छोड़कर चली जाती है और वापस नहीं आती है तो पति हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 9 के तहत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में एप्लिकेशन दे सकता है। वो मांग कर सकता है कि कोर्ट पत्नी को वापस घर लौटने का आदेश दे।

हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 9 के तहत ये प्रोविजन भी है कि ऐसे मामले में घर छोड़कर जाने वाले को कोर्ट में ये साबित करना होता है कि आखिर उसने घर क्यों छोड़ा।

पति ऐसे केस में सीआरपीसी की धारा 154 के तहत पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करा सकता है।

अगर पत्नी अपने पति की पिटाई करे, खुद के बचाव के लिए क्या पुरुष उस पर हमला कर सकता है?

आईपीसी की धारा 96 से 106 के बीच आत्मरक्षा का अधिकार सभी को दिया गया है। यह कानून जेंडर न्यूट्रल है, यानी इसमें पति और पत्नी का कोई लेना देना नहीं है।

एक पति अपनी सुरक्षा में पत्नी के साथ धक्का-मुक्की करता है तो उस पर कानूनी रूप से कोई मामला नहीं बनेगा।

यहां तक कि अगर पत्नी के हाथ में कोई धारदार हथियार है जिससे पति को गंभीर चोट लगी है या लग सकती है तो वह अपने बचाव में पत्नी पर हमला भी कर सकता है।

पत्नी अक्सर गाली देती है, मायके वाले पति को धमकाते हैं क्या इस बात की शिकायत पुलिस से की जा सकती है?

पति हो या पत्नी एक-दूसरे को गंदी गालियां देना भारतीय दंड संहिता की धारा 294 में एक दंडनीय अपराध है।

आईपीसी की धारा 120बी के तहत पति अपनी पत्नी पर अपने और अपने परिवार के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने का केस भी दर्ज करवा सकता है।

दहेज के केस में अगर पति फंस जाए, तो खुद को कैसे बचाए?

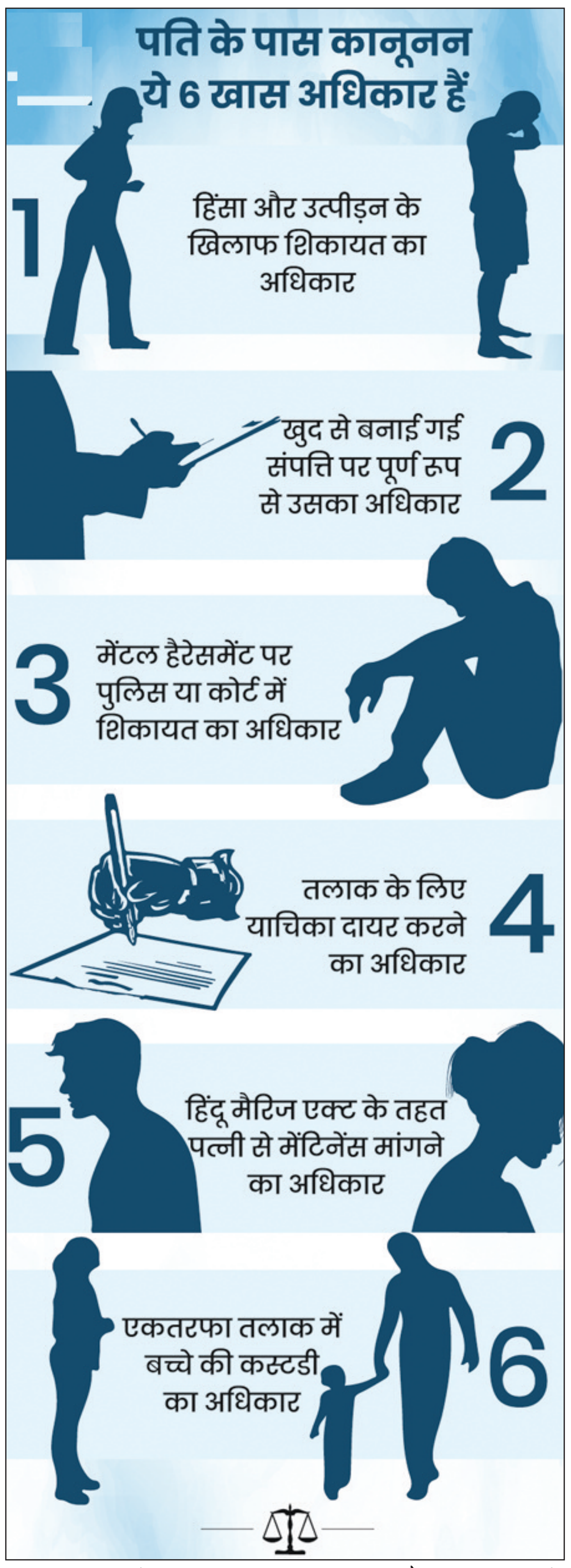

अगर पत्नी दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए पति पर आईपीसी की धारा 498ए के तहत झूठा केस करती है, तो पति सीआरपीसी की धारा 227 के तहत अपनी पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकता है।

इसके बाद पति ये भी मांग कर सकता है कि उसकी पत्नी दहेज प्रताड़ना के सभी पुख्ता सबूत पेश करे।

पत्नी ने अगर पति को घरेलू हिंसा के झूठे केस में फंसाया, तो पति क्या कर सकता है?

आईपीसी की धारा 191 के तहत पति अपनी पत्नी पर केस कर सकता है। अगर पति को लगता है कि उसकी पत्नी या फिर कोई भी उसके खिलाफ कोर्ट में या पुलिस को झूठे सबूत पेश कर रहा है, तो वो ये दावा करते हुए केस दर्ज करवा सकता है कि उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए जो सबूत दिए जा रहे हैं वो झूठे हैं।

पति के घर को अगर पत्नी नुकसान पहुंचाती है तो पति क्या करे?

अगर पत्नी पति के घर को नुकसान पहुंचाती है और पुलिस के पास जाकर पति के खिलाफ मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ना करने का आरोप लगाती है, तो सिविल प्रोसिजर कोड की धारा 9 के तहत पति पत्नी के खिलाफ केस दर्ज करा सकता है और उससे नुकसान की भरपाई मांग सकता है।

मेंटेनेंस की अर्जी कोर्ट में कब लगाई जा सकती है?

अगर पति और पत्नी के रिश्ते खराब हो गए हैं और दोनों एक-दूसरे के साथ कानूनी तौर पर नहीं रहते हैं तो पति या पत्नी, दोनों में से कोई भी मेंटेनेंस की अर्जी कोर्ट में लगा सकता है।

कोई पुरुष अगर बेरोजगार है तो क्या वो अपनी कमाऊ पत्नी से भरणपोषण का खर्चा मांग सकता है?

हां बिल्कुल। हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 के अनुसार, पति और पत्नी दोनों एक-दूसरे से मेंटेनेंस की डिमांड कर सकते हैं।

अगर पति शारीरिक या मानसिक तौर से कमजोर है जो पैसे कमाने के लायक नहीं है भरण-पोषण का खर्चा मांग सकता है।

अगर पत्नी भी कामकाजी नहीं है तब भी अपने भरण-पोषण के लिए उसे पैसे कमाने के लिए मजबूर कर सकता है?

नहीं। ऐसा करने का अधिकार उसके पास नहीं है।

भरण पोषण की मांग पत्नी से पति सिर्फ इन्हीं कंडीशन में कर सकता है

पति ने अगर पत्नी से मेंटेनेंस लेने का दावा किया है, तो पति को कोर्ट में साबित करना होगा कि वो शारीरिक या मानसिक तौर पर कमाने के लायक नहीं है और उसकी पत्नी पैसे कमाती है।

धारा 24 के मुताबिक अगर कोर्ट में पति-पत्नी का कोई केस चल रहा है और कार्यवाही के दौरान कोर्ट को ये पता लग जाए कि पति खुद की जरूरत पूरी नहीं कर पा रहा है। यहां तक की उसके पास इस कोर्ट की कार्यवाही के लिए भी पैसे नहीं है तो कोर्ट पत्नी को आदेश दे सकता है कि वो अपने पति को मेंटेनेंस और कोर्ट केस में आने वाले खर्च के लिए पैसे दे। हालांकि, इसमें पत्नी के पास सोर्स ऑफ इनकम होना जरूरी है। अगर पति के पास प्रॉपर्टी और कमाने की क्षमता है तो वो पत्नी से मेंटेनेंस का दावा नहीं कर सकता है।

पति को पर्मानेंट मेंटेनेंस और भरण-पोषण मिलने का नियम थोड़ा अलग है। इस कंडीशन में कोर्ट पति और पत्नी दोनों की प्रॉपर्टी को ध्यान में रखकर विचार करता है। मान लीजिए कोर्ट ने पत्नी को आदेश दिया कि वो अपने पति को ही महीने में भरण-पोषण का खर्चा दे। पत्नी देने भी लगती है। ऐसे में अगर पति कमाने लायक हो जाता है और काम करने लगता है तो पत्नी के दावे पर कोर्ट अपने फैसले को रद्द या बदल सकती है।

पति-पत्नी के मेंटेनेंस की लड़ाई के बीच क्या कोर्ट बच्चों पर होने वाले खर्च को भी देखकर फैसला करती है?

हिंदू मैरिज एक्ट की धारा-25 के तहत तलाक के वक्त एक साथ या फिर महीने के हिसाब से मेंटेनेंस तय किया जाता है। मान लीजिए अगर पति का वेतन 20 हजार है और पत्नी का 50 हजार। ऐसे में पूरे परिवार की इनकम 70 हजार मानी जाएगी।

दोनों पार्टनर का अधिकार 35-35 हजार पर होगा। कोर्ट इस तरह से इनकम को ध्यान में रखकर फैसला सुनाता है। साथ ही ये भी देखता है कि बच्चे किसके साथ रहते हैं। उनके कितने खर्च हैं। उस आधार पर भी खर्चा तय होता है। पति के पास नौकरी न होने की स्थिति पर बच्चों की देखरेख का खर्च भी पत्नी के पास होता है अगर वह नौकरीपेशा है तब।

अगर पत्नी अपने पति पर मैरिटल रेप का इल्जाम लगाएं, तो क्या ये केस बनता है?

इंडिया में मैरिटल रेप अपराध नहीं है। अगर कोई पति अपनी पत्नी से उसकी सहमति के बिना फिजिकल रिलेशन बनाता है तो इसे मैरिटल रेप कहा जाता है, लेकिन संविधान में इसके लिए सजा का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए पत्नी इस पर कोई केस नहीं कर सकती है।

धारा 375 में एक अपवाद है जिस वजह से मैरिटल रेप को अपराध नहीं माना जाता। धारा 375 का एक प्रावधान कहता है कि अगर किसी महिला की उम्र 15 साल से ज्यादा है और उसका पति उसकी सहमति के बिना शारीरिक संबंध बनाता है तो इसे रेप नहीं माना जाएगा।

पति अपनी पत्नी से तलाक कैसे मांग सकता है उसके लिए क्या कंडीशन होनी चाहिए?

अगर पत्नी किसी भी तरह से पति को प्रताड़ित कर रही है तो ऐसे मामले में पति हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 13 के तहत तलाक मांग सकता है।

इसमें अर्जी करने वाले के साथ अगर सामने वाला पक्ष क्रूरता, शारीरिक या मानसिक हिंसा कर रहा है तो वो तलाक ले सकता है।

पत्नी का इंट्रेस्ट सेक्शुअल लाइफ में नहीं है, ऐसे में तलाक लिया जा सकता है कि नहीं?

हां, अगर पति से फिजिकल रिलेशन पत्नी नहीं बना रही है या उसे मना करती है तो यह तलाक का आधार बनता है।

पत्नी साध्वी का जीवन जीना चाहती थी, क्या यह भी तलाक की वजह बन सकता है?

साध्वी बनने पर पत्नी को सांसारिक मोह-माया का त्याग करना होगा। ऐसा नहीं कि वो अपने पति से सिर्फ रिश्ता न रखने के लिए इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। अगर कोर्ट में ये साबित हो जाता है कि वो सच में साध्वी बन गई है तो इस कंडीशन में पति तलाक ले सकता है।

एकतरफा तलाक पति किस-किस आधार पर मांग सकता है?

अगर पति तलाक चाहता है और पत्नी नहीं, तो ऐसे में पति एकतरफा तलाक ले सकता है।

पटियाला हाउस कोर्ट की एडवोकेट सीमा जोशी कहती हैं कि ऐसे में पति को विवादित तलाक मिल सकता है। इसे एकतरफा तलाक भी कहते हैं। इसमें कोर्ट पति से सबूत मांग सकता है कि उसे क्यों तलाक चाहिए।

हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 की धारा 13 में विवादित तलाक के आधार के बारे में साफ तौर से लिखा गया है। जो इस तरह है..

एडल्ट्री- यह क्राइम है, जिसके अनुसार, पति या पत्नी में से कोई भी शादी से बाहर किसी के साथ फिजिकल रिलेशन रखता है।

क्रूरता- इसे एक जानबूझकर किए गए काम के तौर पर डिफाइन किया गया है, जिसमें शरीर, बॉडी के किसी पर्टिकुलर पार्ट, लाइफ या मेंटल हेल्थ के लिए खतरा हो सकता है। इसमें दर्द पैदा करना, गाली देना, मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शामिल हो सकता है।

धर्म परिवर्तन- हिंदू विवाह में, अगर पति या पत्नी एक दूसरे को बिना बताए या सहमति के दूसरा धर्म अपना लेता/लेती है तो इसे तलाक का आधार माना जा सकता है।

मेंटल डिसऑर्डर- मेंटल डिसऑर्डर में मन की स्थिति, मानसिक बीमारी या प्रॉब्लम शामिल है, जो व्यक्ति को असामान्य रूप से आक्रामक बना देता है। कुष्ठ रोग- कुष्ठ रोग एक संक्रामक बीमारी है, जो स्किन और नर्व को डैमेज करती है।

पार्टनर के बीच बातचीत नहीं- अगर पति या पत्नी में से किसी एक की बात सात साल से ज्यादा समय तक नहीं हुई है तो इसे तलाक का आधार माना जा सकता है। संन्यास- हिंदू कानून के तहत, संसार का त्याग तलाक के लिए एक आधार है, अगर पति या पत्नी में से किसी एक ने संन्यास ले लिया है तो उसे तलाक मिल जाता है। अच्छा फिर पत्नी की प्रॉपर्टी पर पति का कितना हक होता है?

पत्नी के मरने के बाद पति का उसकी प्रॉपर्टी पर अधिकार होता है। हिंदू, मुस्लिम दोनों धर्मों में ये नियम फॉलो होता है।

आरआरआर के स्टार को छत्तीसगढ़ आने का न्योता

राम चरण से मिले सीएम भूपेश के सलाहकार, गौरव ने राजकीय गमछा पहनाकर किया स्वागत, एक्टर बोले-अमेजिंग

रायपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। लॉस एंजिल्स में हुई 95वें ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में 'नाटू-नाटू' गाने के लिए बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का खिताब जीतने के बाद राम चरण अपनी पत्नी उपासना के साथ दिल्ली पहुंचे। जहां उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार गौरव द्विवेदी से मुलाकात की। दोनों के बीच प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग को लेकर चर्चा हुई। राम चरण को छत्तीसगढ़ आने का न्योता दिया गया।

आरआरआर फिल्म के सुपरस्टार दक्षिण भारतीय सिनेमा के कलाकार राम चरण ने गौरव द्विवेदी को बताया कि ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में भारत की मौजूदगी से वो बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की ओर से एक्टर को भेजी गई शुभकामनाएं भी गौरव द्विवेदी ने दी। राम चरण ने छत्तीसगढ़ से मिले इस प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया।

राम चरण को गौरव द्विवेदी ने छत्तीसगढ़ के लोकेशंस और यहां मौजूद फिल्म नीति के बारे में भी जानकारी दी। एक्टर ने कहा कि

वह जल्द ही अपनी टीम से इस पर चर्चा करेंगे और मौका मिलने पर जरूर छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। इस मुलाकात के दौरान गौरव द्विवेदी ने राज्य में खासतौर पर तैयार किए गए एलोवेरा जूस, इमली कैंडी, रागी कुकीज के गिफ्ट हैंपर उन्हें भेंट किए।

छत्तीसगढ़ के जंगलों और स्थानीय फसलों से तैयार इन व्यंजनों को देखकर राम चरण काफी प्रभावित हुए। इस काम को सराहा। प्रदेश के कौशल्या मंदिर, राम वन पथ गमन और दक्षिण छत्तीसगढ़ में साउथ सिनेमा के प्रति रुझान के बारे में भी एक्टर को बताया गया। ये देखकर एक्टर ने कहा अमेजिंग।

राजकीय गमछे से स्वागत

गौरव द्विवेदी ने राजकीय गमछा पहनाकर इसमें अंकित धान की बाली और प्रदेश की कलाकृतियों के बारे में एक्टर को जानकारी दी। इस सम्मान को पाकर राम चरण भी काफी प्रभावित नजर आए उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'नाटू-नाटू' देश का सॉन्ग है- राम चरण

राम चरण ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। हमें म्यूजिक कंपोजर चन्द्रबोस, म्यूजिक डायरेक्टर एमएम कीरावानी और फिल्म डायरेक्टर एसएस राजामौली पर गर्व होना चाहिए क्योंकि उनकी ही वजह से हम रेड कार्पेट तक गए और ऑस्कर जीतकर आए। आज 'नाटू-नाटू' देश का गाना बन गया है।

साउथ के सुपरस्टार राम चरण तेजा 27 मार्च, 1985 को चेन्नई में जन्मे । रामचरण ने 2007 में पुरी जगन्नाथ की फिल्म 'चिरुथा' से करियर की शुरुआत की थी। रामचरण ने 14 जून, 2012 को अपोलो हॉस्पिटल्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन प्रताप सी. रेड्डी की पोती उपासना कमिनेनी से शादी की। उन्होंने 2016 में अपना प्रोडक्शन हाउस खोला, जिसका नाम 'कोन्निडेला प्रोडक्शन कंपनी' है।

रामचरण हैदराबाद बेस्ड एयरलाइन ट्रू जेट के मालिक हैं। इसके अलावा उनकी रामचरण हैदराबाद पोलो राइडिंग क्लब नाम से पोलो टीम भी है। वो मां टीवी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में भी शामिल हैं।

भिलाई स्टील प्लांट के एसएलआरएम सेंटर में आग

लाखों टन प्लास्टिक दाना जलकर खाक, दमकल की छह गाड़ियों ने पाया काबू

भिलाई, 18 मार्च (एजेंसियां)। भिलाई स्टील प्लांट के नेवई स्थित एसएलआरएम सेंटर में भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप से निकलने वाले कचरे और अपशिष्ट से प्लास्टिक का दाना तैयार करने वाले सेंटर में सुबह-सुबह भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से लाखों टन प्लास्टिक का दाना जलकर खाक हो गया है। आग की सूचना मिलते ही बीएसपी की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाती रहीं। घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग लगने का कारण तो फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन इसकी अधिकारिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। भिलाई स्टील प्लांट के नेवई में इस्पात संयंत्र द्वारा ही एसआरएम सेंटर बनाया है। यहां भिलाई के सेक्टर एरिया और टाउनशिप से निकलने वाले कचरे को अलग किया जाता है। कचरों से प्लास्टिक अलग किया जाता है। गीले कचरे से खाद आदि बनाने की प्रक्रिया होती है और प्लास्टिक से दाने तैयार किए जाते हैं। इस आग की वजह से करोड़ों का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

रामनवमी से पहले नौ लोग नामजद

200 अज्ञात पर एफआईआर

रांची, 18 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले में पिछले 14 मार्च को मंगला जुलूस के दौरान हुए उपद्रव के मामले में जिला प्रशासन ने नौ के खिलाफ नामजद और 200 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज करवाई है। लोगों ने ये जुलूस सरकार के उस आदेश के खिलाफ निकाला था, जिसमें रामनवमी के अवसर पर रिकॉर्डेड संगीत बजाने और लाठी सहित पारंपरिक हथियार ले जाने पर रोक लगाई गई है। लोगों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर हिंदू त्योहारों में इस तरह की बाधा डालती है। एक अधिकारी ने कहा कि प्रशासनिक आदेश का

उल्लंघन करते हुए, आंदोलनकारियों ने जुलूस के दौरान रिकॉर्डेड संगीत बजाया और 30 मार्च से शुरू होकर एक अप्रैल को समाप्त होने वाले रामनवमी जुलूस के दौरान भी अशांति पैदा करने की धमकी दी। सर्किल अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए गुरुवार को हजारीबाग सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चोथे ने कहा, 'जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने प्राथमिकी दर्ज करने का फैसला किया है। त्योहार के दौरान किसी को भी गड़बड़ी करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।'

लोगों पर हुई एफआईआर के विरोध में स्थानीय लोग खड़े होने लगे हैं। शुक्रवार को इसको लेकर जमकर प्रदर्शन हुआ। रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष शशि भूषण केसरी पर भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। उन्होंने प्रशासन और सरकार पर रामनवमी को खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल खड़ा किया है कि किसी भी जुलूस- पर्व में धारा-144 लगाने का औचित्य क्या है?

राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से तीन की मौत

रांची, 18 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद रेलवे डिवीजन में पटरी पार करते समय हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। आरपीएफ इंस्पेक्टर विजय शंकर ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमोह रेलवे स्टेशन पर हुई।

आरपीएफ के अनुसार, 'प्लेटफॉर्म नंबर-3 तक पहुंचने के लिए तीन लोग पटरियों को क्रॉस कर रहे थे। इसी दौरान हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस आ गई। इस ट्रेन का गोमोह स्टेशन पर स्टॉपेज नहीं है, ट्रेन की रफ्तार भी तेज थी। ऐसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।' मृतकों की पहचान मनोज सब (19), शिव चरण सब (20) और बबलू कुमार (20) के रूप में हुई है। वे प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर आसनसोल-गोमोह पैसेंजर से उतरे थे और प्लेटफॉर्म नंबर 3 तक पहुंचने के लिए ट्रैक पार कर रहे थे। उनके रिश्तेदारों ने पहचान की। शरीर के अंगों को इकट्ठा करने के लिए अप लाइन पर ट्रेन की आवाजाही रोक दी गई और सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और कई अन्य ट्रेनों को डाउन लाइन से गुजारा गया। शिव चरण और बबलू कुमार धनबाद में काम करते थे और सदानंद मेले में शामिल होने के लिए गोमोह गए थे।

पीएम मोदी के लिए डिनर होस्ट कर सकते हैं बाइडेन

जून में योग दिवस पर अमेरिका जाएंगे मोदी शिकागो में इंडियन कम्यूनिटी से मिलेंगे

वॉशिंगटन/ नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी जून में अमेरिका जाने वाले हैं। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन उन्हें स्टेट डिनर के लिए न्योता दे सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूयॉर्क में पीएम मोदी यूएन मुख्यालय में विश्व योग दिवस कार्यक्रम के शामिल नजर होंगे। इसके बाद शिकागो में भारतीय समुदाय के साथ मोदी एक बड़े कम्युनिटी कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

इस मीटिंग से पहले पीएम मोदी और राष्ट्रपति बाइडेन मई में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली क्वाड मीटिंग के दौरान भी मिलेंगे। क्वाड देशों की इस बैठक में जापान और ऑस्ट्रेलियाई लीडर्स भी मौजूद रहेंगे। वहीं 9-10 सितंबर में भारत जी-20 समिट भी होस्ट करने वाला है, जिसमें बाइडेन भी शामिल होंगे।

5 बार मिल चुके हैं पीएम मोदी-राष्ट्रपति बाइडेन

पीएम मोदी इससे पहले 5 बार अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन से मुलाकात कर चुके हैं। उनकी पहली मुलाकात सितंबर 2021 में अमेरिका में हुई थी। तब दोनों नेताओं ने व्हाइट हाउस में करीब 90 मिनट तक बातचीत की थी। इसके बाद मोदी और बाइडेन अक्टूबर में इटली में जी-20 समिट के दौरान मिले थे। दोनों नेताओं की अगली मुलाकात मई 2022 में क्वाड समिट के दौरान हुई थी। फिर दोनों जून 2022 में जी-7 समिट के दौरान जर्मनी में मिले थे। मोदी-बाइडेन की आखिरी मुलाकात नवंबर 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 समिट के दौरान हुई थी।

तीसरा स्टेट डिनर होस्ट करेंगे बाइडेन

अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद ये बाइडेन का तीसरा स्टेट डिनर होगा। इससे पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए दिसंबर 2022 में डिनर आयोजित किया था। वहीं बाइडेन साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यिओल को 26 अप्रैल को स्टेट डिनर के लिए न्योता दे चुके हैं। स्टेट डिनर अमेरिका का ऑफिशियल डिनर होता है। ये व्हाइट हाउस में आयोजित किया जाता है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी किसी दूसरे देश के हेड ऑफ गवर्नमेंट के लिए डिनर होस्ट करते हैं।

पुतिन के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट का अरेस्ट वारंट

यूक्रेनी बच्चों के अपहरण का अपराधी बताया, लेकिन उनकी गिरफ्तारी मुश्किल

हेग, 18 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने कहा- पुतिन ने यूक्रेन में वॉर क्राइम किए हैं। वो यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के अपराध के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि, रूस ने युद्ध अपराधों के आरोपों से इनकार किया है।

रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा- कानूनी तौर पर रूस के लिए इस गिरफ्तारी वारंट का कोई मतलब नहीं है। क्योंकि रूस इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की रोम स्टैट्यूट का हिस्सा नहीं है। दरअसल, 123 देशों ने कोर्ट की स्थापना वाले एक समझौते पर साइन किए थे। रूस ने हस्ताक्षर नहीं किए थे। इसी वजह से रूस आईसीसी के किसी फैसले को नहीं मानता।

पुतिन को गिरफ्तार करना मुश्किल

आईसीसी के पास किसी भी देश के लीडर को गिरफ्तार करने की शक्तियां नहीं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उसके पास खुद का कोई पुलिस बल नहीं है। इंटरनेशनल लॉ के मुताबिक, आईसीसी किसी भी देश के लीडर को दोषी तो ठहरा सकता है, उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है लेकिन उनकी गिरफ्तारी के लिए दुनियाभर के देशों पर निर्भर रहता है।

ऐसे में पुतिन की गिरफ्तारी के 2 ही तरीकों से हो सकती है। पहला- पुतिन को प्रत्यार्पित किया जाए, दूसरा- रूस के बाहर किसी अन्य देश में गिरफ्तार किया जाए, जोकि मुमकिन नहीं लगता है।

आईसीसी ने कहा- पुतिन ने बच्चों का अपहरण होने से नहीं रोका

आईसीसी ने कहा कि उसके पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि पुतिन ने न सिर्फ इन अपराधों को अंजाम दिया, बल्कि इसमें दूसरों की भी मदद की। कोर्ट ने कहा- पुतिन ने बच्चों के अपहरण को रोकने के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बच्चों को डिपोर्ट करने वाले अन्य लोगों को रोका नहीं, कार्रवाई नहीं की।

24 फरवरी 2022 को पुतिन ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इसके तुरंत बाद आईसीसी

प्रॉसिक्यूटर करीम खान ने यूक्रेन में संभावित युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों और नरसंहार की जांच शुरू की थी। दोनों देशों के बीच जंग अब भी जारी है।

रूसी चाइल्ड राइट कमिशनर के खिलाफ भी वारंट जारी

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस की चाइल्ड राइट कमिशनर मारिया लवोवा-बेलोवा के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी गया है। जंग शुरू होने के बाद से कई बार रूसी सैनिकों पर यूक्रेनी बच्चों के अपहरण के आरोप लगे हैं। रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है लेकिन कभी इस बात को नहीं नकारा कि बच्चों को रूस भेजा जा रहा है। मारिया लवोवा-बेलोवा ने हमेशा रूस के इस काम को देशभक्ति और मानवीय प्रयास बताया है। उनका कहना है कि रूसी परिवार जंग में बेघर हुए यूक्रेनी बच्चों को अडॉप्ट कर रहे हैं।

वॉर क्राइम क्या है?

युद्ध के लिए भी कुछ नियम होते हैं, इन नियमों को जिनेवा कन्वेंशन, हेग कन्वेंशन और अन्य अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समझौतों के तहत बनाया गया है।

वॉर क्राइम युद्ध के नियमों का उल्लंघन है, जिसके तहत जानबूझकर नागरिकों को मारना या जानबूझकर युद्ध बंदियों को मारना, यातना देना, बंधक बनाना, नागरिक संपत्ति को अनावश्यक रूप से नष्ट करना, युद्ध के दौरान यौन हिंसा, लूटपाट, सेना में बच्चों की भर्ती, नरसंहार आदि जैसे अपराध शामिल हैं। यूएन के मुताबिक, सबसे पहले 20वीं सदी की शुरुआत में युद्ध के नियमों को बनाया गया था। इन नियमों को हेग कन्वेंशन 1899 और 1907 और 1864 से 1949 के दौरान जिनेवा कन्वेंशन के तहत हुई चार संधियों से तय किया गया था।

हेग कन्वेंशन जहां युद्ध के समय कुछ घातक हथियारों जैसे एंटी पर्सनेल लैंडमाइंस और केमिकल या बॉयोलॉजिकल वेपंस आदि के इस्तेमाल पर रोक लगाता है, तो वहीं जिनेवा कन्वेंशन युद्ध के दौरान किए जाने वाले वॉर क्राइम के नियम निर्धारित करता है।

चीन ने कोरोना वायरस से जुड़ा डाटा इंटरनेट पर जारी करने के बाद हटाया, डब्ल्यूएचओ ने पूछा- क्यों?

बीजिंग, 18 मार्च (एजेंसियां)। स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति का खुलासा करने वाले वैज्ञानिक अनुसंधान को रोकने के लिए चीनी अधिकारियों को फटकार लगाई है। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को चीनी अधिकारियों से तीन साल पहले डेटा का खुलासा नहीं करने के कारणों के बारे में भी पूछा और कहा कि जनवरी में ऑनलाइन प्रकाशित होने के बाद फिर इन्हें क्यों हटाया गया? इंटरनेट से डेटा गायब होने से पहले वायरस विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने शोध को डाउनलोड किया था और विश्लेषण करना शुरू कर दिया। टीम ने खुलासा किया कि डेटा से यह पता चलता है कि महामारी अवैध रूप से बिकने वाले रैकून कुत्तों से शुरू हो सकती है, उसके बाद उन्होंने चीन के वुहान हुआनान सीफूड होलसेल मार्केट में मनुष्यों को संक्रमित किया था। लेकिन टीम अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच सकी क्योंकि जब विशेषज्ञों ने अपने चीनी समकक्षों के साथ विश्लेषण पर सहयोग करने की पेशकश की, तो जीन अनुक्रमों को वैज्ञानिक डेटाबेस से हटा दिया गया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस ने कहा, 'ये आंकड़े तीन साल पहले साझा किए जा सकते थे और साझा किए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि लापता सबूतों को अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ तुरंत साझा करने की जरूरत है। आंकड़ों की समीक्षा कर रही विशेषज्ञ टीम के अनुसार, शोध से इस बात के सबूत मिलते हैं कि कोरोना वायरस फैलाने के लिए जाने जाने वाले लोमड़ी जैसे जानवर रैकून कुत्ते वुहान बाजार में उसी स्थान पर डीएनए छोड़ गए थे जहां नए कोरोना वायरस के भी डीएनए मिले थे। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार उस खोज से पता चलता है कि जानवर संक्रमित हो सकते हैं और मनुष्यों में वायरस को प्रेषित कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2020 की शुरुआत में वुहान बाजार में जानवरों के पिंजरों, गाड़ियों और अन्य सतहों के स्वैब से बड़ी मात्रा में आनुवंशिक जानकारी ली गई थी। आनुवंशिक डेटा वायरस विशेषज्ञों के बीच बेचैनी का कारण बना था क्योंकि उन्हें एक साल पहले चीनी वैज्ञानिकों की ओर से जारी एक पेपर में इसके बारे में पता चला था। इस बीच, एक फ्रांसीसी जीवविज्ञानी ने पिछले हफ्ते डेटाबेस में आनुवंशिक अनुक्रमों की खोज की और उनकी टीम ने महामारी की उत्पत्ति के बारे में सुराग तलाशना शुरू किया। लेकिन शोधकर्ताओं ने इस सप्ताह एक बैठक में कोविड की उत्पत्ति का अध्ययन करने वाले डब्ल्यूएचओ के सलाहकार समूह को सामग्री का विश्लेषण दिया, जिसमें उसी डेटा के बारे में चीनी शोधकर्ताओं की एक प्रस्तुति भी शामिल थी। शिकागो विश्वविद्यालय में महामारी विज्ञानी और विकासवादी जीवविज्ञानी सारा कोबे के अनुसार, यह विश्लेषण चीन की ओर से दिए गए गए विश्लेषण से अलग प्रतीत होता है।

ट्रम्प ने फेसबुक पर लिखा- आई एम बैक

अमेरिकी संसद हिंसा भड़काने के आरोप लगने के बाद से अकाउंट ब्लॉक था

वॉशिंगटन, 18 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फेसबुक पर वापसी हो गई है। उन्होंने शुक्रवार को फेसबुक पोस्ट में लिखा- आई एम बैक। 25 जनवरी को सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने ट्रम्प का फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट बहाल करने की घोषणा की थी। कंपनी ने 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में हुई हिंसा के बाद ट्रम्प का अकाउंट ब्लॉक कर दिया था। अब 2 साल बाद उनकी वापसी हुई है।

फेसबुक पर ट्रम्प की वापसी को लेकर मेटा ग्लोबल अफेयर्स के प्रेसिडेंट निक क्लेग ने कहा था- अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प का अकाउंट नए नियमों के साथ बहाल किया जाएगा, जिससे दोबारा उनके पोस्ट से हिंसा न भड़के। उनका अकाउंट हमारे कम्युनिटी स्टैंडर्ड के अधीन है।

अगर वो फिर से हिंसा भड़काने वाले पोस्ट करते हैं तो पोस्ट को इन प्लेटफॉर्म से हटा दिया जाएगा। साथ ही उनके अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

कैपिटल हिंसा में 5 लोगों की मौत हुई थी

6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों पर मुहर लगाए जाने के दौरान सैकड़ों ट्रम्प समर्थकों ने यहां हिंसा की थी। इसमें एक पुलिस अफसर समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। ट्रम्प पर समर्थकों को उकसाने का आरोप लगा था। इसके बाद उनके सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड कर दिए गए थे।

फेसबुक ने कहा था- ट्रम्प के वीडियो से हिंसा भड़काने का खतरा

कैपिटल हिल में हिंसा के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर 1 मिनट का वीडियो पोस्ट किया था। फेसबुक और यूट्यूब ने ट्रम्प का वीडियो रिमूव कर दिया था। फेसबुक के वाइस प्रेसिडेंट (इंटेग्रिटी) गुए रोजेन ने कहा था कि यह इमरजेंसी है, ट्रम्प के वीडियो से हिंसा और भड़क सकती है।

ट्रम्प ने फेसबुक के कदम को वोटर्स की बेइज्जती बताया था

ट्रम्प ने फेसबुक की कार्रवाई को उन 7.5 करोड़ लोगों की बेइज्जती बताया था, जिन्होंने 2020 के चुनाव में ट्रम्प को वोट दिया था। ट्रम्प ने कहा था- उन लोगों को सेंसर कर और चुप कराकर बाहर नहीं किया जा सकता। हम फिर जीतेंगे। हमारा देश इस बेइज्जती को और ज्यादा बर्दाश्त नहीं कर सकता।

आखिर चीन भी कब तक बचाएगा डूबते पाकिस्तान को?

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने पाकिस्तान को फिर 50 करोड़ डॉलर की मदद दी है। पाकिस्तान को इससे फौरी राहत मिली है। देश को इस बात की सूचना खुद वित्त मंत्री इशहाक डार ने एक ट्विट के जरिए दी। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि चीन के इंडस्ट्रीयल एंड कॉमर्शियल बैंक लिमिटेड ने 50 करोड़ डॉलर की रकम भेजी, जो शुक्रवार शाम को प्राप्त हो गई। डार ने कहा- 'स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के खाते में चीन आईसीबीसी बैंक से 50 करोड़ डॉलर की रकम आ गई है। इससे पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को बल मिलेगा।' चीन ने पाकिस्तान की मदद करने के लिए कुछ समय पहले 1.3 बिलियन डॉलर देने का एलान किया था। उसकी पहली किस्त में 50 करोड़ डॉलर उसने पाकिस्तान को भेजे थे। अब दूसरी किस्त भेजी गई है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ पाकिस्तान का गतिरोध बने रहने के कारण शहबाज शरीफ सरकार विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए कई स्रोतों की तलाश कर रही है। इस सिलसिले में उसने खास तौर पर चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से संपर्क किया था। लेकिन उनके बीच ठोस मदद सिर्फ चीन से मिली है। वैसे जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का आर्थिक संकट इतना गहरा है और हालात इतनी तेजी से बिगड़ रहे हैं कि चीनी सहायता भी सिर्फ मरहम जैसी ही है।

अमेरिका में प्रेग्नेंसी के दौरान 1,205 मौतें

ये 60 साल में सबसे ज्यादा, मरने वाली अश्वेत महिलाओं की संख्या दोगुनी

वॉशिंगटन, 18 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में पिछले 60 सालों में मातृ मृत्यु दर बढ़ गई है। सेंटर फॉर डिसिज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, जन्म देने के दौरान 2021 में 1,205 माताओं ने दम तोड़ा। 2020 में ये आंकड़ा 861 था। वहीं, 2019 में गर्भावस्था के दौरान 754 माताओं की मौत हुई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि श्वेत महिलाओं की तुलना में अश्वेत महिलाओं की मौत का आंकड़ा दोगुना हुआ है। 2021 में श्वेत महिलाओं की मातृ मृत्यु दर 26.6 थी। वहीं, अश्वेत महिलाओं की मातृ मृत्यु दर 69.9 थी। ये श्वेत महिलाओं की तुलना में 2.6 गुना ज्यादा थी।

ये संकट है : व्हाइट हाउस

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैराइन जीन पियारे ने कहा- ये संकट है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश को इसे वास्तविकता के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहिए। अमेरिकन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड

गायनेकोलॉजिस्ट के प्रेसिडेंट इफत अब्बासी होस्किन्स का कहना है कि कोरोना वायरस की वजह से प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं की मौत होने के आशंका बढ़ गई है।

सीडीसी के मुताबिक, प्रेग्नेंट महिलाओं में कोरोना संक्रमण डिलीवरी के दौरान जानलेवा हो सकता है। सीडीसी ने एक रिसर्च का जिक्र करते हुए बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान कोरोना होने पर डिलीवरी के समय मां की मौत का खतरा 10 गुना ज्यादा बढ़ जाता है और कई तरह की कॉमप्लिकेशन हो सकती हैं।

रिसर्च में कहा गया कि कोरोना पॉजिटिव महिलाओं में डिलीवरी के दौरान रेस्पिरेटरी फेल्योर, यानी वेंटिलेटर पर जाने का रिस्क भी 15 गुना और मौत का खतरा 10 गुना ज्यादा होता है। साथ ही कोरोना पॉजिटिव महिलाओं में नर्सिंग फैसिलिटी या फिर केयर सेंटर में भर्ती होने का खतरा तीन गुना ज्यादा रहता है।

यूनाइटिड नेशन्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 20 सालों में मातृ मृत्यु दर में एक तिहाई की गिरावट के बावजूद गर्भावस्था की परेशानियों से हर 2 मिनट में एक महिला की मौत हो जाती है। 2020 में लगभग 70 प्रतिशत मौतें उप-सहारा अफ्रीका में हुईं, जहां यह दर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की तुलना में 136 गुना अधिक है। अफगानिस्तान में, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, चाड, कांगो, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन के लोग गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। बेलारूस में मातृ मृत्यु दर में रिकॉर्ड 95.5% की कमी आई। वहीं वेनेजुएला की हालत बेहद खराब है। 2016 और 2020 के बीच, मातृ मृत्यु दर संयुक्त राष्ट्र के 8 क्षेत्रों में से केवल दो में कम हुई जिसमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 35% और मध्य-दक्षिण एशिया में 16% रही। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में दर 17% तक बढ़ी है।

जरदारी की पार्टी बोली- एटमी हथियार मांग रहा आईएमएफ

फाइनेंस मिनिस्टर बोले- न्यूक्लियर वेपन्स पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की गठबंधन सरकार में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आरोप लगाया है कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) की नजर मुल्क के एटमी हथियारों और मिसाइलों पर है। आसिफ अली जरदारी की पार्टी के सांसद राजा रब्बानी के इस आरोप का जवाब फाइनेंस मिनिस्टर इशहाक डार ने दिया। कहा- मुल्क को हम पर भरोसा रखना चाहिए। हम अपने एटमी हथियारों और मिसाइल प्रोग्राम पर कोई समझौता नहीं करेंगे।

सरकार में ही मतभेद

पाकिस्तान डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएम) इस वक्त सत्ता में है। इसमें कुल 13 पार्टियां शामिल हैं। पीपीपी भी इनमें से एक है। इसके सांसद राजा रब्बानी ने गुरुवार को संसद में कहा- हमारे पास कई ऐसी रिपोर्ट्स आईं हैं, जिनमें कहा गया है कि आईएमएफ इसलिए कर्ज की किश्त जारी नहीं कर रहा, क्योंकि उसकी नजर हमारे एटमी हथियारों और मिसाइल प्रोग्राम पर है। फाइनेंस मिनिस्टर को बताना चाहिए कि हकीकत क्या है। हमें इस बारे में जानकारी क्यों नहीं दी। इसके जवाब में इशहाक डार ने कहा- हम भी हैरान हैं कि तमाम बातें और शर्तें साफ हो जाने के बावजूद आईएमएफ

किश्त जारी क्यों नहीं कर रहा। फिर भी मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हम एटमी हथियारों और मिसाइल प्रोग्राम पर कोई समझौता नहीं करेंगे।

डार के बयान के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी सोशल मीडिया पर कहा- पाकिस्तान किसी भी सूरत में अपने न्यूक्लियर एसेट्स या मिसाइल प्रोग्राम पर समझौता नहीं करेगा।

एटम बम बनाने में पाकिस्तान आगे

अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जिसका रक्षा बजट सबसे ज्यादा है। हालांकि 2022 में भारत ने अपने कुल जीडीपी का 2.4% पैसा रक्षा बजट पर खर्च किया है, जबकि पाकिस्तान अपने कुल जीडीपी का 3.74% रक्षा बजट पर खर्च करता है। 18 मई 1974 को भारत ने पहली बार परमाणु बम का सफल परीक्षण किया था। वहीं पाकिस्तान ने 28 मई 1998 को पहली बार परमाणु बम का परीक्षण किया था। इस वक्त पाकिस्तान के पास 165 परमाणु बम हैं, जबकि भारत के पास 160 परमाणु बम ही हैं।

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर क्या है भारत-पाक की नीति?

भारत ने साल 1999 में अपनी 'नो फर्स्ट यूज' की परमाणु नीति घोषित की थी। इसके मुताबिक भारत कभी भी परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। भारत केवल परमाणु हमला होने की स्थिति में ही अपने परमाणु बमों का सहारा लेगा।

चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध से असल नुकसान अमेरिकी उपभोक्ताओं को ही हुआ

वॉशिंगटन, 18 मार्च (एजेंसियां)। चीन के खिलाफ अमेरिका ने 2018 में जो व्यापार युद्ध शुरू किया, वह उसके लिए खुद को नुकसान पहुंचाने वाला कदम साबित हुआ है। तत्कालीन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने तब चीन से आयात होने वाली 300 बिलियन डॉलर की वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिए थे। मकसद अमेरिका में चीन की वस्तुओं का बाजार घटाना था। लेकिन अब अमेरिका के इंटरनेशनल ट्रेड कमीशन (यूएसआईसी) ने तब कई हलकों से जताई गई इन आशंकाओं की पुष्टि कर दी है कि उस कदम से असल नुकसान अमेरिकी उपभोक्ताओं को हुआ। ट्रेड कमीशन में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य शामिल रहते हैं। इनमें दोनों दलों- डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों को नुमाइंदगी मिलती है। आयोग ने ट्रेड वॉर को 'सेल्फ इनफ्लिक्टेड हार्म' बताया है। यूएसआईसी ने अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़े नतीजों का अध्ययन किया। उसके बाद तैयार अपनी रिपोर्ट में आयोग ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन के फैसले के कारण चीन से आयातित ज्यादातर चीजों के दाम बढ़ गए। उनमें कंप्यूटर उपकरण, सेमीकंडक्टर, फर्नीचर और ऑडियो-वीडियो उपकरण शामिल हैं।

क्या यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए पुतिन को मना पाएंगे शी जिनपिंग?

हांग कांग, 18 मार्च (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रूस यात्रा से ठीक पहले अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के खिलाफ वारंट जारी कर इस मामले में नया पहलू जोड़ दिया है। इससे पश्चिमी विश्लेषकों को शी को घेरने का मौका मिलेगा। पश्चिम में आरोप लगाया जाएगा कि जिस नेता के खिलाफ युद्ध अपराध के आरोप में वारंट जारी हुआ है, शी जिनपिंग उनसे मुलाकात कर उन्हें वैधता प्रदान कर रहे हैं। इस संभावना को देखते हुए चीन समर्थक मीडिया तंत्र भी सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग में चीन और रूस के समर्थकों अकाउंट्स ने सवाल उठाए गए हैं कि आईसीसी ने अफगानिस्तान, इराक और लीबिया पर अमेरिका के नेतृत्व में नाटो के हमलों के दौरान हुए कथित युद्ध अपराध के मामलों में ऐसी सक्रियता क्यों नहीं दिखाई?

रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की इस प्रतिक्रिया को इन अकाउंट्स पर व्यापक रूप से शेयर किया गया है कि आईसीसी के वारंट का टॉयलेट पेपर के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। शी जिनपिंग 20 से 22 मार्च तक रूस की यात्र पर रहेंगे। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय) ने एक बयान में कहा है कि शी और पुतिन दोनों देशों की व्यापक सहभागिता और रणनीतिक संपर्क को और आगे बढ़ाएंगे।

19 नए जिलों से कैसे बदल जाएगा राजस्थान: हर संभाग में 4 से 6 जिले

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान में 19 नए जिले और 3 नए संभाग बनाने की घोषणा की। अब 50 नए जिले और 10 संभाग हो जाएंगे। इसी के साथ जिलों की संख्या के मामले में राजस्थान देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य बन जाएगा।

फिलहाल सबसे ज्यादा 75 जिले उत्तर प्रदेश में हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर मध्यप्रदेश में 53 जिले हैं। फिलहाल राजस्थान में 33 जिले हैं। 3.42 लाख स्कवायर किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। नए जिले और संभागों की घोषणा को लेकर 2 बड़े फैक्टर सामने आए। पहला भौगोलिक और दूसरा राजनीतिक।

जिले बनने के भौगोलिक कारण

भूगोलविदों का कहना है कि इस इक्वेशन के साथ अब राजस्थान में औसतन एक संभाग में 5 जिले होंगे। हालांकि भौगोलिक दृष्टि से ये संख्या 4 से 6 के बीच रह सकती है। मगर 4 से कम और 6 से ज्यादा जिले एक संभाग में नहीं होंगे। हमने जब नए जिलों और उनसे संबंधित पुराने जिलों के बीच की दूरियां निकाली तो कई जिलों में 100 किलोमीटर से ज्यादा दूरी सामने आई।

सबसे बड़ी दूरी जोधपुर से फलोदी के बीच थी। दोनों के बीच लगभग 145 किलोमीटर की दूरी है। जानकारों का कहना है कि नए जिले बनने से सबसे बड़ा फायदा दूरी को लेकर ही होता है। लोगों को जिला बनने से उसे कई सुविधाएं अपने ही क्षेत्र में मिलती हैं। इसके लिए उसे सैकड़ों किलोमीटर दूर जाना पड़ता था।

नए जिले बनने से अब इन जिलों के लोगों को इतना लंबा सफर तय कर अपने कामों के लिए जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। कलेक्ट्रेट, जिला परिषद, जिला परिवहन कार्यालय, जिला रसद कार्यालय, जिला न्यायालय, जिला अस्पताल, जिला मुख्य चिकित्सा विभाग, जिला शिक्षा विभाग जैसी प्रमुख सुविधाएं नए जिलों के लोगों को अपने ही क्षेत्र में मिलने लगेंगी।

कुशलगढ़ से 204 किमी का सफर कर व्यक्ति पहुंचता था उदयपुर

सीकर, बांसवाड़ा और पाली के रूप में तीन नए संभाग बनाए गए हैं। इन तीन नए संभाग बनने से आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ा फायदा पहुंचेगा। इसे इस तरह समझा जा सकता है।

सीकर, बांसवाड़ा, पाली को क्यों बनाया संभाग?

बांसवाड़ा : बांसवाड़ा फिलहाल उदयपुर संभाग में आता है। बांसवाड़ा से उदयपुर की दूरी 156 किलोमीटर है। बांसवाड़ा के दक्षिणी क्षेत्र कुशलगढ़ से उदयपुर की दूरी 204 किलोमीटर है। ऐसे में बांसवाड़ा में संभागीय मुख्यालय बनने से अब बांसवाड़ा के व्यक्ति को इससे संबंधित काम के लिए 156 किलोमीटर दूर उदयपुर नहीं जाना पड़ेगा। यही फायदा आसपास के क्षेत्र के लोगों को भी होगा।

सीकर : सीकर फिलहाल जयपुर संभाग में आता है। सीकर से जयपुर की दूरी 117 किलोमीटर है। ऐसे में सीकर के व्यक्ति को संभागीय मुख्यालयों से जैसे कामों के लिए लंबा सफर तय कर जयपुर आना पड़ता था। अब ऐसा नहीं करना होगा।

पाली : पाली फिलहाल जोधपुर संभाग में आता है। जोधपुर से पाली की दूरी फिलहाल 67 किलोमीटर है। इसी तरह जोधपुर संभाग में आने वाले जालोर से जोधपुर की दूरी 137 किलोमीटर है। ऐसे में जालोर के व्यक्ति के पास पाली संभागीय मुख्यालय में आने से फायदा होगा।

जिलों के बनने का राजनीतिक कारण

19 नए जिलों की घोषणा के अपने राजनीतिक फायदे हैं। राजनीतिक विश्लेषक और लोकनीति-सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय लोढ़ा कहते हैं कि जब किसी जगह की लंबे समय से चली आ रही डिमांड होती है। वो डिमांड जब तक पूरी नहीं होती, लोगों में आक्रोश रहता है। मगर जब उसे पूरा किया जाता है तो उसके कई फायदे होते हैं।

जिन जिलों की घोषणा हुई है। उनमें से कुछ जिलों की मांग तो पहले से हो ही रही थी। कुछ क्षेत्र ऐसे थे, जहां की मांग जोरों से नहीं थी। मगर जैसे ही ये 7-8 नए जिले बना दिए जाते तो बाकी क्षेत्रों के लोगों में निगेटिविटी पनपती। यह चुनाव के लिए हानिकारक हो सकता था। प्रोफेसर लोढ़ा कहते हैं कि राजस्थान भौगोलिक रूप से सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान से छोटे राज्यों में ज्यादा जिले और संभाग थे। ऐसे में सभी क्षेत्रों को इसमें शामिल करके राजनीतिक रूप से एक परिपक्व निर्णय किया गया है। यह निर्णय भौगोलिक और प्रशासनिक के साथ-साथ राजनीतिक रूप से भी अच्छा है।

राजनीतिक रूप से जिलों के मायने

जानकारों का कहना है कि बालोतरा, ब्यावर, डीडवाना, नीमकाथाना, फलोदी, कोटपूतली जैसे जिलों की मांग पहले से ही थी। व्यवहारिक रूप से भी माना जा रहा था कि इन क्षेत्रों में जिलों की जरूरत है। मगर इसके अलावा सीएम गहलोत ने बाकी के जिले बनाने में राजनीतिक जरूरत को भी साधा। ऐसे इलाके जहां कांग्रेस कमजोर थी। उन इलाकों को शामिल कर कांग्रेस को संजीवनी देने की कोशिश की। वहीं, जहां कांग्रेस मजबूत है। वहां और भी ज्यादा मजबूत करने का प्रयास किया है।

आदिवासियों में कांग्रेस को मजबूत करने की तैयारी, 25 सीटों पर असर

बांसवाड़ा को संभाग और सलूंबर को जिला बनाने की घोषणा कर गहलोत ने आदिवासियों को साधने की कोशिश की है। राजस्थान में 25 आदिवासी सीटें हैं। सलूंबर आदिवासी विधानसभा सीट है। सीडब्ल्यूसी सदस्य रघुवीर मीणा का विधानसभा क्षेत्र है। इससे वे मजबूत होंगे। बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और सलूंबर 4 आदिवासी जिले इस संभाग में शामिल हो सकते हैं। दक्षिणी राजस्थान में पहले कांग्रेस मजबूत थी। मगर पिछले कुछ चुनावों में बीजेपी ने यहां अपनी पकड़ मजबूत की।

पाली-जालोर में कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास, यहां कांग्रेस कमजोर

पाली को संभाग और जालोर के सांचौर को जिला बनाने की घोषणा कर गहलोत ने इस क्षेत्र को मजबूत करने की कोशिश की है। जालोर, पाली और सिरोही में कांग्रेस बेहद कमजोर है। सरकार होने के बावजूद वर्तमान विधानसभा में यहां 14 में से सिर्फ 1 सीट पर कांग्रेस है। जबकि 11 सीटों पर बीजेपी है। 2 सीट निर्दलियों के पास है। यहां सिर्फ सांचौर से सुखराम विश्नोई ही कांग्रेस के रूप में जीत सके हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास किया गया है।

सीकर को संभाग बना जाट बैल्ट को छूने की कोशिश

सीकर को संभाग बनाकर गहलोत ने राजस्थान में प्रभावी मानी जाने वाली जाट कौम को भी साधने का प्रयास किया है। शेखावटी क्षेत्र में जाटों का प्रभाव है। ऐसे में इस क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा यहीं से आते हैं। ऐसे में वे भी इससे मजबूत होंगे।

अजमेर में कांग्रेस को फिर से जगाने की कोशिश

अजमेर संभाग में भी कांग्रेस काफी कमजोर है। अजमेर जिले की 8 विधानसभा में से सिर्फ 2 में ही कांग्रेस है। इसके अलावा भीलवाड़ा में भी कांग्रेस कमजोर है। ऐसे में अजमेर जिले से ब्यावर, केकड़ी को जिला बनाया गया। वहीं, भीलवाड़ा से शाहपुरा को जिला बनाया गया है। केकड़ी को जिला बनाने से पूर्व मंत्री और गुजरात प्रभारी डॉ. रघु शर्मा मजबूत होंगे। केकड़ी उन्हीं की विधानसभा है। इसके अलावा भीलवाड़ा में भी कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास है।

डीडवाना-डीग से मुस्लिमों को भी साधने की कोशिश

गहलोत ने नागौर के डीडवाना और भरतपुर के डीग को जिला बनाकर मुस्लिमों को भी साधने का प्रयास किया है। दोनों जगहों पर अच्छी संख्या में मुस्लिम वोटर हैं। ऐसे में एक तरफ प्रदेश के तमाम मंदिरों के जीर्णोद्धार और विकास के बीच यह बैलेंसिंग करने की कोशिश की है। डीडवाना और डीग विधानसभा और उस क्षेत्र में मुस्लिमों का अच्छा प्रभाव है।

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा, संभाग बनने पर सीकर में वकीलों ने निकाला जुलूस - बजट पास पर डोटासरा ने कहा

सीकर, 18 मार्च (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को बजट पास में सीकर को संभाग बनाने की घोषणा की। इसके बाद आज जयपुर से लक्ष्मणगढ़ जाते समय सीकर में रामू का बास तिराहे पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत ने जनता के लिए इतनी घोषणा कर दी है कि अब विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं बचा है।

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सीकर में नीमकाथाना को जिला बनाना और

सीकर को संभाग बनाना पॉपुलर डिमांड थी। सीएम अशोक गहलोत ने जनता की मांग का आदर करते हुए सीकर को संभाग और नीमकाथाना को जिला बना दिया। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि अभी भी सीकर में पांच से छह तहसील में पानी का काम होना बाकी है। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी में एक बेसिक फर्क यह है कि कांग्रेस हमेशा यह सोचती है कि जनता के लिए क्या करें लेकिन भाजपा को जनता से कोई मतलब नहीं होता वह केवल सत्ता कैसे हासिल हो इसी काम में लगी रहती है।

वही सीकर में अभिभाषक संघ के बैनर तले वकीलों ने सीकर को संभाग बनाने की खुशी जाहिर करते हुए जुलूस निकाला।

जिसमें सीकर के वकील डीजे की धुन पर थिरकते हुए नजर आए। जुलूस सीकर के कोर्ट परिसर से शुरू होकर कल्याण सर्किल, तापड़िया बगीची, फागलवा पेट्रोल पंप होते हुए जाट बाजार पहुंचा। अभिभाषक संघ सीकर के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया कि सीकर को संभाग बनाने की मांग को लेकर वकील और व्यापारियों ने लंबा संघर्ष किया। जिसके बाद सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को सीकर के लिए ऐतिहासिक घोषणा कर दी है।

पूर्व विधायक, वीरांगना के घर राशन लेकर पहुंचे

हीरालाल नागर बोले- वीरांगना को लेकर पैतृक गांव को निकले, पीछे 4 बाइक पर पुलिसकर्मी चले

कोटा, 18 मार्च (एजेंसियां)। वीरांगना मधुबाला मीणा अपने गांव सांगोद में है।पिछले 6 दिन से वीरांगना की आवास के बाहर पुलिसकर्मी तैनात है। बाजार में सामान लेने जाने या मंदिर जाते समय पुलिस जवानों के पीछे पीछे चलने के कारण वीरांगना ने परेशान है। वीरांगना के घर का राशन खत्म होने की सूचना पर सांगोद के पूर्व विधायक व बीजेपी नेता हीरालाल नागर शुक्रवार को जरूरत की राशन सामग्री लेकर वीरांगना के घर पहुंचे। हीरालाल नागर ने पुलिस के आला अधिकारियों से वीरांगना के घर के बाहर पुलिस कर्मियों के तैनात करने का कारण पूछा, लेकिन

उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

गांव तक पुलिसकर्मी साथ गए

हीरालाल नागर ने बताया कि वीरांगना का छोटा देवर चोटिल हो गया था। वीरांगना अपने बुज़ुर्ग सास ससुर से भी मिलने अपने पैतृक गांव विनोद कला जाना चाहती थी। दोपहर में वीरांगना को अपनी गाड़ी में बैठाकर गांव के लिए निकले। उस समय 4 बाइक पर 8 लोग पीछे पीछे आए। हम तीन अलग अलग गांव में गए। वहां भी बाइक सवार पीछे पीछे आए। हम तीनों जगह बैठकर वापस सांगोद लौटे। बाइक सवार भी हमारे पीछे पीछे वापस सांगोद आए।

हीरालाल ने कहा कि जब वीरांगना को अपनी कार में बैठाकर कर उनके पैतृक गांव ले जाने लगा, तब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया और पूछताछ की। लेकिन पुलिसकर्मियों को कुछ नहीं बताया। हीरालाल ने कहा कि देश की वीरांगनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए उनके साथ ऐसा बर्ताव किया जा रहा है जैसे वह कोई अपराधी हो। ये निंदनीय है।

बजट की घोषणा के बाद पहला उद्घाटन

राजस्व मंत्री जाट बोले... प्रदेश में कुल बजट का 7 प्रतिशत स्वास्थ्य पर खर्च करती है सरकार

भीलवाड़ा, 18 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मांडल हॉस्पिटल को उप जिला हॉस्पिटल में क्रमोन्नत करने के बाद शनिवार को यहां पर सोनोग्राफी मशीन का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। जहां लोगों ने सरकार द्वारा दी गई इस सौगात का राजस्व मंत्री को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री जाट ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की आमजन को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के प्रयासों में निरंतर प्रयासरत है। राजस्थान पूरे देश में एक ऐसा राज्य है जो अपने कुल बजट का 7 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर

खर्च करता है। मंत्री जाट ने बताया कि मांडल में आगामी 28 मार्च को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में उप जिला हॉस्पिटल का शिलान्यास किया जाएगा। साथ ही इसकी टेंडर प्रक्रिया जल्दी ही पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

कार्यक्रम में मौजूद सीएमएचओ डॉ. मुस्ताक खां ने बताया कि मांडल हॉस्पिटल में सोनोग्राफी मशीन की सेवाओं से लोगों को काफी फायदा मिलेगा। इससे पहले मांडल के आस-पास के गांवों से गर्भवती महिलाओं व अन्य मरीजों को जिला हॉस्पिटल आना पड़ता था। उन्होंने कहा कि दो सप्ताह में हॉस्पिटल में रेडियोलॉजिस्ट की कमी को पूरा कर दिया जाएगा। जिसके बाद लोगों ने कोई परेशानी नहीं आएगी।

इस दौरान कार्यक्रम में तहसीलदार मदन परमार, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी राम लाल चौधरी, पीएमओ मनोज बसेर, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष संजय तिवाड़ी, सुवाणा उपप्रधान श्याम लाल गुर्जर, पूर्व सरपंच जगदीश चौधरी, रावत महेंद्र सिंह चुंडावत सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बिजली गिरने से बच्चे सहित तीन की मौत

10 लोग बुरी तरह झुलसे; जयपुर में मूसलाधार बारिश, छाया अंधेरा

जयपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एक्टिव हुआ नया वेदर सिस्टम किसानों पर जमकर कहर बरपा रहा है। शुक्रवार को नागौर व पाली में तेज बारिश के साथ गिरी बिजली ने एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। कुदरत के इस कहर से खेतों में काम कर रहे 10 किसान बुरी तरह झुलस गए। वहीं, तेज बारिश और आंधी के कारण जयपुर-जोधपुर में दोपहर बाद अचानक अंधेरा छा गया।

जयपुर शहर के अधिकतर हिस्सों में लाइट गुल हो गई और मुख्य सड़कों पर पेड़ व बिजली के पोल गिरने से लोगों को खासी परेशानी हो रही है। प्रदेश के दस से ज्यादा जिलों में मौसम ने ली करवट से चार-पांच डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। शुक्रवार को नागौर में करीब 20 मिनट तक हुई मूसलाधार बारिश से किसानों की परेशानी बढ़ गई। खेतों में तैयार फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। वहीं, जिले के मेड़ता कस्बे में बिजली गिरने से खेत में जीरा एकत्रित कर रहे एक 45 साल के किसान शौकीन खान की मौत हो गई। इसी गांव में बिजली गिरने से एक भैंस भी मर गई। साथ ही आसपास के खेतों में काम कर रहे 10 से ज्यादा किसान बुरी तरह से झुलस गए। सभी को मेड़ता सिटी अस्पताल में पहुंचाया गया।

वहीं, पाली में भी बिजली ने कहर बरपाया है। यहां के जैतारण में खेत में काम कर रही एक महिला जमिला (40) बेटे के साथ पेड़ के नीचे खड़ी थी। अचानक बिजली पेड़ पर गिर गई। हादसे में महिला और एक बकरी की मौत हो गई। वहीं मासूम साहिब (4) घायल हो गया। बच्चे ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया।।

जयपुर में आंधी के साथ बरसात

राजधानी जयपुर में शाम 5 बजे बाद मौसम में बदलाव हुआ और आंधी चलनी शुरू हो गई। करीब 40 किलोमीटर की स्पीड से चली इन हवाओं के साथ बारिश भी शुरू हो गई। जेएलएन मार्ग, टोंक रोड, एमआई रोड, झोटवाड़ा, सिरसी, हरमाड़ा, सीकर बाइपास, विद्याधर नगर, वैशाली नगर समेत कई जगहों पर धूल उड़ने से आसमान मटमैला हो गया।

ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। मौसम का ये रूप जयपुर के अलावा नागौर, सीकर, अजमेर, राजसमंद, उदयपुर क्षेत्र में भी रहा। इन जिलों में स्पीड से हवा चली। जोधपुर के कापरड़ा सहित आसपास के गांवों में भी बरसात हुई।

इससे पहले बीकानेर, सीकर में आज सुबह बारिश हुई। मार्च में अभी तक दो बार बेमौसम की बरसात हो चुकी है। प्रदेश के किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं। कटाई के लिए तैयार गेहूं, चना, सरसों, जीरा, इसबगोल की फसलों को बारिश-ओलों से बड़ा नुकसान पहुंचा है। मौसम केंद्र जयपुर ने 20 मार्च तक मौसम ऐसे खराब रहने का अनुमान व्यक्त किया है। उधर, मौसम के इस बदलाव से दिन का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

गंगानगर के सूरतगढ़, रायसिंहनगर, अनूपगढ़ एरिया में गुरुवार रात तेज आंधी चली। फिर बारिश और ओलावृष्टि। इसी तरह झुंझुनूं के बुहाना, सीकर के खंडेला, पाटन, नागौर के डेगाना, मेड़ता एरिया में भी बारिश के साथ कहीं-कहीं ओले भी गिरे।

राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर 1 से लेकर 44 मिली मीटर तक बरसात हुई। जयपुर जिले के शाहपुरा कस्बे में सबसे ज्यादा 44मिली मीटर पानी बरसा। यहां ओले भी गिरे। इसी तरह जयपुर के पावटा में 22, विराटनगर में 7, चौंमू, जमवारामगढ़, कोटपूतली में 5-5 और बस्सी, नरेना, फागी, जोबनेर में 1 से 2मिली मीटर तक बारिश हुई। जैसलमेर जिले में 5मिली मीटर, सीकर के पाटन में 22मिली मीटर, भरतपुर के पहाड़ी में 16, नागौर के मेड़ता में 4, चित्तौड़गढ़ के बड़ी सादड़ी में 5, राजसमंद के कुंभलगढ़ में 4, बीकानेर के बिज्जू में 6 मिली मीटर बरसात रिकॉर्ड की गई है।

चंबल में डूबे एमपी के 7 श्रद्धालु: करौली में कैलादेवी दर्शन करने जा रहे थे

करौली, 18 मार्च (एजेंसियां)। चंबल नदी में डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मध्य प्रदेश से कैला देवी के दर्शन करने जा रहे 7 पदयात्री चंबल नदी में डूब गए। गोताखोरों और एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। मामला करौली जिले के मंडरायल थाना इलाके के रोधई घाट क्षेत्र का है। अब तक 3 शव निकाले जा चुके हैं।

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के चिलांद गांव से श्रद्धालुओं का एक जत्था कैला देवी के दर्शन के रवाना हुआ था। इसमें 17 पैदल यात्री शामिल थे। इस बीच, शनिवार सुबह करीब 7 बजे मंडरायल के रोंधई गांव के पास छोई घाट पर चंबल नदी में ये हादसा हो गया। पदयात्री गहरे पानी में फंस गए और एक के बाद एक डूबते चले गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुबह करीब सात बजे हुए हादसे के करीब आधे घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। दोपहर दो बजे तक दो पुरुष व एक महिला का शव निकाला जा चुका है। इनमें से एक व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है। मृतकों की पहचान देवकीनंदन (50) और महिला कल्लो के तौर पर हुई है। वहीं, रुक्मणी (24) पत्नी दीपक, लवकुश (12) पुत्र थानसिंह, ब्रजमोहन (17) पुत्र पप्पू, अलोपा बाई (45) पत्नी देवकीनंदन और रश्मि (19) पत्नी सुनील लापता हैं।

मौके पर तीन मेडिकल टीम है और 4 लोगों को इलाज के लिए मंडरायल हॉस्पिटल भेजा गया है। जत्थे में से 10 लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। करीब तीन घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। 4 लोग अभी भी लापता हैं। कलेक्टर अंकित कुमार सिंह और एसपी नारायण टोगस भी मौके पर पहुंचे। घटना को लेकर मंत्री रमेश मीणा ने कलेक्टर से बात की है।

कलेक्टर ने बताया कि चंबल में 7-8 पद यात्रियों के डूबने की सूचना मिली थी। अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं।

'छोटे हॉस्पिटल, क्लीनिक को खत्म कर देगा आरटीएच बिल'

प्राइवेट डॉक्टर हड़ताल पर उतरे, बोले, डॉक्टर के कमाई अधिकार छीन लेगा

कोटा, 18 मार्च (एजेंसियां)। राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में प्राइवेट डॉक्टर्स आज से हड़ताल पर उतर गए। संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले जिले के करीब 125 हॉस्पिटल्स, क्लिनिक से जुड़े डॉक्टर्स व स्टाफ ने ओपीडी व इमरजेंसी सेवाओं का बहिष्कार किया। विज्ञान नगर पुलिया पर इकठ्ठा होकर बिल का विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने बिल को वापस लेने की मांग करते हुए राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन में शामिल हुए डॉक्टर

केवल कृष्ण डंग ने कहा कि सरकार 21 मार्च को राइट टू हेल्थ बिल विधानसभा में लाना चाहती है। बिल में प्राइवेट हॉस्पिटल्स को आम जनता के लिए निशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया है। इस बिल के तहत सभी प्राइवेट हॉस्पिटल क्लीनिक को पाबंद किया जा रहा है। लेकिन असल में यह राइट टू हेल्प बिल प्राइवेट हॉस्पिटल्स व क्लीनिक को धीरे-धीरे खत्म कर देगा। इससे प्राइवेट डॉक्टर का कमाने का अधिकार खत्म हो जाएगा तो डॉक्टर्स, हॉस्पिटल व क्लीनिक कैसे चला पाएंगे? कॉलोनियों में खुले हुए छोटे नर्सिंग होम, क्लीनिक वो सब बंद हो जाएंगे। शहरों के अंदर दो या तीन बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल ही रह जाएंगे। इसके चलते आम जनता को 24 घंटे मिलने वाली सुविधाएं नहीं मिल पाएगी। डॉक्टर संजय जायसवाल ने कहा कि सभी प्राइवेट हॉस्पिटल्स, नर्सिंगहोम व लेबोरेट्री ने अनिश्चितकालीन बंद कर दिया है। हमारी मांग है कि राइट टू हेल्थ को लागू नहीं किया जाए। जब तक सरकार में लिखकर नहीं देगी कि राइट टू हेल्थ बिल को नहीं लाएंगे। तब तक यह आंदोलन अनिश्चितकालीन चलता रहेगा।

'मना बस्ती मना बड़ी' के कार्यों को मई तक पूरा करने का निर्देश

मंत्री ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने अधिकारियों को 'मना बस्ती मना बड़ी' के कार्यों को मई तक पूरा करने का निर्देश दिया है। मना बस्ती मन बाड़ी कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में कराए गए सरकारी स्कूलों के विकास कार्यों को लेकर शनिवार को नारायणगुडा स्थित केशव मेमोरियल में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में गृह मंत्री महमूद अली, सरकारी सचेतक एमएस प्रभाकर राव, एमएलसी सुरभि वनीदेवी, विधायक दान नागेंद्र, कालेरू वेंकटेश, महापौर विजयलक्ष्मी, उप महापौर श्रीलता रेड्डी, शिक्षा सचिव वकाती करुणा, आयुक्त देवसेना, जिला कलेक्टर अमय कुमार, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी रोहिणी, शिक्षा विभाग, जीएचएमसी, टीएसएमआईडीसी आदि विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों में सभी प्रकार की सुविधाएं एवं अधोसंरचना उपलब्ध कराकर विद्यार्थियों को सुखद वातावरण में शिक्षा प्रदान करना मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का उद्देश्य है। मना बस्ती मना बड़ी कार्यक्रम का जन्म इसी विचार से हुआ था। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए सरकार ने राज्य के 26,065 स्कूलों में विकास कार्य के लिए 7,289 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पहले चरण में 9,123 स्कूलों में 35 प्रतिशत विकास कार्य किया जाना था और इसके लिए 3,497 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। कार्यक्रम के तहत संबंधित विद्यालयों में सुरक्षा दीवार का निर्माण, भवनों की रंगाई-पुताई, बिजली सुविधा, पेयजल आपूर्ति, शौचालय निर्माण, फर्नीचर की व्यवस्था और ग्रीन चाक बोर्ड की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद जिले के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में 690 स्कूल हैं, पहले चरण में 239 स्कूलों को विकास कार्यों के लिए चिन्हित किया गया है और 44 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। विभिन्न कारणों से केवल 198 विद्यालयों में ही कार्य कराया गया है

लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी का पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट कर्नल वी विजय भानु रेड्डी का आज यदाद्री भुवनगिरि जिले के उनके पैतृक गांव बोम्माला रामाराम में पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी के नश्वर अवशेषों को सम्मान देने के लिए मल्काजगिरी, हैदराबाद में उनके आवास पर रखा गया था। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे अपनी पत्नी श्रीमती अर्चना पांडे के साथ दिवंगत लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी पुष्पांजलि अर्पित की और सुबह उनके आवास पर शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। दक्षिणी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह ने भी बहादुर को पुष्पांजलि अर्पित की। लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी का पार्थिव शरीर कल रात सेवा विमान से अरुणाचल प्रदेश से वायु सेना स्टेशन बेगमपेट पहुंचा, जहां स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर के सोमशंकर ने सैन्य और नागरिक प्रशासन के अधिकारियों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी। आर्मी एविएशन के लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी और मेजर जगन्नाथ ए ने 16 मार्च को एक ऑपरेशनल सॉर्टी के दौरान अरुणाचल प्रदेश आर्मी चॉपर दुर्घटना में ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी।

इसी क्रम में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने शहीद कर्नल वी. विनय भानु रेड्डी के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बहादुर अधिकारी की सेवाओं और बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। राज्यपाल ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। राज्यपाल ने कहा कि उनकी गहरी संवेदना बहादुर अधिकारी के परिवार के सदस्यों के साथ है। उन्हें श्रद्धांजलि देकर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देने का प्रयास किया।

खम्मम में भारत गौरव ट्रेन को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु राज्यों से शुरू हुई पहली भारत गौरव ट्रेन को खम्मम और उसके आसपास के रेल पर्यटकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। 26 रेल यात्री खम्मम रेलवे स्टेशन से "पुण्य क्षेत्र यात्रा: पुरी-काशी-अयोध्या" भारत गौरव ट्रेन में सवार हुए हैं। रेल यात्रियों का पारंपरिक स्वागत किया गया और पूरा स्टेशन परिसर आध्यात्मिक उत्साह से गुंजायमान हो गया।

रेल मंत्रालय ने रेल के माध्यम से देश के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को जोड़कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 'भारत गौरव ट्रेनें' शुरू की हैं।

अग्रणी महिला मंच ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि शनिवार को लोवर टैंक बंड स्थित गौशाला के सामने अन्ना दानम किया गया। गौ माता को चारा डाला गया। कई लोगो को खाना खिलाया गया। इस अवसर पर बबिता गर्ग,रितु गर्ग, सुनयना नरसरिया, प्रीति गोयल, रीता अग्रवाल,श्रद्धा सुखिया व पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

जीएचएमसी के जामबाग डिवीजन में वीडीसीसी रोड उद्घाटन कार्यक्रम भुलक्ष्म्मा मंदिर, पटेल नगर, गांधी भवन, जामबाग मंडल, गोशामहल विधानसभा में आयोजित हुआ। इस अवसर पर गोशामहल के विधायक राजा सिंह मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर जामबाग के पाषर्द राकेश जायसवाल के साथ गोदुगु श्रीनिवास यादव, कृष्णा, जगपति महेश, वेंकटेश , कृष्णा यादव, शेखर , मयूर कालेकर, अनिल यादव, अनिल, साई किरण, अरुण जगपति, प्रमोद, रेणुका, काजल, कल्पना, आनंद जैन, साईं भाई, पवन भाई, श्रीनु अन्ना, जनार्दन, भानु प्रकाश व अन्य।

जुक्कल में समस्या व मार्गदर्शन सोहला आयोजन

मदनूर , 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंनत श्री विभूषित जगतगुरु रामानंदाचार्य श्री नरेंद्रचर्या महाराज तेलंगाना उपपीठ जुक्कल मंडल डोसाप्ली बंगारपल्ली सेवा कमिटी सदस्य ने बताया कि आज समस्या मार्गदर्शन व सोहला प्रारम्भ किया गया। यह सोहला 19 मार्च को संपन्न होगा। स्वामी जी द्वारा समस्या मार्गदर्शन सोहला कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है। इस सोलह में तेलंगाना के साथ साथ महाराष्ट्र कर्नाटक राज्य से हजारों की संख्या में भक्त आकर अपने समस्या का स्वामी द्वारा समाधान किया। इस कार्यक्रम में कमिटी द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए जुक्कल पोलिस ने कड़ा बंदोबस्त किया है।

महेंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद स्थित माता वैष्णो देवी दरबार मंदिर में समाज सेवा उद्योगपति गोपाल जी बल्दवा को माता रानी की चुनरी ओढाकर सम्मान आशीर्वाद देते पुजारी। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्टी राज गुप्ता, सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल, पंडित मिश्रा, पंडित रामदास, रमाकांत, हेतल आदि उपस्थित रहे ।

सीपी ने लेफ्टिनेंट कर्नल उप्पला विनय भानु रेड्डी को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने आज अरुणाचल प्रदेश विमान हादसे में शहीद हुए लेफ्टिनेंट कर्नल उप्पला विनय भानु रेड्डी को श्रद्धांजलि दी। आज सुबह राचकोंडा कमिश्नर चौहान ने बोम्मलारामराम स्थित उनके आवास पर परिवार से मुलाकात की और कहा कि वे आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। इस दौरान मंत्री जगदीश रेड्डी, अलेरू विधायक गोंगीदी सुनीता, भुवनगिरी विधायक पैला शेखर रेड्डी, विधायक चिरुमर्थी लिंगैया, विधायक मैनमपल्ली हनुमंत राव, यदाद्री कलेक्टर पामेला सतपर्थी, डीसीपी भुवनगिरी राजेश चंद्रा, सेना के अधिकारी, एसीपी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बंडी संजय तेलंगाना महिला आयोग के सामने पेश हुए

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य महिला आयोग ने बीआरएस एमएलसी के कविता के खिलाफ राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय की अपमानजनक टिप्पणी पर गंभीर आपत्ति जताते हुए भाजपा नेता को भविष्य में महिलाओं के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करने से परहेज करने का निर्देश दिया है। संजय शनिवार को यहां आयोग के समक्ष पेश हुए। उन्होंने आयोग को बीआरएस एमएलसी के खिलाफ अपनी टिप्पणी पर एक लिखित स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने आयोग के सामने स्वीकार किया कि उन्होंने यह टिप्पणी 'जानबूझकर' नहीं की थी और यह सब 'स्वाभाविक रूप से' हुआ था।

ढाई घंटे की जांच के दौरान आयोग ने बीजेपी नेता के पिछले वीडियो पेश किए, जिसमें उन्होंने अलग-अलग मौकों पर महिलाओं के खिलाफ कुछ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। आयोग ने संजय को सख्ती से यह भी आदेश दिया कि वह महिलाओं के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित या अन्य अपमानजनक टिप्पणी करने से बचें। बीआरएस एमएलसी पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की टिप्पणियों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए, राज्य महिला आयोग ने उन्हें बुधवार को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, भाजपा नेता ने अनुरोध किया था कि वह शनिवार को पेश होंगे। आयोग की अध्यक्ष सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार को भी जांच करने और प्रकरण पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में सीएम केसीआर ने की हाई लेवल मीटिंग

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शनिवार को यहां प्रगति भवन में पेपर लीक की घटना को लेकर टीएसपीएससी के अध्यक्ष जनार्दन रेड्डी, पूर्व अध्यक्ष घंटा चक्रपाणि और अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव शाति कुमारी, मंत्री हरीश राव और के टी रामा राव भी मौजूद थे। विपक्षी दलों और छात्र संघों द्वारा सरकार पर भर्ती परीक्षाओं के संचालन में लापरवाही दिखाने का आरोप लगाते हुए कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन के साथ, मुख्यमंत्री की बैठक एक महत्व रखती है। पता चला है कि मुख्यमंत्री ने ग्रुप-1 की प्रारंभिक, डीएओ और एईई परीक्षाओं को रद्द करने के बाद मौजूदा स्थिति, अन्य पुनर्निर्धारित परीक्षाओं के लिए एहतियाती उपाय, राज्य लोक सेवा आयोग में सुधार की योजना और संचालन के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के बारे में चर्चा की है. पारदर्शी तरीके से आगामी परीक्षा विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा किए जा रहे पेपर लीक मामले की जांच की स्थिति के बारे में भी उनसे कथित तौर पर पूछताछ की गई है।

टोलीचौकी में परीक्षा केंद्र पहुंचे एके खान, छात्रों से की बातचीत

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईपीएस (सेवानिवृत्त) अल्पसंख्यक मामलों की सरकार के सलाहकार और टीएमआरईआईएस अध्यक्ष ए. के. खान ने शनिवार को इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की परीक्षाओं में शामिल होने वाले टीएमआरईआईएस छात्रों के परीक्षा केंद्र का दौरा किया। ए.के. खान ने टॉलीचौकी में एक परीक्षा केंद्र का दौरा किया और तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय जूनियर कॉलेज गोलकुंडा बॉयज-1 और गोलकोंडा गर्ल्स-1 और 2 के छात्रों के साथ बातचीत की। आज, छात्र अपनी परीक्षा दे रहे थे जब ए.के. खान केंद्र पहुंचे। उन्होंने परीक्षा समाप्त होने तक इंतजार किया और परीक्षा हॉल से बाहर निकलते ही छात्रों से मिले। छात्र अध्यक्ष टीएमआरईआईएस से मिलकर हैरान और खुश थे और उन सुझावों से प्रेरित थे जो उनकी परीक्षा के दौरान उनकी मदद करेंगे। एके खान ने पूछा कि उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है। विभिन्न धाराओं के छात्रों ने अपनी परीक्षाओं के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और अच्छे परिणाम का आश्वासन दिया। उन्होंने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में आत्म-प्रेरणा के महत्व पर जोर दिया।

एआईआरआरएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. श्रीधर ने अपने पदाधिकारियों के साथ नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ मुलाकात की। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को रेलव किराए में रियायत देने व अन्य नागरिक मुद्दों पर एक ज्ञापन भी सौंपा। रेल मंत्री ने मामलों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

प्रश्न पत्र लीक मामले में मंत्रियों, टीएसपीएससी बोर्ड के सदस्यों को बर्खास्त करें : भट्टी

आदिलाबाद जिले के खानपुर निर्वाचन क्षेत्र में पहुंची 'पीपुल्स मार्च'

हैदराबाद, 18 मार्च (एनएसएस)। कांग्रेस विधायक दल के नेता भट्टी विकमार्क ने कहा कि तेलंगाना राज्य लोक सेवा द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्रों के लीक होने के तुरंत बाद सभी संबंधित मंत्रियों और टीएसपीएससी के पूरे बोर्ड को उनके पदों से इस्तीफा देना चाहिए। आयोग (टीएसपीएससी)। उन्होंने यह भी मांग की कि टीएसपीएससी परीक्षा देने वाले छात्रों द्वारा भुगतान की गई फीस वापस करे और उन्हें लीक से हुई मानसिक पीड़ा की भरपाई करे। हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के तहत आदिलाबाद जिले के खानपुर निर्वाचन क्षेत्र में पीपुल्स मार्च का संचालन कर रहे भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मंत्रियों, टीएसपीएससी के अध्यक्ष और सभी सदस्यों को इस्तीफा देना चाहिए। अन्यथा, भारत के राष्ट्रपति को उनका निष्कासन सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने मांग की कि प्रश्नपत्रों के लीक होने के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों और गैर-अधिकारियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। "हमने बेरोजगार युवाओं की जरूरतों को पूरा करने और उन्हें अच्छी नौकरियां प्रदान करने के लिए तेलंगाना के लिए राज्य का दर्जा हासिल किया है। दुर्भाग्य से, बीआरएस सरकार ऐसा नहीं कर रही है। नौकरी की अधिसूचना लंबे इंतजार के बाद जारी की गई थी। हालांकि, प्रश्न पत्रों के लीक होने के कारण छात्रों और उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया। हाल के पेपर लीक ने राज्य के कई युवाओं की निराशा को और बढ़ा दिया है, जो रोजगार खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।" भट्टी ने कहा कि टीएसपीएससी ने उन परीक्षाओं को रद्द कर दिया है जिनके पेपर लीक हो गए थे और उन परीक्षाओं को दोबारा कराने का आश्वासन दिया है। हालांकि, उन परीक्षाओं को लिखने के लिए छात्रों ने जो खर्च किया है, उसकी जिम्मेदारी लेने की भी जरूरत है। भट्टी ने सिरसिल्ला कस्बे के बी वाई नगर के एक बेरोजगार युवक चिटिकेना नवीन कुमार (32) की आत्महत्या के लिए भी बीआरएस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लाखों युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है जिससे इतनी निराशा हुई है कि वे कठोर कदम उठा रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए. पीड़ित परिवार को 1 करोड़। साथ ही उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे निराश न हों और कठोर कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जल्द ही सत्ता में वापसी कर रही है और अगली सरकार बेरोजगारी की समस्या का समाधान करेगी।

रेवंत ने टीएसपीएससी पेपर लीक पर सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को सनसनीखेज टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर राज्य सरकार पर अपना हमला जारी रखा। उनके द्वारा आयोजित एक समीक्षा बैठक पर आईटी मंत्री केटीआर पर निशाना साधते हुए, टीपीसीसी प्रमुख ने मंत्री से पूछा कि उन्होंने पेपर लीक मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी के अधिकारियों को क्यों नहीं आमंत्रित किया। उन्होंने मंत्री से यह भी पूछा कि उन्होंने राज्य के शिक्षा मंत्री को इस मुद्दे पर मीडियाकर्मियों से बात करने की अनुमति क्यों नहीं दी। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि केटीआर राज्य सरकार के कुछ बड़े लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि केटीआर ने बिना एसआईटी के आधिकारिक बयान के कैसे कहा कि इस मामले में दो मुख्य आरोपी हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि केटीआर मामले को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे और सवाल किया कि पेपर लीक और आईटी मंत्री के बीच क्या संबंध है।

सीपीएम की जन चैतन्य यात्रा दूसरे दिन जारी

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्ट पार्टी सीपीएम की जन चैतन्य यात्रा आज दूसरे दिन में प्रवेश कर गई है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी ने शुक्रवार को वारंगल में यात्रा की शुरुआत की। यात्रा में अब तक हनमकोंडा, वारंगल, महबूबाबाद, मुलुगु, जयशंकर भूपालपल्ले जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यात्रा को राज्य के लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। जन चैतन्य यात्रा के आकर्षण का केंद्र पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की सैकड़ों बाइकों वाली बाइक रैली रही। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के महबूबाबाद विधायक भूपालपल्ले के विधायक गांद्रा वेंकट रमना रेड्डी और कुछ भाकपा नेताओं ने भी यात्रा में भाग लिया और पार्टी के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरबद्रम सहित सीपीएम नेताओं के साथ एकजुटता व्यक्त की। यात्रा इस महीने की 29 तारीख तक जारी रहेगी।

यूपी ने रोका मुंबई का विजयी रथ

5 विकेट से हराया, एक्लेस्टन ने सिक्स जमाकर जिताया

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का विजयी क्रम टूट गया है। टीम को यूपी वॉरियर्ज ने 5 विकेट से हराया। यह यूपी की तीसरी जीत है।

इस जीत के साथ ही यूपी ने अपने प्लेऑफ में प्रवेश करने की दावेदारी और मबजूत कर ली है।

मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में शनिवार के पहले मुकाबले में यूपी ने टॉस जीता और मुंबई को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की टीम 20 ओवर में 127 रनों पर ऑलआउट हो गई। यूपी की बल्लेबाजों ने 128 रनों का टारगेट 3 बॉल रहते 5 विकेट पर हासिल कर लिया। टीम को सोफी एक्लेस्टन ने सिक्स मारकर जिताया। टीम की जीत का श्रेय ताहलिया मैक्ग्रा (38) और ग्रेस हेरिस (39) की उपयोगी पारियों को गया। दोनों के बीच 34 बॉल पर 44 रनों की उपयोगी साझेदारी हुई। दीप्ति शर्मा ने 13 और किरण नवगिरे ने 12 रन बनाए। इससे पहले गेंदबाजी में सोफी एक्लेस्टन ने मुंबई के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई।

ऐसे गिरे यूपी के विकेट...

पहला : हेली मैथ्यूज ने दूसरे ओवर की पहली बॉल पर हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच कराया। दूसरा : छठे ओवर की पहली बॉल पर वॉन्ग ने हीली को एलबीडब्ल्यू कर दिया। तीसरा : सातवें ओवर की पहली बॉल पर ब्रंट ने किरण नवगिरे को यास्तिका के हाथों कैच कराया चौथा : 12वें ओवर की 5वीं बॉल पर अमीलिया केर ने मैक्ग्रा को कैच एंड बोल्ड किया। पांचवां: ग्रेस हेरिस को 16वें ओवर की चौथी बॉल पर अमीलिया केर ने वॉन्ग के हाथों कैच कराया।

मुंबई के बॉलर्स के नाम रहा पावर प्ले

यूपी की पारी का पावर प्ले मुंबई के गेंदबाजों के नाम रहा। इसमें यूपी की दो बल्लेबाज पवेलियन लौट गईं। टीम ने 6 ओवर के खेल में 27 रन बनाए। यूपी का टॉप ऑर्डर फ्लॉप रहा। उसकी टॉप-3 बल्लेबाज 21 रन ही जोड़ पाईं। ओपनर देविका वैद्य एक, कप्तान एलीसा हीली 8 और किरण नवगिरे 12 रन बनाकर आउट हुईं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ओपनर देविका वैद्य का शानदार कैच पकड़ा।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ओपनर देविका वैद्य का शानदार कैच पकड़ा।

अब देखिए मुंबई की पारी...

मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में यूपी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी को चुना। टॉस हारकर खेलने उतरी मुंबई की टीम ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 127 रन बनाए। ओपनर हेली मैथ्यूज ने तीन छक्कों से सजी 35 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर 25 रन बनाकर आउट हुईं। आखिरी में इजाबेल वॉन्ग ने 32 रन जोड़े। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं।

यूपी की सोफी एक्लेस्टन ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी गायकवाड़ को दो-दो विकेट मिले।

ऐसे गिरे मुंबई के विकेट...

पहला: 5वें ओवर की 5वीं बॉल पर अंजलि ने यास्तिका को बोल्ड कर दिया। दूसरा : सोफी एक्लेस्टन ने आठवें ओवर की तीसरी बॉल पर नेटली सीवर ब्रंट को एलबीडब्ल्य कर दिया। तीसरा: 11वें ओवर की चौथी बॉल पर एक्लेस्टन ने हेली मैथ्यूज को विकेटकीपर एलीसा हीली के हाथों कैच कराया। चौथा : 13वें ओवर की आखिरी बॉल पर राजेश्वरी ने अमीलिया केर को पार्श्वी के हाथों कैच कराया। पांचवां : 14वें ओवर की दूसरी बॉल पर दीप्ति शर्मा ने हरमनप्रीत को सिमरन के हाथों कैच कराया। कौर बड़ा हिट करना चाहती थीं। छठा : कप्तान एलीसा हीली ने सोफी एक्लेस्टन की बॉल पर अमनजोत कौर को स्टंपिंग कर दिया। सातवां : 17वें ओवर की आखिरी बॉल पर राजेश्वरी गायकवाड़ ने हुमायरा काजी को बोल्ड कर दिया। आठवां: 18वें ओवर की 5वीं बॉल पर दीप्ति शर्मा ने धरा गुज्जर को बोल्ड कर दिया। नौवां : 20वें ओवर की चौथी बॉल पर वॉन्ग रन आउट हो गईं। दसवां : पारी की आखिरी बॉल पर साइका इशाक भी रन आउट हो गईं। पावर प्ले के खेल में यूपी की गेंदबाज हावी रही। पहले 6 ओवर्स में मुंबई की बल्लेबाज महज 31 रन ही जोड़ सकीं। इतना ही नहीं, ओपनर यास्तिका भाटिया 7 रन बनाकर पवेलियन भी लौट गईं।

माइकल ब्रेसवेल आरसीबी में शामिल

चोटिल जैक्स की जगह एक करोड़ रुपये के बेस प्राइस में टीम से जुड़े

खेल डेस्क, 18 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम में शामिल हो गए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स चोट की वजह से आईपीएल 2023 से बाहर हो चुके है, उनकी जगह आरसीबी आरसीबी ने ब्रेसवेल को टीम में शामिल किया है। टाटा इंडियन प्रीमियर लीग ने अपनी वेबसाइट पर यह घोषणा की।

यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स की जगह न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल को साइन किया है। वह एक करोड़ रुपये के बेस प्राइस में आरसीबी से जुड़ेंगे।

ऑक्शन में अनसोल्ड ब्रेसवेल

दिसंबर में हुए ऑक्शन में माइकल ब्रेसवेल को कोई खरीदार नहीं मिला था। उनका बेस प्राइस एक करोड़ रुपये था। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का यह आलराउंडर पहले कभी आईपीएल में नहीं खेला है।

माइकल ब्रेसवेल का करियर

माइकल ब्रेसवेल ने साल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए अपना टी-20 डेब्यू किया था। 16 टी20आई मुकाबलों में उन्होंने 113 रन बनाने के साथ-साथ 21 विकेट भी अपने नाम किए है। इसके साथ ही 19 वनडे मैचों में उन्होंने 510 रन के अलावा 15 विकेट लिए है। वहीं सात टेस्ट मैचों में 259 रन और 19 विकेट झटके है।

बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल हुए जैक्स

चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए जैक्स को फ्रेंचाइजी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। जैक्स बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में फिल्डिंग करते हुए मसल इंजरी हुई थी। उनका इस हफ्ते की शुरुआत में स्कैन हुआ था और एक्सपर्ट की सलाह के बाद उन्होंने IPL के पूरे सीजन से हटने का फैसला किया।

31 मार्च से नया सीजन

आईपीएल का नया सीजन 31 मार्च से शुरू हो रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच खेला जाएगा। वहीं, दिल्ली का पहला मुकाबला लखनऊ से होगा।

स्टेडियम में गूंजा सचिन...सचिन...: जडेजा का हैरान करने वाला कैच

कोहली नाटू-नाटू पर थिरके ; भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे के मोमेंट्स

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहले वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही टीम इंडिया 3 वनडे की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। दूसरा वनडे रविवार को विशाखापट्टन में खेला जाएगा। पहले मैच की पहली पारी में डाइविंग कैच लेने वाले भारत के रवींद्र जडेजा प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

एक्टर रजनीकांत ने वीआईपी एरिया में बैठकर मैच देखा, स्टेडियम में 'सचिन...सचिन...' का शोर गूंजा और मोहम्मद सिराज ने फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के अंदाज में सेलिब्रेशन किया। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे।

1. जडेजा का शानदार डाइविंग कैच

पहली पारी में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर मिचेल मार्श ने 81 रनों की आतिशी पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने उन्हें हार्दिक पंड्या के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद जडेजा ने मार्नस लाबुशेन का शानदार डाइविंग कैच पकड़ा। 23वें ओवर की चौथी बॉल कुलदीप यादव ने ऑफ स्टंप पर शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ फेंकी। लाबुशेन ने कट किया, जडेजा शॉर्ट थर्ड मैन से बैकवर्ड पॉइंट की ओर दौड़े और 10 फीट दूर डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया।

लाबुशेन को 15 रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौटना पड़ा। जडेजा ने इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल का विकेट भी लिया। फिर दूसरी पारी में केएल राहुल के साथ 108 रनों की नाबाद पार्टनरशिप कर टीम इंडिया को जीत भी दिलाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

2. रजनीकांत, शरद पवार, फडणवीस ने देखा मैच

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मैच देखने के लिए कई पूर्व क्रिकेटर और बॉलीवुड के सितारे पहुंचे। इनमें एक्टर रजनीकांत और अजय देवगन भी शामिल रहे। इनके अलावा उद्योगपति आनंद महिंद्रा, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, पूर्व आईसीसी चेयरमैन शरद पवार और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन भी पहुंचे थे। सभी ने वीआईपी लॉन्ज में बैठकर मैच का लुत्फ उठाया।

3. सिराज का रोनाल्डो अंदाज में सेलिब्रेशन

मोहम्मद सिराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 29 रन देकर 3 विकेट लिए। ओपनर ट्रेविस हेड को बोल्ड करने के बाद उन्होंने सीन एबॉट और एडम जांपा के विकेट भी लिए। ऑस्ट्रेलियाई पारी में आखिरी विकेट लेने के बाद उन्होंने हवा में जंप किया। उनका सेलिब्रेशन पुर्तगाल के फेमस फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की तरह रहा। सिराज अक्सर विकेट लेने के बाद इसी तरह सेलिब्रेट करते नजर आते हैं।

4. स्टेडियम में गूंजा 'सचिन...सचिन....'

सचिन तेंदुलकर मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। उनके नाम पर वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड भी बना है। मैच के दौरान एक मोमेंट ऐसा भी था, जब स्टेडियम में बैठे दर्शक 'सचिन...सचिन...' का नारा लगा रहे थे। दर्शकों से भरे स्टेडियम में सचिन के अलावा विराट कोहली, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के नाम के नारे भी लगे।

5. विराट का 'नाटू-नाटू' डांस

मैच की पहली पारी में फील्डिंग के दौरान भारत के विराट कोहली ऑस्कर विनिंग गाने 'नाटू-नाटू' के डांस स्टेप करते नजर आए। पहले पावरप्ले के दौरान विराट स्लिप में खड़े थे, उस दौरान स्टेडियम में नाटू-नाटू गाना बजने लगा, इस पर विराट डांस करने लगे थे। विराट मैच में बैट से कुछ खास नहीं कर सके और 9 बॉल में 4 रन बनाकर अपने वनडे करियर में पहली बार मिचेल स्टार्क का शिकार हुए।

6. लगातार गेंदों में आउट हुए कोहली-सूर्या

189 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में ईशान किशन का विकेट गंवा दिया। उनके बाद पांचवें ओवर में मिचेल स्टार्क ने विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को भी पवेलियन भेज दिया। स्टार्क ने कोहली को ओवर की पांचवीं और सूर्यकुमार को छठी बॉल पर एलबीडब्ल्यू किया।

सूर्या के आउट होते ही भारत का स्कोर 16 रन पर 3 विकेट हो गया था, जिसके बाद स्टेडियम में सन्नाटा छा गया। स्टार्क ने 9.5 ओवर में 3 विकेट लेकर अपना स्पेल खत्म किया, लेकिन विकेटकीपर केएल राहुल और रवींद्र जडेजा की दमदार बैटिंग के बाद भारत ने मैच 5 विकेट से जीत लिया।

7. शुभमन गिल ने छोड़ा कैच, 2 जीवनदान भी मिले

भारत के ओपनर शुभमन गिल ने पहली पारी में एक आसान सा कैच छोड़ा। हार्दिक पंड्या की बॉल पर ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन ने कट किया, लेकिन बॉल स्लिप में चली गई। गिल ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथ से छूट गई। गिल ने इस गलती को सुधारा और आखिर में मार्कस स्टोयनिस और सीन एबॉट के शानदार कैच भी पकड़े।

दूसरी पारी में बैटिंग करने आए गिल को भी किस्मत का साथ मिला। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ और विकेटकीपर जोश इंग्लिस ने उनके कैच छोड़े। एक बार एलबीडब्ल्यू करार दिए जाने के बाद वह रिव्यू में बच गए। इन जीवनदानों का भी वह फायदा नहीं उठा सके और 11वें ओवर में स्टार्क की बॉल पर पॉइंट पर खड़े मार्नस लाबुशेन को कैच दे बैठे। गिल ने 31 बॉल में 20 रन बनाए।

जोकोविच मियामी ओपन में नहीं खेलेंगे

कोरोना वैक्सीन नहीं लगाने पर अमेरिका में नहीं मिली एंट्री

फ्लोरिडा, 18 मार्च (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अमेरिका के फ्लोरिडा में होने वाले एटीपी टूर्नामेंट मियामी ओपन में नहीं खेलेंगे। इसकी पुष्टि शनिवार को आयोजकों ने की। दरअसल, जोकोविच ने कोरोना वैक्सीन का टीका नहीं लगवाया है, जिसकी वजह से उन्हें अमेरिका में एंट्री नहीं मिल रही है। इससे पहले जोकोविच ने कैलिफोर्निया में 6 मार्च से 19 मार्च के बीच होने वाले इंडियन वेल्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था।

अमेरिकी नीतियों के मुताबिक बिना कोरोना वैक्सीन लगवाए व्यक्ति को यूएस में एंट्री नहीं दी जाती है। जोकोविच ने अमेरिकी अधिकारियों से स्पेशल प्रवेश देने के लिए अनुरोध किया था, लेकिन उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। मियामी ओपन 21 मार्च से 2 अप्रैल तक होना है।

मियामी ओपन टूर्नामेंट के निदेशक जेम्स ब्लेक ने कहा, 'मियामी ओपना दुनिया के प्रमुख टूर्नामेंट में से एक है, हम चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलें। हमने वो सब किया, जो हम कर सकते हैं। हमने सरकार से भी बात करने की कोशिश की। पर जोकोविच को परमीशन नहीं मिल पाई।'

सर्बियाई स्टार पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ओपन और यूएस ओपन भी नहीं खेल पाए थे। पिछले साल की शुरुआत में कोरोना वैक्सीन का सर्टिफिकेट नहीं होने के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया ओपन के बीच से ही वापस भेज दिया गया था। वैक्सीन नहीं लेने की वजह से ही वे US ओपन भी नहीं खेल पाए थे।

जोकोविच संयुक्त रूप से राफेल नडाल के साथ 22 ग्रैंड स्लैम जीतकर सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी हैं। इन दोनों के बाद रोजर फेडरर 20 ग्रैंड स्लैम जीतकर दूसरे नंबर पर हैं।

दुबई ओपन में जोकोविच को मेदवेदेव से मिली थी हार

जोकोविच को पिछले हफ्ते सीजन की पहली हार का सामना करना पड़ा। दुबई ओपन के सेमीफाइनल में उन्हें डेनियल मेदवेदेव ने सीधे सेटों में हराया था।

काउंटी क्रिकेट खेलेंगे अर्शदीप सिंह

केंट ने 5 मैचों के लिए बुलाया, जून और जुलाई में होंगे सभी मुकाबले

खेल डेस्क, 18 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे। वे जून और जुलाई में केंट के लिए 5 मुकाबलों में खेलते हुए नजर आएंगे। अर्शदीप सरे, वारविकशायर, नॉर्थम्पटनशायर, एसेक्स और नॉटिंघमशायर के खिलाफ खेलेंगे।

केंट टीम ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर यह घोषणा की। केंट ने लिखा, केंट क्रिकेट को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह जून और जुलाई के बीच काउंटी चैंपियनशिप के पांच मैचों में टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे।

इंग्लैंड में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हूं

अर्शदीप ने अब तक नहीं किया टेस्ट डेब्यू

अर्शदीप ने कहा कि उन्होंने भारत के मौजूदा पुरुष कोच राहुल द्रविड़ से केंट के बारे में अच्छी बातें सुनी हैं। द्रविड़ साल 2000 में क्लब के लिए खेले थे। अर्शदीप ने कहा, मैं इंग्लैंड में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हूं और प्रथम श्रेणी के खेल में सुधार करना जारी रखूंगा। राहुल द्रविड़ ने मुझे पहले ही बता दिया है कि इस क्लब का इतिहास शानदार है।

केंट के क्रिकेट निदेशक पॉल डाउटन ने कहा, हम इस समर पांच मैचों के लिए अर्शदीप सिंह जैसे शानदार खिलाड़ी के साथ जुड़कर खुश हैं। वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में वर्ल्ड क्लास हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह काउंटी क्रिकेट में लाल गेंद के साथ अपने उस कौशल का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

अब तक 29 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले

24 साल के अर्शदीप ने पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी-20 डेब्यू किया था। अब तक 26 टी-20 मैचों 8.39 की इकॉनमी से उन्होंने 41 विकेट लिए हैं। उन्होंने नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था। अर्शदीप ने अब तक तीन वनडे खेले है और तीनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले।

उन्होंने सीमित ओवरों में टीम इंडिया के लिए अब तक कुल 29 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन टेस्ट टीम में डेब्यू नहीं कर सके हैं। इसके अलावा उन्होंने ने सात प्रथम श्रेणी मैचों में 23.84 की औसत 25 विकेट लिए हैं। उन्होंने आईपीएल 2022 में पंजाब किंग्स के लिए 14 मैचों में 10 विकेट भी लिए थे।

गायत्री-त्रेसा लगातार दूसरे साल ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में

ऐसा करने वाली पहली भारतीय जोड़ी, चीन की मेई और जुआन को हराया

मेई और जुआन को 21-14, 18-21, 21-12 से हराया

खेल डेस्क, 18 मार्च (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर 16 त्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पुलेला की जोड़ी लगातार दूसरे साल ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप के महिला युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। यह पहली भारतीय जोड़ी है जो लगातार दूसरे साल अंतिम-4 में पहुंची है। 20 साल की गायत्री और 19 साल की त्रेसा ने 17 मार्च यानी शुक्रवार को महिला युगल क्वार्टर फाइनल में चीन की ली वेन मेई और लियू जुआन जुआन की जोड़ी को हराया। एक घंटे चार मिनट तक चले मैच में भारतीय जोड़ी ने मेई और जुआन की जोड़ी को 21-14, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। मैच के शुरुआत से ही भारतीय जोड़ी ली वेन मेई और लियू जुआन जुआन की जोड़ी पर हावी रही। पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। वहीं, जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अच्छी शुरुआत की। लेकिन चीन की जोड़ी ने वापसी करते हुए इस गेम को 21-18 से जीत लिया। निर्णायक और तीसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-12 से आसानी से जीत हासिल कर ली। भारत की युवा युगल जोड़ी ने दूसरे दौर के मैच में पूर्व विश्व नंबर 1 और पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन जापान की युकी फुकुशिमा और सयाका हिरोटा को सीधे गेम में हराया था। 50 मिनट तक चले इस मुकाबले में जापानी जोड़ी को 21-14, 24-22 से मात दी थी।

वहीं चैंपियनशिप के पहले दौर में भी भारतीय महिला जोड़ी ने बड़ा उलटफेर किया था। पहले दौर में जॉली और गायत्री ने 7वीं सीड जोड़ी जोंगकोलफान किटीथाराकुल और राविंडा प्रजोंगजाई को शिकस्त दी थी। उन्होंने किटीथाराकुल और प्रजोंगजाई को 21-18, 21-14 से हराया था।

क्रिकेटर हरभजन सिंह के नाम पर ठगी

इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाकर मांग रहे पैसे; भज्जी ने सावधान रहने को कहा

जालंधर, 18 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब से राज्यसभा सदस्य एवं टर्बनेटर के नाम से विख्यात अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरभजन सिंह भज्जी के नाम पर भी ठगों ने लोगों को लूटना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर हरभजन सिंह भज्जी के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से पैसे मांगे जा रहे हैं। इंस्टाग्राम पर भज्जी के नाम से अकाउंट बनाकर

ऑडियो मैसेज छोड़े जा रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरभजन सिंह भज्जी ने फर्जी अकाउंट के बारे में पता चलते ही कड़ा संज्ञान लिया है। हरभजन सिंह ने तुरंत अपने ट्विटर हैंडल पर मैसेज छोड़ा ' फेक अकाउंट से सतर्क रहें, यदि आपको कोई हरभजन 3 से मैसेज करता है और आपसे संपर्क करने की कोशिश करता है तो उसका जवाब न दें। वह आपसे पैसे मांगेगा और यह फर्जी अकाउंट है।'

पेपर लीक दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी : केटीआर

आईटी मंत्री ने युवाओं से राजनेताओं की टिप्पणियों पर नहीं भड़कने का आग्रह किया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री केटी रामाराव (केटीआर) ने कहा कि टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने युवाओं से कुछ राजनेताओं की राजनीति से प्रेरित टिप्पणियों से नहीं भड़कने का आग्रह किया। रामा राव ने कहा, "हम युवाओं के दर्द को समझते हैं, जो परीक्षा में शामिल हुए और हम उनके साथ खड़े हैं।" पूर्व में परीक्षा में बैठने वाले युवाओं के हित में दोबारा फीस नहीं ली जाएगी और चौबीसों घंटे स्टडी सर्किल संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा, परीक्षा की डिजिटल अध्ययन सामग्री युवाओं को मुफ्त में प्रदान की जाएगी और अध्ययन केंद्रों पर मुफ्त भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। टीएसपीएससी को और मजबूत करने के लिए अधिक व्यवस्थित सुधारों और प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग की योजना बनाई जा रही थी। इस आशय के लिए, टीएसपीएससी के सदस्यों, टीएसपीएससी के पूर्व अध्यक्ष गंटा चक्रपाणि ने कुछ मंत्रियों के साथ आज सुबह प्रस्तावित सुधारों के बारे में विस्तार से चर्चा की। शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आईटी मंत्री ने कहा कि विशेष जांच दल की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार सिस्टम में कोई हैकिंग नहीं हुई थी। तेलंगाना के गठन के बाद से, टीएसपीएससी ने 99 परीक्षाएं आयोजित की थीं और 4.5 लाख से अधिक उम्मीदवार इन परीक्षाओं में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के अलावा दो बार टीएसपीएससी के कामकाज और परीक्षाओं के संचालन की जांच की, कई राज्य लोक सेवा आयोग के अधिकारियों ने भी संबंधित राज्यों में दोहराने के लिए टीएसपीएससी के संचालन का अध्ययन किया था।

अतीत में, पक्षपात और अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे थे, जब आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अविभाजित राज्य में परीक्षा और साक्षात्कार आयोजित किए थे। पिछले आठ वर्षों में, टीएसपीएससी के खिलाफ एक भी आरोप नहीं लगाया गया था। उन्होंने कहा, "प्रश्न पत्र लीक दो व्यक्तियों द्वारा की गई गलतियों के कारण एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।" उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना सरकार युवाओं के कल्याण के लिए काम करती है और यह एकमात्र राज्य है जिसने स्थानीय उम्मीदवारों के लिए 95 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित करना सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय प्रणाली शुरू की है। पूर्व में इंटरमीडिएट परीक्षा घोटाले और टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक के लिए आईटी मंत्री को जिम्मेदार ठहराने की राज्य भाजपा इकाई की मांगों पर गंभीर आपत्ति जताते हुए उन्होंने पूछा कि क्या मध्य प्रदेश या असम में भाजपा सरकारों ने व्यापमं भर्ती घोटाले या पुलिस भर्ती घोटाले में किसी मंत्री या भाजपा नेता को बर्खास्त किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर युवाओं को सरकार के खिलाफ भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया और युवाओं से ऐसी ओछी राजनीति के बहकावे में नहीं आने का आग्रह किया।

बीआरएस ने डीजीपी से की शिकायत

आईटी मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि डीजीपी अंजनी कुमार के पास टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले की गहराई से जांच करने के लिए एक शिकायत दर्ज की गई है। घोटाले के आरोपियों में से एक सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता है। बंडी संजय ने आरोप लगाया था कि नौकरी के कई नोटिफिकेशन जारी करना और युवाओं को बीजेपी से दूर करना राज्य सरकार की साजिश है। रामा राव ने कहा कि अब चूंकि टीएसपीएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में एक भाजपा कार्यकर्ता आरोपियों में से एक था, इसलिए डीजीपी से अपील की गई थी कि पूरे प्रकरण में रची गई किसी भी राजनीतिक साजिश की जांच की जाए।

मौजूदा जज के जरिए मामले की जांच कराने की बीजेपी की मांग पर मंत्री ने कहा कि एसआईटी ने अभी तक अपनी जांच पूरी नहीं की है और पूछा कि लोगों, खासकर युवाओं में आशंकाएं क्यों पैदा की जा रही हैं। कोई भी सरकार किसी व्यक्ति की मंशा या विचारधारा को कैसे रोक सकती है? हालांकि, जांच में ऐसे सभी विवरणों का पता लगाया जाएगा।

भारी बारिश के साथ कई जगह हुई ओलावृष्टि

सड़कों पर पानी भरने से यातायात में कठिनाई

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अचानक भारी बारिश से लोगों को काफी परेशानी हुई। हालांकि मौसम विभाग पहले ही बारिश की घोषणा कर चुका था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद (आईएमडी) ने पहले ही चेतावनी जारी की थी। एक घंटे जमकर बारिश के कारण सड़कों पर पानी नजर आने लगा। शहर के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। शनिवार सुबह से जहां आसमान में बादल छाए रहे, वहीं शाम को अचानक ओलावृष्टि हुई। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया। जीएचएमसी के अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। कुतबुल्लापुर विधानसभा क्षेत्र चिंतल, आईडीपीएल, कुतबुल्लापुर, सुचित्रा, गंडी मैसम्मा, बाचुपल्ली, सूराराम, जुबली हिल्स के साथ-साथ बंजारा हिल्स, फिल्मनगर, मुसापेट, केपीएचबी, मियापुर में भी भारी ओलावृष्टि हुई। सड़कों पर भारी बारिश के पानी के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ इलाकों में निचले इलाकों में पानी भर जाने से लोगों को परेशानी हो रही है। कई जगहों पर बादलों की गर्जना और बिजली चमकने के साथ झमाझम बारिश भी हुई। मौसम विज्ञान केंद्र ने हैदराबाद में भारी बारिश की चेतावनी दी है। हैदराबाद के मौसम विभाग ने कहा है कि शनिवार शाम से हैदराबाद समेत पूरे तेलंगाना में भारी बारिश होगी। जंहा इस बात का पता चला है कि अगले दो दिनों तक राज्य के सभी हिस्सों में भारी बारिश होगी। दो दिनों से कई जिलों में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम केंद्र ने कहा है कि बादलों की गर्जना और बिजली चमकने के साथ तेज बारिश होगी. साफ है कि कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी होगी। फसल कटाई के समय बारिश से किसान बेहाल हैं। मौसम विभाग ने तेलंगाना के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। अगले दो दिनों तक भारी बारिश होने की घोषणा की गई है। मौसम विभाग ने कई जिलों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई है। लोगों को उचित सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

पुलिस ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामलों में 43 गिरफ्तारियां कीं

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में एडीजीपी सीआईडी महेश एम. भागवत द्वारा टिपलाइन के आधार पर विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज साइबर अपराध के मामलों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। टिपलाइन में मुख्य रूप से बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को अपलोड करना और उसका व्यापक प्रसार शामिल है। कुल 31 मामलों की समीक्षा की गई जो जांच के विभिन्न चरणों में थे। अब तक कुल 43 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। समीक्षा के बाद 10 मामलों में कुल 21 गिरफ्तारियां की गईं। साथ ही समीक्षा के समय तक 16 मामलों में 22 गिरफ्तारियां की गईं। समीक्षा के बाद कुल 13 नए मामले दर्ज किए गए। टिपलाइन के आधार पर आज तक कुल 44 मामले दर्ज किए गए हैं। जिनमें से 34 मामले जांच के अधीन हैं और आठ (पीटी) मामले आरोपित किए गए हैं और विचाराधीन हैं। एडीजी, सीआईडी ने समीक्षा के दौरान सभी जांच अधिकारियों को जांच में तेजी लाने और सीएसएएम मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और दोष सिद्ध करने का निर्देश दिया। एडीजी, सीआईडी ने जांच अधिकारियों की सराहना की, जिन्होंने सीएसएएम मामलों में तेजी से गिरफ्तारी सुनिश्चित की और चार्जशीट दायर की। सुझाव सीएसएएम/(बाल यौन शोषण सामग्री) के प्रसार के बारे में ऑनलाइन सुझाव हैं जो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा राज्य सीआईडी को प्रस्तुत किए जाते हैं।

Summons Regarding Judgment of Suit
(Code of Civil Procedure, Order 5 Rules 1 & 5), Process No 252/23
Civil Claim Case No 113/A/2020
Court Distt Motor Accident Claim Tribural (MACT) Durg C.G.
Applicant PUNITRAM CHOUDHARY, Non Applicant G.P.Y.D. RAJU and others VS- G.P.Y.D. RAJU S/O GAURI NAIDU, Residence, Village : Sallir Thana Sallir, Distt- Vijyanagram, State- Andhra Pradesh, Because the Plaintiff Text has Act 166 MACT filled a case against you, you are ordered by way of summons that you appear in this court 20.04.2023 at 11.00 a.m. in person or through a pleader who has properly explained that the facts of the case and who is able to answer all questions necessary to the case (or) accompanied by a person who may answer such questions) appear to answer the case and on the day fixed for your attendence being kept for the final decision of the case, you shall on that date be required to produce all such witnesses and documents have ready who you want to rely on to confirm your defense. You are warned that if you do not appear on the date text, the case will be heard and decided in your absence. Today 14 Month 03 year 2023 issued this day under the seal of court.
Seal
Sanjay Kumar Jaiswal
JUDGE (MACT)
Durg (Chhattisgarh)

अधिकतम सजा दर के लिए समन्वय आवश्यक : चौहान

सीपी ने पुलिस व अभियोजन अधिकारियों की समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त डीएस चौहान ने नेरेडमेट स्थित सीपी कार्यालय में पुलिस व अभियोजन अधिकारियों की समन्वय बैठक की। इस मौके पर राचकोंडा सी.पी. चौहान ने कहा कि यदि आपराधिक न्याय प्रणाली में सभी लोग सजा दर बढ़ाने के उद्देश्य से समन्वय के साथ काम करते हैं, तो राचकोंडा आयुक्तालय में मामलों की जांच के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को बताते हुए अपराधी को उचित सजा दी जाएगी। इसी तरह, अगर पुलिस और अभियोजक मामले से संबंधित मामलों पर एक साथ चर्चा करते हैं और बिना किसी लूप होल के काम करते हैं, तो अपराधियों को उचित सजा दी जाएगी। इससे समाज में आपराधिक न्याय प्रणाली में विश्वास पैदा होता है। तेलंगाना राज्य में अधिकतम सजा दर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी जांच अधिकारियों और कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों की सराहना की। इसी तरह, एनडीपीएस के मामलों में भी एसओपी और चेक लिस्ट का पालन करने का सुझाव दिया जाता है ताकि दोषियों को उसके अनुसार दंडित किया जा सके। संयुक्त आयुक्त वी. सत्यनारायण ने कहा कि पुलिस को पीड़ितों और उनके परिवारों को समय पर न्याय दिलाने के उद्देश्य से अपने कर्तव्यों का समयबद्ध तरीके से पालन करना चाहिए, ताकि वैज्ञानिक जांच के अनुसार मामलों का त्वरित निस्तारण और सजा की दर हासिल की जा सके। बैठक में राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के चार जोनल डीसीपी, क्राइम डीसीपी, एसीपी, उप निदेशक कस्तूरी, संयुक्त निदेशक राजी रेड्डी और अतिरिक्त लोक अभियोजकों ने सीसीआरबी, जांच अधिकारियों, सीडीओ और अभियोजन पक्ष की ओर से भाग लिया।

मंत्री ने सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कीमती जान बचाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) में प्रशिक्षित करने के राज्य सरकार के फैसले के साथ, मंत्री येर्राबल्ली दयाकर राव ने शनिवार को हनमकोंडा के नक्कलगुट्टा में कलेक्ट्रेट में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए, राव ने कहा कि वारंगल जिले के चार चिकित्सा अधिकारियों को पहले ही हैदराबाद में सीपीआर पर मास्टर प्रशिक्षण दिया जा चुका है, और वे प्रति दिन 60 लोगों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने कहा, "पहले चरण में चिकित्सा अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को सीपीआर प्रशिक्षण दिया जाएगा," उन्होंने कहा कि चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों को अगले चरण में सीपीआर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से सीपीआर प्रशिक्षित लोगों तक पहुंचने और दिल का दौरा पड़ने वाले लोगों की जान बचाने के लिए 108 डायल करने का भी आग्रह किया। एमएलसी बी सरैया, वर्धनपेट के विधायक ए रमेश, मेयर जी सुधरानी, कुडा के अध्यक्ष सुंदर राज यादव, जिला कलेक्टर पी प्रविन्या, पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ और अन्य उपस्थित थे।

प्रश्नपत्र लीक मामले में भाजपा नेताओं ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसपीएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में भाजपा नेताओं ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेता डीके अरुणा, विधायक ईटेला राजेंदर, विट्ठल, राज्य के आधिकारिक प्रवक्ता और पूर्व सदस्य, टीएसपीएससी, ए.वी.एन. रेड्डी, एमएलसी, मर्री शशिधर रेड्डी, पूर्व राज्य मंत्री डॉ बुरा नरसैय्या गौड़, पूर्व सांसद, एन. रामचद्र राव, पूर्व एमएलसी, चंद्रवदन, आईएएस सेवानिवृत्त, टी. कृष्णा प्रसाद, सेवानिवृत्त डीजीपी, दुग्याल प्रदीप कुमार, भाजपा राज्य महासचिव, एस कुमार, भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव , करुणा गोपाल, अधिवक्ता, भाजपा महिला मोर्चा, नीति अनुसंधान संयोजक ने आज तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग के प्रश्न पत्रों के लीक होने के बारे में राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन को एक ज्ञापन सौंपा और उनसे अनुरोध किया कि वे संवैधानिक शासनादेश के अनुसार आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। ज्ञापन में भाजपा नेताओं ने कहा कि तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग ने हाल ही में सहायक अभियंता आदि के पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की थी। प्रश्नपत्र आयोग के जिम्मेदार व्यक्तियों और कर्मचारियों ने ही लीक किया था। ऐसी खबरें हैं कि इसी तरह आयोग द्वारा पहले आयोजित समूह-I परीक्षा और छह अन्य परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक हो गए थे। उन्होंने कहा, 'हाल के मामले में बेगम बाजार थाने में एक प्राथमिकी जारी की गई थी और जांच विशेष जांच दल को सौंपी गई थी। गिरफ्तार किए गए नौ व्यक्ति निम्न श्रेणी के कर्मचारी थे और हमारा दृढ़ विश्वास है कि जांच केवल आंखों में धूल झोंकने वाली है। हमारे पास यह मानने के पुख्ता कारण हैं कि आयोग के अधिकारियों की मिलीभगत से आयोजित परीक्षाओं के लिए भी इसी तरह से प्रश्न पत्र लीक किए गए हैं। राज्य के भाजपा नेताओं की मांग है कि छात्र समुदाय और तेलंगाना राज्य के युवाओं के हित में, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, जिनके अधीन टीएसपीएससी सीधे कार्य करता है, को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उनका यह भी मानना है कि प्रश्न पत्र लीकेज घोटाला आईटी सुरक्षा प्रोटोकॉल की विफलता है और इसलिए आईटी मंत्री के.टी. रामा राव को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

तेलुगु राज्यों से पहली भारत गौरव गाड़ी की शुरुआत सिकंदराबाद से हुई

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के स्टॉपेज स्टेशनों से यात्रियों की सौ प्रतिशत ऑक्युपेंसी

पारंपरिक स्वागत और उत्सव के माहौल से तीर्थयात्रियों का स्वागत किया गया

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश, दोनों तेलुगु राज्यों से पहली भारत गौरव गाड़ी शनिवार को सिकंदराबाद स्टेशन से आरंभ हुई। इस दौरान स्टेशन परिसर में एक उत्सव का माहौल था। रेल यात्रियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। कूचिपुड़ी नर्तक सांस्कृतिक प्रदर्शन करते हुए दोनों तेलुगु राज्यों के विरासत की याद दिला रहे थे। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने रजनी हसीजा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आईआरसीटीसी और अन्य वरिष्ठ रेलवे पदाधिकारियों की उपस्थिति में रेल यात्रियों को स्वागत किट सौंपा। 'पुण्य क्षेत्र यात्रा : पुरी-काशी-अयोध्या' नाम की इस गाड़ी का परिचालन भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा किया जा रहा है। आईआरसीटीसी इस गाड़ी से यात्रा करने वाले पर्यटक तीर्थयात्रियों के लिए एंड-टू-एंड सेवाएं प्रदान कर रही है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था, पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट सेवाएं, गाड़ी में सुरक्षा (सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे सहित), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा तथा यात्रा के दौरान सहायता के लिए आईआरसीटीसी टूर प्रबंधकों की उपस्थिति शामिल हैं। 8 रात/9 दिन की अवधि वाली इस यात्रा में पुरी, कोणार्क, गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज के महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण शामिल है। रेल यात्रियों की मांगों को पूरा करने के लिए गाड़ी में एसी और गैर-एसी दोनों प्रकार के कोच हैं। इस अनोखी पहल में यात्रियों की अपार रुचि देखी गई है, दोनों तेलुगु राज्यों में फैले सभी 9 स्टॉपेज स्टेशनों (सिकंदराबाद सहित) के यात्री इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आगे आए हैं। गाड़ी की सभी सात सौ सीटें पूरी तरह से बुक हो गई हैं। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक ने इस अवसर पर कहा कि यह गाड़ी तीर्थयात्रियों को व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने की परेशानी से बचाते हुए प्रमुख सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करने का एक अनोखा अवसर प्रदान करती है।

प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लगी

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के शास्त्रीपुरम में शनिवार तड़के एक प्लास्टिक के गोदाम में भीषण आग लग गई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी। पुलिस ने कहा कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने का संदेह है। आग से गोदाम परिसर में रखा दो ट्रक व प्लास्टिक सामग्री जलकर राख हो गई। भीषण आग और धुंआ देख स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दीष दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर दमकल की चार गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। पुलिस जांच कर रही है।

यादाद्री मंदिर पहुंचे धर्मस्व मंत्री

हैदराबाद, 18 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंदोबस्ती मंत्री इंद्रकरण रेड्डी अपने परिवार के सदस्यों के साथ शनिवार को यादगिरीगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर गए। इस अवसर पर पुजारियों द्वारा मंत्री का पूर्ण कुंभम से भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने पीठासीन देवता की पूजा अर्चना की और पुजारियों से आशीर्वाद लिया। इस बीच, दत्त पीठम के प्रमुख द्रष्टा, श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामी ने भी यदाद्री मंदिर का दौरा किया और भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा से प्रार्थना की। बंदोबस्ती मंत्री इंद्रकरण रेड्डी और मंदिर के अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.